खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 11 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-253

राहुल, स्टालिन, शिवकुमार अमेरिका में, ओवैसी-अब्दुल्ला से मिल कर जा चुके अमेरिकी 'दूत'

षड्यंत्रकारी सब एक साथ अमेरिका में जुटे... यह महज संयोग नहीं

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार 8 सितंबर को अमेरिका पहुंचे। इसके तुरंत बाद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार भी अमेरिका निकल पड़े। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पहले से अमेरिका में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चल रहे षडयंत्र के सूत्रधार अमेरिका में बैठे हैं और भारत में उनके कठपुतलिए एक साथ अमेरिका में जुटे हैं। यह महज संयोग नहीं है। अमेरिकी राजनयिक के वेश में षडयंत्रकारियों के दूत पहले ही हैदराबाद में एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी और श्रीनगर में नेशनल

कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला से मिल कर जा चुके हैं। चर्चा है कि भारत के नेता एक साथ अमेरिका में क्या कर रहे हैं। वैसे, ऊपर ऊपर तो यही बताया जा रहा है कि ये सब उनकी व्यक्तिगत यात्रा है। लेकिन राहुल गांधी के देश-विरोधी और चीन-प्रेमी बयानों को सुन कर तो यही लगता है कि षडयंत्र के नए अध्याय सीखने राहुल गांधी अमेरिका गए हैं।

अमेरिकी षडयंत्रकारी धनपशु जॉर्ज सोरोस और उनके भारतीय पिट्ठुओं के बीच बिचौलिया का काम करने वाले सैम पित्रोदा ने पिछले हफ्ते कहा था कि राहुल गांधी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर नहीं आ रहे हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में विभिन्न लोगों से व्यक्तिगत तौर पर

शुभ-लाभ सरोकार

बातचीत करने का मौका मिलेगा। यहां पर राहुल गांधी पत्रकारों से भी रूबरू होंगे। इसी प्रसंग में यह भी उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हुए तख्तापलट में जॉर्ज सोर-ोस, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन सक्रिय तौर पर शामिल रहे हैं। मुहम्मद यूनुस या शेख हसीना सरकार के खिलाफ बगावत करने वाले कट्टरपंथी, सेना, पुलिस और जनता तो केवल उनके मोहरे थे। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकारों का स्पष्ट मानना है कि बांग्लादेश के तख्तापलट में अमेरिका का हाथ है, लेकिन वह भारत पर प्रयोग के पहले बांग्लादेश पर आजमाया गया। अब इसकी तैयारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है।

▶10पर

पित्रोदा ने संकेतों में धमकी दी... राहुल को पप्पू न समझो

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका प्रवास के दौरान इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने संकेतों में चेतावनी जारी की कि कोई राहुल गांधी को पप्पू नहीं समझे। सही है कि जो व्यक्ति भारत के खिलाफ इतने सुनियोजित और व्यापक षडयंत्र में शामिल होगा, वह पप्पू कैसे हो सकता है। सैम पित्रोदा ने कहा भी, राहुल गहरी सोच रखने वाले रणनीतिकार हैं। पित्रोदा के इस वाक्यांश को गहराई से समझना चाहिए।

मणिपुर में फिर बिगड़े हालात, हिंसा के बाद कई जगह कर्फ्यू

राजभवन बढ़ रहे छात्रों पर पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

इंफाल, 10 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में एक बार फिर हालात बिगड़ गए हैं। हिंसा कई जिलों में देखने को मिली है, सबसे ज्यादा तनाव की स्थिति इम्फाल में है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूर्वी और पश्चिमी इंफाल के कई इलाकों में तत्काल प्रभाव से कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके ऊपर पांच दिनों के लिए इंटरनेट को भी सस्पेंड करने का फैसला लिया गया है।

मणिपुर में 1 सितंबर से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगहों पर आगजनी हुई है। पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा है। आंसू गैस के गोले दागे गए हैं। इस स्थिति की वजह से ही छात्रों ने भी सड़कों पर उतर विरोध प्रदर्शन किया है। कई इलाकों में बड़ी संख्या में छात्रों का हुजूम सड़कों पर दिखा। उस भीड़ का पुलिस से भी आमना-सामना हुआ जिसमें कई लोग घायल हुए। कुछ दिन पहले ही राज्यपाल के घर तक को घेरने की कोशिश हुई थी, रात के समय

मणिपुर में पांच दिनों के लिए इंटरनेट निलंबित

एक सितंबर से अब तक हुई 11 लोगों की मौत

में टॉर्च मार्च निकाल विरोध प्रदर्शन हुआ था। राजभवन पर पथराव किए जाने की भी खबरें आईं। अब उस स्थिति को कंट्रोल में करने के लिए मणिपुर में फिर कर्फ्यू का सहारा लेना पड़ रहा है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि उपद्रवियों के पास अब खतरनाक हथियार पहुंच चुके हैं, हमले सिर्फ बंदूक से नहीं हो रहे बल्कि ग्रेनेड और रॉकेट तक का इस्तेमाल हो रहा है।

असल में मणिपुर में तीन समुदाय सक्रिय हैं। इनमें दो पहाड़ों पर बसे हैं और एक समुदाय घाटी में रहता है। मैतेई हिंदू समुदाय है और 53 फीसदी के करीब है जो घाटी में रहता है। वहीं दो और समुदाय हैं नागा और कुकी, ये दोनों ही आदिवासी समाज से आते हैं और पहाड़ों में बसे हुए हैं। अब मणिपुर का एक कानून है, जो कहता है कि मैतेई समुदाय सिर्फ घाटी में रह सकते हैं और उन्हें पहाड़ी क्षेत्र में जमीन खरीदने का कोई अधिकार नहीं होगा। ये समुदाय चाहता है कि इसे अनुसूचित जाति का दर्जा मिले, लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है।

बहरहाल, राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे छात्रों, महिला प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच मंगलवार को झड़प हो गई। हालात पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। प्रदर्शनकारी मणिपुर सरकार के डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार से ख्वाइरामबंद महिला बाजार में डेरा डाले सैकड़ों छात्रों ने बीटी रोड के साथ राजभवन की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस भवन के पास सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक दिया।

▶10पर

अनुसंधान के लिए संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी : मोदी

- शोध की मौजूदा समस्याओं के नए समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी
- बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, उन्हें हासिल करने और बड़े अनुसंधान करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से बड़े अनुसंधान के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने पर जोर देते हुए कहा कि उनके प्रयासों के लिए संसाधनों की कोई कमी आडे नहीं आने दी जाएगी।

श्री मोदी ने मंगलवार को यहां अपने आवास पर राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान के शासी निकाय की पहली बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में देश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिदृश्य तथा अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों की नई रूपरेखा के बारे में चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान के शासी निकाय की पहली बैठक के साथ एक नई शुरुआत हुई है। उन्होंने देश में अनुसंधान इकोसिस्टम में बाधाओं की पहचान करने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, उन्हें हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करने और बड़े अनुसंधान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शोध की मौजूदा समस्याओं के नए समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समस्याएं वैश्विक प्रकृति की हो सकती हैं लेकिन उनका समाधान भारतीय जरूरतों के अनुरूप स्थानीय होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने संस्थानों के उन्नयन और मानकीकरण की आवश्यकता पर भी चर्चा की। उन्होंने उनकी विशेषज्ञता के आधार पर क्षेत्र विशेषज्ञों की एक सूची तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने एक डैशबोर्ड विकसित करने की भी बात कही, जहां देश में अनुसंधान और विकास से जुड़ी जानकारी के बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। प्रधानमंत्री ने अनुसंधान और नवाचार के लिए संसाधनों के उपयोग की वैज्ञानिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। इसे एक महत्वाकांक्षी शुरुआत बताते हुए उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिक समुदाय को विश्वास होना चाहिए कि उनके प्रयासों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। ▶10पर

साइबर सुरक्षा के बिना देश का विकास असंभव : शाह

साइबर अपराध की रोकथाम के लिए प्रमुख पहलों का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू बताते हुए कहा है कि साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है।

श्री शाह ने मंगलवार को यहां विज्ञान भवन में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई 4 सी) के पहले स्थापना दिवस समारोह में साइबर अपराध की रोकथाम के लिए अनेक प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि तकनीक मानव जीवन के लिए आशीर्वाद है लेकिन तकनीक के बढ़ते उपयोग से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं और इसीलिए साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है। ▶10पर

आंदोलनकारी डॉक्टरों ने नहीं माना सुप्रीम कोर्ट का आदेश

मांगें पूरी होने तक काम पर नहीं लौटेंगे

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

चिकित्सक दुष्कर्म और हत्या मामले में आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स ने शाम 5 बजे तक ड्यूटी पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं माना है। उनका कहना है कि मांगें पूरी होने तक डॉक्टर्स काम पर नहीं लौटेंगे। इससे पहले सोमवार को शीर्ष अदालत ने प्रदर्शनकारी रेजिडेंट डॉक्टर्स को मंगलवार शाम 5 बजे तक काम पर लौटने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि काम पर लौटने पर उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार ने कोर्ट में यह आश्वासन दिया था कि काम पर लौटने पर प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई या तबादले नहीं किए जाएंगे। आंदोलनकारी डॉक्टर में से एक ने कहा कि हमारी मांगें पूरी नहीं होने पर हम काम बंद करना जारी रखेंगे।

▶10पर

हर घंटे 53 दुर्घटनाएं, 19 मौतें

सड़क सुरक्षा पर नितिन गडकरी ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

सड़क दुर्घटनाओं और उससे होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनियाभर में सबसे आगे है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश के लोगों, सड़क बनाने वाले महकमों और वाहन निर्माताओं को इस बारे में आगाह किया है। गडकरी ने उन उपायों को अपनाने को कहा जो मोटर चालकों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए सड़कों को सुरक्षित बना सकते हैं। नितिन गडकरी मंगलवार को सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सम्मेलन में बोल रहे थे। गडकरी ने देश में सभी के लिए सुरक्षित सड़कें बनाने की जरूरत पर बार-बार जोर दिया है। उन्होंने निर्माताओं से ड्राइविंग स्कूल स्थापित करने का भी आग्रह किया। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वाहन चलाने वाले स्थानीय रूल और रेगुलेशन (नियमों और विनियमों) से अवगत हों, ▶10पर

राहुल गांधी के बयान पर हरदीप सिंह पुरी का कड़ा प्रहार

गांधी परिवार सत्ता में था तो सिखों पर खतरा था

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। अमेरिकी दौरे पर राहुल गांधी ने सिखों पर कुछ ऐसा कहा, जिस पर अब भारतीय जनता पार्टी हमलावर नजर आ रही है। राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार करते हुए कहा कि अचानक राहुल ने कहा कि भारत में सिख समुदाय में एक खास तरह की चिंता है कि वे पगड़ी या कड़ा नहीं पहन सकते। मैं छह दशकों से पगड़ी और कड़ा पहन रहा हूं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर हमारे इतिहास में ऐसा कोई समय रहा है, जब हमें असुरक्षा महसूस हुई है तो वह समय था जब राहुल गांधी का परिवार सत्ता की सीट पर था। राहुल पर झूठी कहानी फैलाने का आरोप लगाते हुए पुरी ने 1984 की हत्याओं को भी याद किया।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 23°

चुनाव में आतंकियों का रुझान : पहले जमात-ए-इस्लामी

अब अफजल गुरु का भाई भी चुनाव मैदान में

जम्मू, 10 सितम्बर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के चुनावों में एक के बाद एक राजनीतिक धमाके होने बंद नहीं हुए हैं। पहले ही प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी द्वारा चुनाव मैदान में उम्मीदवार उतार कर सभी को चौंकाते हुए अन्य उम्मीदवारों के लिए चुनौती पैदा कर दी थी तो अब भारतीय संसद पर हमले के लिए दोषी माने गए और फांसी पर चढ़ाए गए अफजल गुरु के भाई ने चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आतंकी अफजल गुरु के नाम पर सियासी घमासान मचा हुआ है। उमर अब्दुल्ला के विवादित

बयान के बीच 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु के भाई ने विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। अफजल गुरु के भाई का नाम एजाज है और उन्होंने जम्मू कश्मीर में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में सोपोर से खड़े होने का ऐलान किया है। हालांकि एजाज ने कहा कि वह अपने भाई अफजल गुरु के नाम पर वोट नहीं मांगेंगे।

सनद रहे कि सोपोर सीट कभी अलगाववादी नेता और जमात विचारक सैयद अली शाह गिलानी का गढ़ मानी जाती थी। हालांकि अफजल गुरु के भाई एजाज को किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया है, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने का मन बना लिया है और कहा है कि वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। एजाज ने कहा, मैं सोपोर से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ूंगा। जब हर कोई चुनाव लड़ रहा है, तो मैं क्यों नहीं लड़ूं? मेरी विचारधारा मेरे भाई से अलग है। मैं फर्जी मामलों में गिरफ्तार युवाओं के लिए लड़ूंगा, ▶10पर

इंजीनियर राशिद को कोर्ट से मिली राहत, अब खुल्ला बोलें

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इंजीनियर राशिद को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से मंगलवार को बड़ी राहत मिली है। इंजीनियर राशिद को दो अक्टूबर तक अंतरिम जमानत मिल गई है। कोर्ट ने उन्हें जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए यह राहत दी है। अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद वर्तमान में आतंकी फंडिंग के मामले में यूएपीए के तहत दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वह अवामी इत्तेहाद पार्टी का अध्यक्ष है। दो बार विधायक भी रह चुका है।

लोकसभा चुनाव में राशिद ने बारामुला लोकसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को हराया था। राशिद ने अपना राजनीतिक करियर वर्ष 2008 में शुरू किया था। एक निर्माण इंजीनियर के रूप में अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सियासत शुरू की।

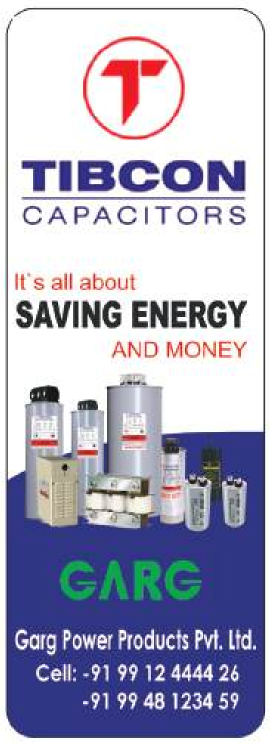

बांग्लादेश नहीं रोक पा रहा रोहिंग्या घुसपैठ को, अवैध रूप से कर रहे प्रवेश

ढाका, 10 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश रोहिंग्या घुसपैठ को नहीं रोक पा रहा। म्यांमार के रखाइन राज्य के माउंगडॉ से बड़ी संख्या में रोहिंग्या एजेंटों की मदद से नाव से नाफ नदी पार करके बांग्लादेश में प्रवेश कर रहे हैं। एजेंट इन लोगों से मोटा पैसा ले रहे हैं। वह तटीय जिलों में विभिन्न शरणार्थी शिविरों में शरण ले रहे हैं।

ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो (अंग्रेजी संस्करण) की खबर के अनुसार, अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लगभग 14,000 रोहिंग्याओं ने पिछले सात-आठ दिन में उखिया के कई शिविरों में शरण ली है। इसके अलावा 60 हजार से 70 हजार रोहिंग्या बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में एकत्र हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और कोस्ट गार्ड के सदस्यों की बांग्लादेश-म्यांमार सीमा और नाफ नदी पर कड़ी निगरानी के बावजूद रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ से स्थानीय नागरिक और जन प्रतिनिधि चिंतित हैं। माउंगडॉ टाउनशिप में सशस्त्र विद्रोही समूह, अराकान सेना और म्यांमार सुरक्षा बलों के बीच चल रही लड़ाई पिछले कुछ दिनों में तेज हो गई है। दोनों पक्ष मोर्टार, ग्रेनेड और बम का प्रयोग कर रहे हैं। कहीं-कहीं तो ड्रोन हमले भी किए जा रहे हैं।

टेकनाफ उप जिला निर्बाही अधिकारी एमडी अदनान चौधरी ने कहा कि रोहिंग्या सीमा के विभिन्न बिंदुओं से घुसपैठ कर रहे हैं। उनमें से बड़ी संख्या में नाफ नदी से वापस म्यांमार की ओर धकेले जा रहे हैं। नाफ नदी और सीमा पर गश्त बढ़ा दी गई है। बताया गया है कि विद्रोही अराकान सेना ने माउंगडॉ टाउनशिप से सटे पांच गांवों से करीब 60,000 रोहिंग्या को बेदखल कर दिया है। वर्तमान में रखाइन राज्य में तीन लाख से अधिक रोहिंग्या रह रहे हैं। अवैध रूप से पहुंचे 51 वर्षीय हाकिम अली ने बताया कि उसने चार सितंबर की रात को नाव से नाफ नदी पार की और शिविर में एक रिश्तेदार के कमरे में शरण ली। एजेंट एक व्यक्ति को नदी पार कराने के लिए 500,000 म्यांमार क्यात (18 क्यात = 1 टका) लेते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय लेखक अमिताव घोष ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज की रेस में शामिल

लंदन। प्रख्यात भारतीय लेखक अमिताव घोष का नाम मंगलवार को ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज फॉर ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग 2024 के संभावित विजेताओं में चुना गया। इसे कथेतर (नॉन फिक्शन) साहित्य के क्षेत्र में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार माना जाता है। इसके तहत 25,000 पाउंड की इनाम राशि प्रदान की जाती है। ब्रिटिश अकादमी की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार, घोष की कृति स्मोक एंड एशेज: ओपियम्स हिडेन हिस्ट्रीज का मुकाबला पांच अन्य अंतरराष्ट्रीय कृतियों के साथ है। उल्लेखनीय है कि भारत के कोलकाता में जन्मे अमिताव घोष अमेरिका में रहते हैं। निर्णायक मंडल ने इस अत्यंत पठनीय यात्रा वृतांत, संस्मरण और इतिहास को जीवंत बनाने में उनके कहानी कहने के कौशल की प्रशंसा की। ब्रिटिश अकादमी बुक प्राइज के बयान में कहा गया है कि घोष ने अपने इस उपन्यास में दशकों के अभिलेखीय शोध का उपयोग किया है। इसमें 18वीं शताब्दी से लेकर वर्तमान अफीम संकट और अमेरिका में ऑक्सीकॉन्टिन घोटाले तक वैश्विक अफीम व्यापार के आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव का पता लगाने का प्रयास किया गया है। इस वर्ष के पुरस्कार की रेस में शामिल अन्य लेखकों में एड कॉनवे को मटेरियल वर्ल्ड: ए सब्सटेंशियल स्टोरी ऑफ अवर पास्ट एंड फ्यूचर के लिए; केट कितागावा और टिमोथी रेवेल को द सीक्रेट लाइव्स ऑफ नंबरस: ए ग्लोबल हिस्ट्री ऑफ मैथमेटिक्स एंड इट्स अनसंग ट्रेलब्लेजर्स के लिए चुना गया है। साथ ही द टेम एंड द वाइल्ड: पीपुल एंड एनिमल्स आफ्टर 1492 के लिए मार्सी नॉर्टन को, लैंग्वेज सिटी: द फाइट टू प्रिजर्व एन्डेंजर्ड मदर टंग्स के लिए रॉस पर्लिन को और डिवाइडेड: रेसिज्म, मेडिसिन एंड व्हाई वी नीड टू डीकोलोनाइज हेल्थकेयर के लिए एनाबेल सोवेमिमो को चुना गया है। ब्रिटिश अकादमी ने कहा है कि विजेता की घोषणा 22 अक्टूबर को होगी। इससे एक दिन पहले 2024 शॉर्टलिस्ट किए गए लेखकों को लंदन रिव्यू बुकशॉप के साथ साझेदारी में ब्रिटिश अकादमी में एक विशेष कार्यक्रम के लिए एक साथ लाया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरस्कार विजेता पत्रकार रोजी गोल्डस्मिथ करेंगी।21 और 22 अक्टूबर के इन दोनों इवेंट को लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। संभावित विजेताओं के नामों की सूची जारी करने वाले निर्णायक मंडल में प्रोफेसर चार्ल्स ट्रिप, प्रोफेसर रेबेका अर्ले, पूर्व बीबीसी संवाददाता ब्रिजेट केंडल, पत्रकार और प्रसारक रितुला शाह और प्रोफेसर चक्रवर्ती रामप्रसाद शामिल रहे।

इमरान खान की रिहाई करने की मांग कर रहे पार्टी अध्यक्ष गिरफ्तार, खैबर पख्तूनख्वा सीएम ने शहबाज सरकार को दी चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष और सांसद बैरिस्टर गौहर खान गिरफ्तार हो गए हैं उन्हें नेशनल असेंबली से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के एक दिन पहले ही पीटीआई कार्यकर्ताओं और नेताओं ने इस्लामाबाद में रैली की थी और इमरान खान को जेल से रिहा करने की मांग की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीटीआई नेताओं बैरिस्टर गोहर, शेर अफजल खान मारवात और अन्य को इस्लामाबाद पुलिस ने सोमवार रात गिरफ्तार किया। इस्लामाबाद पुलिस के प्रवक्ता जवाद तकी ने बताया कि मारवत, शोएब शाहीन और बैरिस्टर गोहर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीटीआई ने गोहर की गिरफ्तारी को अवैध बताया और इसकी निंदा की है। पार्टी ने कहा कि यह पूरी संसद के लिए शर्मनाक पल है। इसे पाकिस्तान में लोकतंत्र पर सीधा हमला माना जाना चाहिए। संसद के इस तरह के अपमान की इजाजत देने के लिए नेशनल असेंबली के स्पीकर को शर्म आनी चाहिए। पीटीआई ने कहा कि पाकिस्तान अघोषित मार्शल लॉ में धंस गया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अट्टा तरार ने कहा कि जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान के सैन्य मुकदमे के बारे में कोई भी फैसला केस की मेरिट को देखते हुए किया जाएगा। बता दें इमरान की पार्टी ने रविवार को एक शक्ति प्रदर्शन किया था जिसमें उनकी तत्काल रिहाई की मांग की गई और पार्टी पर कार्रवाई के लिए सरकार की आलोचना की गई थी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े थे। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने एक कदम आगे बढ़कर सरकार को चेतावनी दी है कि वह इमरान खान को दो हफ्ते के अंदर रिहा कर दें वरना पार्टी उन्हें जबरन रिहा करवा लेगी। उन्होंने ऐलान किया कि वह आगे बढ़ेंगे और इमरान को जेल से बाहर निकालने के लिए पहली गोली खाएंगे।

ओली के प्रधानमंत्री बनते ही पांच साल से रुके नेपाल-चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास को हरी झंडी

काठमांडू, 10 सितंबर (एजेंसियां)। केपी शर्मा ओली के नेपाल का प्रधानमंत्री बनते ही चीन के पक्ष में एक के बाद एक निर्णय किए जा रहे हैं। इस क्रम में ओली सरकार ने पहले चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया। इसके बाद नेपाल के पूर्वाधार विकास के लिए दी जाने वाली परियोजना को बीआरआई के तहत करने की घोषणा की गई। अब पिछले पांच साल से रुके चीन के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास को फिर से आगे बढ़ाने को मंजूरी दी गई है।

नेपाली सेना ने नेपाल और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास को फिर से शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। सन 2019 से कोविड महामारी के कारण रुका हुआ सैन्य ड्रिल का चौथा संस्करण इस महीने के अंत में चीन में आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई है।

नेपाली सेना मुख्यालय के मुताबिक यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 21 सितंबर से शुरू होगा और 10 दिनों तक चलेगा। हालाँकि चीन सख्त स्वास्थ्य प्रतिबंधों के कारण महामारी के बाद शुरुआती वर्षों में अभ्यास को फिर से शुरू करने में झिझक रहा था लेकिन अब वह आगे बढ़ने के लिए सहमत हो गया है।

अधिकारियों के अनुसार निवर्तमान सेना प्रमुख प्रभु राम शर्मा ने नेपाल सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के बीच संयुक्त अभ्यास को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव कुमार केसी ने बताया कि संयुक्त अभ्यास में सहभागिता को लेकर अंतिम तैयारी की जा रही है।

सैन्य सूत्रों के मुताबिक निवर्तमान सेनाध्यक्ष शर्मा ने चीनी पक्ष को प्रस्ताव दिया था कि उनकी सेवानिवृत्ति से पहले अभ्यास की तारीखों की पुष्टि की जाए। शर्मा सोमवार को आधिकारिक तौर पर सेवानिवृत्त हो गए और नेपाली सेना का नेतृत्व अशोक राज सिगडेल को सौंप दिया गया है। अभ्यास की तैयारी में शर्मा ने अपने वरिष्ठ अधिकारी प्रेमध्वज अधिकारी को चर्चा के लिए बीजिंग भेजा था। अधिकारी की वापसी के तुरंत बाद अंतिम तिथियां निर्धारित की गई हैं।

सागरमाथा मैत्री अभ्यास के रूप में जाना जाने वाला यह अभ्यास पहली बार 2017 में शुरू हुआ, जिसने नई दिल्ली और वाशिंगटन दोनों का ध्यान आकर्षित किया था। इस वर्ष का सैन्य अभ्यास संस्करण छंगदु में होगा। 2017 से पहले नेपाल और चीन के बीच कोई संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित नहीं किया गया था।

भारत, अमेरिका और अन्य देशों ने नेपाल और चीन के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को भू-राजनीतिक तनाव के चश्मे से देखते हुए चिंता व्यक्त की है। हाल ही में, चीन ने विकास और सुरक्षा दोनों क्षेत्रों में नई वैश्विक पहल शुरू की है, जैसे कि वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई), जिसने भारत और पश्चिमी देशों में और अधिक हलचल पैदा कर दी है। हालाँकि, नेपाल ने चीन को सूचित कर दिया है कि वह जीएसआई का हिस्सा नहीं हो सकता।

नेपाली सेना का कहना है कि ये संयुक्त अभ्यास नियमित है, भारत और अमेरिका सहित अन्य देशों के साथ किए जाने वाले सैन्य अभ्यास के समान ही है। उदाहरण के लिए, नेपाल और भारत दोनों देशों के बीच हर साल सूर्य किरण सैन्य अभ्यास आयोजित करते हैं।

नेपाल सेना की एक विशेष टीम, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप जंग केसी के नेतृत्व में एक पर्यवेक्षक समूह भी शामिल है, ड्रिल में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेगी, जो आतंकवाद विरोधी और आपदा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगी। प्रत्येक देश 18 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। ड्रिल के पिछले तीन संस्करण 2017, 2018 और 2019 में आयोजित किए गए थे।

हमास-इजराइल युद्ध रुकवाने भारत की तरफ देख रही दुनिया

जीसीसी बैठक में जयशंकर बोले-गाजा के हालात हमारी सबसे बड़ी चिंता

रियाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन युद्ध खत्म के लिए दुनियाभर के देश भारत की और उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पीएम मोदी का संदेश देने मास्को गए हैं। वहीं हमास-इजराइल जंग खत्म करवाने के लिए भारत की मध्यस्थता की मांग उठती रही है। इस बीच रियाद में हुई जीसीसी बैठक में भारत ने इस जंग को लेकर साफ कहा कि गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच पिछले कई महीनों से जंग जारी है। इस लड़ाई में करीब 40 हजार फलस्तीनी आम नागरिक मारे गए हैं।

इसे लेकर जयशंकर ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मुस्लिम देशों के नेताओं के साथ बैठक में कहा कि गाजा के मौजूदा हालात अब हमारी सबसे बड़ी चिंता है। इस संबंध में भारत का रुख सैद्धांतिक और एक समान रहा है। हम आतंकवाद जैसी घटनाओं की निंदा करते हैं, लेकिन बेगुनाह नागरिकों पर हुई बमबारी से लगातार हो रही मौतों से हमें गहरा दुख है। जयशंकर ने कहा कि किसी भी कार्रवाई में मानवीय कानून के सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जल्द से जल्द जंग रोकने का समर्थन करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत दो-राष्ट्र समाधान के जरिये फिलिस्तीन के मसले के समाधान के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीनी संस्थानों और क्षमताओं के निर्माण में भी योगदान दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि जहां तक मानवीय स्थिति का सवाल है, हमने राहत प्रदान की है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को अपना सहयोग बढ़ाया है। जीसीसी एक प्रभावशाली समूह है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, बहरीन, ओमान, कतर और कुवैत जैसे देश शामिल हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में जीसीसी देशों के साथ भारत का कुल व्यापार 184.46 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर पेशावर पहुंचे

पेशावर, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

रावलपिंडी सेंट्रल जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर आज पेशावर पहुंच गए। संघीय राजधानी इस्लामाबद में पीटीआई नेताओं की हो रही धरपकड़ के बीच गंडापुर वहां से छुपते-छुपाते यहां पहुंचे।

इस्लामाबाद में पार्टी की रैली के संबंध में कानून के कथित उल्लंघन को लेकर पीटीआई नेतृत्व के खिलाफ हुई कार्रवाई के मद्देनजर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर घंटों लापता रहने के बाद पेशावर पहुंचे।

उनके पेशावर पहुंचने की पुष्टि पीटीआई के सदस्य नेशनल असेंबली (एमएनए) शाहिद खट्टक ने की। बताया गया है कि गंडापुर ने इस्लामाबाद में शक्ति प्रदर्शन रैली में हिस्सा लिया। इसके बाद वे संघीय राजधानी में विभिन्न बैठकों में व्यस्त रहे। पूर्व सत्तारूढ़ दल पीटीआई ने कहा कि गंडापुर ने प्रांत में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर सरकारी अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। बैठक स्थल पर मोबाइल फोन जैमर लगा होने के कारण उनसे संपर्क नहीं किया जा सका। पहले पार्टी ने उन्हें हिरासत में लेने की आशंका जताई थी।

ट्रंप और हैरिस पहली बार होंगे आमने-सामने मंच तैयार, होने वाली बहस पर सारी दुनिया की नजर

वाशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बहुप्रतीक्षत बहस (प्रेसिडेंशियल डिबेट) आज (मंगलवार) है। दोनों राष्ट्र के सामने अपने विचार रखेंगे। इसके लिए मंच तैयार है। यह बहस ही दोनों में से किसी एक के व्हाइट हाउस जाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर को है। आज होने वाली इस प्रेसिडेंशियल डिबेट पर सारी दुनिया की नजर टिकी हुई है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले उम्मीदवारों के बीच अहम मुद्दों पर होने वाली इस बहस से मतदाता अपनी राय बनाते हैं। इस बहस को भारत के समय के हिसाब से बुधवार सुबह सात से आठ बजे (संयुक्त राज्य अमेरिका के हिसाब से मंगलवार रात नौ बजे) देखा जा सकेगा।

इससे पहले 28 जून को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई थी। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमने-सामने थे। ट्रंप को डिबेट का विनर घोषित किया गया। तब से काफी चीजें बदल चुकी हैं। ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ। वह बाल-बाल बचे। इसके बाद बढ़ती उम्र और बिगड़ती तबीयत का हवाला देते हुए बाइडेन ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। फिर डेमोक्रेटिक पार्टी ने कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया। वह ट्रंप को टक्कर देती दिख रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा का सत्र आहूत, पास हो सकता है निंदा प्रस्ताव

पीटीआई प्रमुख गिरफ्तार, कई सांसदों को उठाया और भी निशाने पर

इस्लामाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में नौ सितंबर की देररात नेशनल असेंबली सत्र के बाद संसद भवन के बाहर से रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीई) के कई सांसदों को पुलिस उठा ले गई। देशभर में पीटीआई के प्रमुख नेताओं को दबोचने के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पार्टी नेता बैरिस्टर गौहर अली खान, शेर अफजल खान मारवात और एडवोकेट शोएब शाहीन को इस्लामाबाद ने गिरफ्तार किया गया है। उमर, जरताज, हम्माद अजहर, कंवल शौजाब, नईम हैदर पंजुथा, आमिर मुगल और खालिद खुर्शीद सहित पीटीआई के और नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी जा रही है।

इस्लामाबाद पुलिस के प्रवक्ता जवाद तकी ने पीटीआई नेता बैरिस्टर गोहर अली खान, शेर अफजल खान मारवात और वकील शोएब शाहीन की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। बताया गया है कि पुलिस ने मारवत को सबसे पहले हिरासत में लिया। विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने पीटीआई नेताओं को गिरफ्तार करने की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें, पीटीआई नेता जरताज गुल वजीर और अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार करने के लिए टीमें बनाई थीं। उमर ने एक्स पर लिखा है कि फासीवादी शासन और उसके समर्थक पूरी तरह से पागल हो गए हैं। पीटीआई नेता जुल्फी बुखारी ने गिरफ्तार किए गए नेताओं को तुरंत रिहा करने की मांग की है। पीटीआई के वकील अली इजाज बुट्टर ने एक्स पोस्ट में कहा है कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने सदस्यों मारवत और एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट शाहीन की गिरफ्तारी की निंदा की है। उल्लेखनीय है कि इस्लामाबाद में आठ सितंबर को पीटीआई की बहुप्रतीक्षित रैली के बाद धरपकड़ तेज की गई है। इस रैली के बाद पीएमएल-एन के सीनेटर तलाल चौधरी ने सोमवार को कहा था कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर पर कार्रवाई जरूर होगी। उल्लेखनीय है कि गंडापुर पीटीआई के बड़े नेता हैं। वह रैली के बाद भूमिगत हैं। इस घटनाक्रम की जड़ में रैली का स्थान बदलना है।

पुलिस ने दावा किया कि रैली में हिस्सा लेने आए पीटीआई समर्थकों ने यातायात निर्देशों की अनदेखी की। आम जनता के लिए निर्धारित मार्ग का उपयोग किया। रोकने पर जवानों पर पथराव किया। बचाव में पुलिस को लाठीचार्ज कर आंसू गैस के गोले दागने पड़े। दर्जनों प्रदर्शनकारियों को भी गिरफ्तार किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई नेताओं की हो रही धरपकड़ के बीच मंगलवार को खैबर पख्तूनख्वा (केपी) विधानसभा का एक तत्काल सत्र बुलाया गया है। विधानसभा सचिवालय की अधिसूचना में कहा गया है कि बैठक दोपहर तीन बजे निर्धारित की गई है। पहले यह बैठक 23 सितंबर को होनी थी लेकिन अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली समेत पीटीआई नेताओं की गिरफ्तारी के बाद इसे मंगलवार को तय किया गया है। बताया गया है कि इस बैठक में गिरफ्तारी पर निंदा प्रस्ताव लाए जाने की उम्मीद है।

ऑल इन वन
बुधवार, 11 सितंबर, 2024
हैदराबाद
शुभ लाभ DAILY

पर्वतीय प्रदेश में मुस्लिम आबादी बढ़ाने पर जोर

हिमाचल की भी डेमोग्राफी बदलने की कोशिश

अवैध मस्जिदों की तादाद भी बेतहाशा बढ़ी

शिमला, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अवैध रूप से बनाई गई संजौली मस्जिद को तोड़ने की मांग इन दिनों जोर पकड़ रही है। प्रदेश के हिंदू सड़कों पर उतरे हुए हैं और राज्य में बन रहे अवैध ढांचों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनकी इस मांग का समर्थन कांग्रेस सरकार के मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने भी किया है। हिमाचल प्रदेश में अब डेमोग्राफी में बदलाव का खतरा भी स्थानीय लोगों को लगने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदेश में तेजी से अवैध घुसपैठ हो रही है।

हिमाचल प्रदेश में डेमोग्राफी में बदलाव के साथ ही मस्जिद-मदरसों की संख्या में भी बढ़त देखी गई है। कई जगह इनका निर्माण अवैध रूप से हुआ है। प्रादेशिक स्तर पर हिंदू हितों के लिए काम करने वालों का कहना है कि इस पूरे खेल में राज्य का वक्फ बोर्ड भी शामिल है। उनका कहना है कि राज्य में डेमोग्राफी बदलाव की कोशिशों में तेजी पिछले 3-4 साल से तेजी आई है।

हिमाचल प्रदेश हिंदू बहुसंख्यक आबादी वाला राज्य है। यहां 90% से अधिक जनसंख्या हिंदू धर्म को मानने वालों की है। लेकिन हिंदू आबादी की वृद्धि दर राज्य की मुस्लिम आबादी से कहीं कम है। हिमाचल प्रदेश की जनगणना के आंकड़े से पता चलता है कि वर्ष 2001 से 2011 के बीच राज्य में मुस्लिम आबादी 25% की गति से बढ़ी। हिमाचल प्रदेश की मुस्लिम आबादी 2001 में 1.19 लाख थी। यह 2011 में बढ़ कर 1.49 लाख पहुंच गई। इसमें इस दौरान 25.6% की वृद्धि हुई। वहीं इस दौरान हिंदू आबादी की वृद्धि दर केवल 12% रही।

यदि इसी वृद्धि दर को ही माना जाए तो इस समय हिमाचल प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 1.9 लाख हो गई होगी। इस संख्या में वह लोग शामिल नहीं हैं जो बाहर से आकर हिमाचल प्रदेश में रह रहे हैं या फिर जनसंख्या में गिने नहीं गए। हिंदू जागरण मंच के महामंत्री कमल गौतम का कहना है कि राज्य कुछ वर्षों पहले जिन इलाकों में 100 बाहरी मुस्लिम रह रहे थे वहां अब उनकी संख्या बढ़ कर चार गुनी हो गई है। उन्होंने डेमोग्राफी में बदलाव को बड़ी चिंता बताया है।

हिमाचल प्रदेश में मात्र मुस्लिम आबादी और बाहरी घुसपैठ ही एक समस्या नहीं है। राज्य में मस्जिद-मदरसे भी तेजी से बढ़े हैं। हिंदू जागरण मंच ने एक रिपोर्ट में बताया है कि राज्य कोरोना काल से पहले 393 मस्जिदें थी। लेकिन कोरोना के बाद इनकी संख्या 520 हो गई। बताया गया कि सिरमौर जिले में सबसे अधिक 130 मस्जिदें बन गई हैं। इसके अलावा चंबा में 87 और ऊना में 52 मस्जिदें हैं। प्रदेश में मदरसों की संख्या भी 35 है।

हिंदू जागरण मंच का आरोप है कि उन जगह पर मस्जिदें बनाई जा रही हैं जहां कोई भी मुस्लिम नहीं रहता। इसके अलावा उनका निर्माण भी अनुमति के हो रहा है। संजौली की मस्जिद को लेकर हुआ विवाद इसी कारण है। यह मस्जिद असल में काफी छोटी थी और यहां मात्र दो मंजिल थी। लेकिन बिना अनुमति के यहां भी पांच मंजिल मस्जिद खड़ी कर दी गई। यहां नगर निगम की नोटिस के बाद भी काम नहीं रोका गया। इसी तरह शिमला के कसुम्पटी में भी चोरी छुपे मस्जिद का निर्माण चल रहा था।

सिर्फ शिमला ही नहीं बल्कि मंडी में भी अवैध मस्जिद के निर्माण की बात सामने आई है। मंडी में पीडब्लू की जमीन पर मस्जिद का ढांचा खड़ा कर दिया गया। यहां भी बिना नक्शा बनवाए ही काम किया गया। हिंदू जागरण मंच का कहना है कि पहले किसी व्यक्ति की जमीन खरीदी जाती है और उस पर एक ढांचा खड़ा किया जाता है, इसके बाद आसपास की जमीन कब्जा ली जाती है। हिंदू जागरण मंच ने यह भी बताया कि मस्जिदों को बाहर तिरपाल और टेंट से घेर कर अंदर चुपके से काम होता रहता है। मंडी में 2023 में एक अस्थायी मस्जिद को गिराया भी गया था।

हिमाचल प्रदेश देश के सबसे शांत राज्यों में एक है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में यहां भी ऐसे अपराध सामने आए हैं जिनमें बाहर से आने वाले मुस्लिम शामिल रहे हैं। हाल ही में बकरीद के दौरान सोलन में दुकान करने वाले जावेद नाम के एक युवक ने अपने स्टेटस पर कथित तौर पर गोकशी का फोटो लगाया। इसके बाद माहौल बिगड़ गया। यह युवक उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इससे पहले वर्ष 2023 में चंबा में मनोहर नाम के एक युवक की हत्या कर दी गई।

मनोहर का अपराध इतना था कि वह एक मुस्लिम लड़की से प्रेम करता था। उसकी लाश के तक टुकड़े टुकड़े कर दिए गए। यह मुद्दा हिमाचल में लम्बे समय तक छाया रहा। हिंदू जागरण मंच का आरोप है कि इस मामले में ढिलाई बरती गई। इससे पहले 2022 में एक हिंदू नाबालिग बच्ची प्राची की हत्या एक आसिफ नाम के एक युवक ने कर दी थी। आसिफ इस घर में अखबार बाँटने जाता था। इसके अलावा बाहर से आने वाले लोग यहां चेन स्नेंचिंग जैसे छोटे-मोटे अपराधों को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में लव जेहाद के मामले भी सामने आने लगे हैं। सितम्बर, 2023 में हिमाचल प्रदेश के मंडी से एक ऐसा ही गंभीर मामला सामने आया था। मंडी में जम्मू कश्मीर के एक युवक ने खुद को सेना का जवान बताया और अपना नाम सोनू बताया। वह जिस किराए के घर में रहता था, वहीं की रहने वाली एक लड़की को उसने अपनी हिंदू पहचान बता कर फंसा लिया और फिर उसको अगवा करके जम्मू लेकर चला गया। लड़की को बाद में पता चला कि सोनू असल में अयाज है। इसके बाद लड़की किसी तरह वापस अपने घर पहुंच सकी। उसने वापस आकर अपनी आपबीती बताई। अगस्त 2023 में ही हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से एक लड़की को एक युवक भगा कर राजस्थान लेकर गया। हरोटा गांव के लोगों ने बताया था कि इस वारदात में मुस्लिम युवक शामिल था। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि उनके इलाके में मुस्लिम युवक लगातार ऐसी ही वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट में एनआईए का सनसनीखेज खुलासा

प्राण प्रतिष्ठा के दिन पर भाजपा कार्यालय उड़ाने वाले थे आतंकी

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट से पता चला है कि कैफे में ब्लास्ट करने वाले आतंकी भाजपा दफ्तर पर भी हमले का प्रयास कर चुके थे। यह हमला बेंगलुरु में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन होना था। एनआईए ने इस मामले में 4 लोगों को आरोपी बनाया है। इन आतंकियों के नाम मुसव्विर हुसैन शाजिब, अब्दुल मतीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ हैं।

एनआईए ने बताया है कि शाजिब ने ही रामेश्वरम कैफे में बम रखा था वहीं अब्दुल ताहा ने उसकी सहायता की थी। यह दोनों कर्नाटक के ही शिवमोगा के रहने वाले हैं। यह दोनों 2020 में अल हिंद मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद से फरार थे। इन दोनों को पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया था। यह दोनों आतंकी फर्जी सिम, फर्जी खाते और नकली पहचान का इस्तेमाल कर रहे थे। यह इन्हें डार्क वेब से मिलती थी। इसके अलावा यह अपने आतंकी मिशन को अंजाम देने के लिए क्रिप्टो करेंसी का इस्तेमाल करते थे। यह करेंसी इन्हें इनके हैंडलर देते थे।

दोनों इस क्रिप्टोकरेंसी को टेलीग्राम के जरिए सामान्य पैसे में बदलते थे और फिर इसके जरिए आतंकी साजिश को अंजाम देते थे। 1 मार्च, 2024 को रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट से पहले इन दोनों ने 22 जनवरी, 2024 को बेंगलुरु के भाजपा कार्यालय को उड़ाने की साजिश भी रची थी। इन दोनों का प्लान था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन भाजपा कार्यालय को उड़ा दिया जाए। यह काम एक आईईडी हमले से होने था। हालांकि, दोनों इसमें कामयाब नहीं हो पाए।

उत्तराखंड के कई गांवों में मुस्लिमों की नो-एंट्री

ग्रामीणों ने गांव के बाहर लगाया इस आशय का बोर्ड

देहरादून, 10 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के कुछ गांवों में स्थानीय निवासियों ने मुस्लिमों की इंट्री बैन करने का फैसला किया है। तमाम ग्रामीणों ने एकमत हो कर गांव के बाहर इस आशय का बोर्ड लगा दिया है। बोर्ड में मुस्लिम फेरीवालों को गांव में न घुसने की हिदायत दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कोई बाहरी मुस्लिम वहां सामान बेचने आया तो उस से जुर्माना वसूला जाएगा। यह बोर्ड सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि स्थानीय निवासियों ने अपनी सफाई में इसे सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया निर्णय बताया है।

चमोली जिले के नंदप्रयाग इलाके में एक नाबालिग हिंदू लड़की से मुस्लिम समुदाय के सैलून संचालक द्वारा की गई अश्लील हरकतों के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। अब हिंदू संगठनों की पहल पर गांव स्तर पर लोगों ने बाहर से आने वाले मुस्लिमों की इंट्री बैन करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का सबसे ज्यादा असर रुद्रप्रयाग जिले में देखा जा सकता है। यहां के ग्रामसभा गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण, मेखंडा, शेरसी और नयालसू आदि में ग्रामीणों ने गांव के बाहर बड़े-बड़े बोर्ड लगा कर चेतावनी जारी कर दी है। इस बोर्ड में लाल रंग से मोटे शब्दों में हेडलाइन के तौर पर चेतावनी लिखा हुआ है। इसके बाद गौरीकुंड ग्रामसभा के बोर्ड में लिखा, गैर हिंदू/रोहिंग्या मुसलमानों व फेरी वालों का गांव में व्यापार करना/घूमना वर्जित है। अगर गांव में कहीं भी मिलता है तो दंडात्मक व कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बोर्ड में आदेश समूची ग्राम सभा द्वारा लिया जाना बताया गया है।

अनुच्छेद-370 के कारण जम्मू कश्मीर में जो पहले थे अछूत

इस बार विधानसभा चुनाव में वाल्मीकि डालेंगे वोट

श्रीनगर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है। इस दौरान वहां बहुत कुछ बदल गया है। राज्य में अब न ही अनुच्छेद 370 है और न पूर्ण राज्य का दर्जा। जम्मू-कश्मीर अब केंद्रशासित प्रदेश है। इसके साथ ही यहां का सामाजिक परिदृश्य भी बदल गया है। यहां के वाल्मीकि समुदाय के लोग पहली बार मतदान करेंगे। इससे पहले उन्हें मतदान करने का अधिकार नहीं था।

जम्मू-कश्मीर में रह रहे लगभग 350 वाल्मीकि परिवार के लोग इससे बेहद उत्साहित हैं। अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद उन्हें अन्य नागरिकों की तरह ही सारे अधिकार मिल गए हैं। इन परिवारों के पूर्वजों को 1957 में तत्कालीन सरकार द्वारा महामारी के दौरान सफाई कर्मचारी के रूप में काम करने के लिए पंजाब से जम्मू लाया गया था। यह परिवार यहीं का होकर रह गया। इसके बावजूद इन्हें राज्य के स्थायी निवासी का कभी दर्जा नहीं दिया गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सबसे अहम हिस्सा मतदान तक से वंचित यह तबका जम्मू-कश्मीर में दोयम दर्जे का नागरिक बनकर रह रहा था। इन्हें राज्य के अन्य निवासियों के लिए उपलब्ध अन्य अधिकारों से भी वंचित कर दिया गया था।

केंद्र की मोदी सरकार ने जब 5 अगस्त 2019 को राज्य से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया तो इनकी स्थिति अचानक से बदल गई। इनके राज्य में आने के लगभग छह दशक बाद वाल्मीकि समुदाय के सदस्यों को आखिरकार 2020 में स्थायी निवास प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस तरह इन परिवारों के लिए यह एक नया सवेरा था। वाल्मीकि समुदाय के इन परिवारों के लगभग 10,000 सदस्य राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करेंगे। वाल्मीकि समाज के अध्यक्ष घारू भट्टी ने इंडिया टुडे से बातचीत में संवैधानिक बदलावों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति समुदाय की ओर से गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा यह सपना सच होने जैसा है।

दरअसल, मतदान के साथ-साथ वाल्मीकि समुदाय के बच्चों के वहां की सरकारी नौकरियों में आवेदन भी नहीं कर सकते थे, क्योंकि उनके पास स्थायी निवासी प्रमाण पत्र नहीं था। इससे उन लोगों में भारी निराशा होती है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे वाल्मीकि समुदाय में खुशी की लहर छा रही है।

पाकिस्तान में सफाई कर्मियों की नौकरी के लिए गैर-मुस्लिम होना जरूरी है। इस तरह के वहां विज्ञापन भी निकलते रहते हैं। नाले-पेशाब-पखाना साफ करते हिंदू दलितों की जो हालत आज पाकिस्तान में है, वही हालत अनुच्छेद 370 के उन्मूलन से पहले भारत के जम्मू-कश्मीर में थी। इनके लिए जम्मू-कश्मीर का कोई भी राजनीतिक दल आवाज नहीं उठाया।

1957 में जम्मू-कश्मीर राज्य ने राज्य विधानसभा के शासनादेश से सफाई कर्मी के नाम पर वाल्मीकि समाज के लोगों को पंजाब के पठानकोट, अमृतसर, जालंधर, होशियारपुर इत्यादि से लाकर जम्मू-कश्मीर राज्य के भिन्न-भिन्न स्थानों पर उनकी कॉलोनी बना कर बसाया गया। सरकारी दस्तावेजों में इस नौकरी को भंगी पेशा नाम दिया गया था। वाल्मीकि समुदाय के लोगों को सफाई-कर्म के अलावा कोई भी अन्य नौकरी करना आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित था। देश-विदेश तक से शिक्षित इस समुदाय के लोग न ही किसी सरकारी उच्च शिक्षा या प्रोफेशनल कोर्स, जैसे मेडिकल या इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते थे, न ही विधानसभा में चुनाव लड़ सकते थे और वोट भी नहीं डाल सकते थे।

जम्मू कश्मीर में सबसे बड़ा सवाल, कौन बनेगा मुख्यमंत्री

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 सितम्बर। बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए मैदान तैयार होने के साथ ही राजनीतिक दल मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम घोषित किए बिना ही मैदान में उतर रहे हैं। यहां तक कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसी पारंपरिक ताकतवर पार्टियां, जिनके नेता पहले भी मुख्यमंत्री पद पर रह चुके हैं, ने भी शीर्ष पद के लिए अपने उम्मीदवारों को नामित न करने का फैसला किया है।

राजनीतिक पंडितों के अनुसार, यह हिचकिचाहट स्पष्ट जनादेश हासिल करने को लेकर मौजूदा अनिश्चितता से उपजी है। राजनीतिक विशेषज्ञों का सुझाव है कि कोई भी पार्टी स्वतंत्र रूप से सरकार बनाने का दावा करने के लिए पर्याप्त आश्वस्त नहीं है। आंतरिक असंतोष का डर भी एक भूमिका निभा रहा है, क्योंकि चुनाव के बाद गठबंधन की संभावना बहुत अधिक है। मौजूदा खंडित राजनीतिक परिदृश्य के साथ, यह अपरिहार्य प्रतीत होता है कि किसी भी भावी सरकार को गठबंधन के समर्थन की आवश्यकता होगी, ठीक वैसे ही जैसे पिछले दो चुनावों में हुआ था।

2014 के चुनावों में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पीडीपी के साथ गठबंधन में सरकार बनाई थी, जबकि 2008 में, नेशनल कांफ्रेंस कांग्रेस के समर्थन से सत्ता में आई थी। इसी तरह, 2002 की सरकार कांग्रेस-पीडीपी गठबंधन की थी। पीडीपी एक बार फिर खुद को किंगमेकर की भूमिका में लाने की तैयारी में है, क्योंकि अलग-अलग समय पर उसने कांग्रेस और भाजपा दोनों का समर्थन किया है।

पिछले सप्ताह बिजबिहाड़ा विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार इल्तिजा मुफ्ती ने भी इसी तरह का बयान दिया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि पीडीपी जम्मू कश्मीर में किंगमेकर की भूमिका में उभरेगी, क्योंकि आगामी विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को अकेले बहुमत नहीं मिलेगा। इल्तिजा ने इस साल 29 अगस्त को मीडिया से कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि हम जिस भी स्थिति में होंगे, पीडीपी किंगमेकर की भूमिका में होगी।

एक बात तो साफ है कि किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। इसलिए राजनीतिक दल मुख्यमंत्री पद के लिए व्यक्तिगत उम्मीदवारों के बजाय अपने प्रचार अभियान की ताकत पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट मांग रही है, कांग्रेस राहुल गांधी को अपने प्रमुख व्यक्ति के रूप में लेकर प्रचार कर रही है, जबकि नेकां और पीडीपी क्रमशः फारूक अब्दुल्ला और मुफ्ती मोहम्मद सईद की विरासत का लाभ उठा रही हैं। छोटी पार्टियां भी कुछ सीटें जीतने और सरकार गठन में खुद को अहम खिलाड़ी के तौर पर पेश करने के मौके की तलाश में हैं।

भाजपा अपनी राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप, स्पष्ट मुख्यमंत्री उम्मीदवार के साथ चुनाव नहीं लड़ रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता और निर्मल सिंह तथा लंबे समय से प्रदेश अध्यक्ष रहे रवींद्र रैना जैसे कई मजबूत नेताओं के बावजूद, पार्टी काफी हद तक पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की लोकप्रियता पर निर्भर है। भाजपा की प्रचार सामग्री में इन राष्ट्रीय नेताओं को प्रमुखता से दिखाया गया है, और स्थानीय चेहरों ने संभवतः टिकट वितरण के कारण आंतरिक असंतोष के कारण होने वाले विरोध से बचने के लिए पीछे हट गए हैं।

पीडीपी के लिए, यह चुनाव एक महत्वपूर्ण मोड़ है क्योंकि यह अपने संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद के बिना पहला विधानसभा चुनाव है। पार्टी आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें कई प्रमुख नेता पार्टी छोड़ रहे हैं, और महबूबा मुफ्ती ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इन असफलताओं के बावजूद, पार्टी मुफ्ती सईद की विरासत पर प्रचार कर रही है, जिसमें महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, इल्तिजा ने साफ कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल मेरी प्राथमिकता मेरा प्रचार अभियान है। मैं लोगों को यह समझाना चाहती हूं कि मैं उनके लिए सही प्रतिनिधि क्यों हूं। मेरे लिए, सीएम बनना बिल्कुल भी महत्वपूर्ण नहीं है। मैं बहुत छोटी हूं, यह बहुत हास्यास्पद लगता है। मेरी प्राथमिकता इन चुनावों को जीतना और लोगों का सच्चा प्रतिनिधि बनना है।

इस बीच, कांग्रेस ने नेकां के साथ गठबंधन किया है, लेकिन केवल 31 सीटों पर चुनाव लड़ने और 44 के बहुमत के आंकड़े के साथ, पार्टी शीर्ष पद के बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका के लिए लक्ष्य बना रही है। पार्टी ने हाल ही में अपने प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल की जगह हामिद कर्रा को नियुक्त किया, इस कदम को राहुल गांधी के राष्ट्रीय नेतृत्व में लड़ने की अपनी व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि, नेकां के गठबंधन का नेतृत्व करने के साथ, कांग्रेस अभियान में एक माध्यमिक भूमिका निभाती दिख रही है। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नेकां से संभावित दावेदार बने हुए हैं, लेकिन पार्टी ने उन्हें आधिकारिक तौर पर सीएम उम्मीदवार के रूप में नामित करने से परहेज किया है। कांग्रेस के साथ गठबंधन और हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में हार ने नेकां के अभियान की गतिशीलता को जटिल बना दिया है। फिर भी, पार्टी अभी भी फारूक अब्दुल्ला के वरिष्ठ नेतृत्व पर निर्भर है, जो अब 80 से अधिक उम्र के हैं, जो पार्टी रैलियों में एक प्रमुख चेहरा बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई भाजपा प्रत्याशियों ने नामांकन किए दाखिल

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को लाड़वा विधानसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र भरा।

इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल श्री सैनी के साथ थे। नामांकन से पहले श्री सैनी ने रोडशो किया। उससे पहले सुबह श्री सैनी ने अपने कार्यालय का भी उद्घाटन किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद के बाद मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की लहर है। मतदाताओं ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

सीएम सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि हम पीएम मोदी के साथ मिलकर हरियाणा में विकास को और आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि हुड्डा के पास न तो कोई नीति है और न ही नीयत। कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और उनके पास जनता के लिए कोई ठोस योजना नहीं है।

राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी आज कुरुक्षेत्र जिला सचिवालय में अपना नामांकन पत्र भरा। मुख्यमंत्री नायब सैनी इस दौरान उनके साथ मौजूद रहे। जिससे दोनों नेताओं के समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जनसभाओं में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता की उपस्थिति देखी गई, जिससे दोनों नेताओं के प्रति समर्थन का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम नायब का दावा तीसरी बार बनेगी सरकार

पानीपत शहर से भाजपा प्रत्याशी प्रमोद विज के नामांकन के मौके पर शहरी एवं ऊर्जा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विपक्ष पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा मजबूत स्थिति में है और प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों और योग्यता आधारित सरकारी नौकरियों के सिस्टम से जनता संतुष्ट है। उन्होंने दावा किया कि पानीपत समेत करनाल लोकसभा क्षेत्र की सभी 9 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी भारी मतों से विजयी होंगे। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि प्रदेश में सभी वर्गों को साथ लेकर काम किया जा रहा है। पार्टी में नाराज नेताओं पर उन्होंने कहा कि भाजपा एक बड़ा परिवार है, और परिवार में कोई सदस्य नाराज होता है तो उसे मना लिया जाता है।

पूर्व वित्त मंत्री एवं नारनौंद से भाजपा प्रत्याशी कैप्टन अभिमन्यु ने मंगलवार को एसडीएम कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कैप्टन अभिमन्यु के बेटे सात्विक सिंधु ने उनके कवरिंग प्रत्याशी के तौर पर पर्चा भरा है। इस मौके पर पूर्व विधायक दादा रामकुमार गौतम ने कैप्टन अभिमन्यु को जीत का आशीर्वाद दिया। नामांकन पत्र भरने से पूर्व भाजपा प्रत्याशी कैप्टन अभिमन्यु ने अपने पैतृक गांव खांडा खेड़ी में हवन यज्ञ किया। इस मौके पर कैप्टन अभिमन्यु के पारिवारिक सदस्य और समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने अपनी माता परमेश्वरी देवी का आशीर्वाद लिया।

पत्रकारों से बातचीत में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि नारनौंद हलके में आपकी स्थिति बहुत मजबूत है। आज आपमें जो जोश है, उसे मतदान तक बनाए रखना है। आपकी मेहनत के बलबूते नारनौंद में फिर से कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में हलके में अनेक विकास कार्य हुए। इस बार युवाओं के रोजगार पर विशेष फोकस रहेगा। युवा वर्ग को उच्च शिक्षा तथा उन्हें रोजगार के बेहतरीन अवसर प्रदान करने के लिए रोड मैप तैयार कर लिया गया है। भाजपा की प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनने पर नारनौंद हलके में विशेष कोचिंग सेंटर तथा रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

यमुनानगर के साढौरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह ने केंद्रीय राज्य कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही। हिसार के नलवा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रणधीर पनिहार ने भी अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इस मौके पर उनके साथ मौजूद रहे। चरखी दादरी के दादरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व जेलर सुनील सांगवान ने चुनाव के लिए अपना नामांकन भरा। इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह, पहलवान बबीता फोगाट, और भाजपा जिला अध्यक्ष किरण कलकल भी मौजूद रहीं। सांगवान के नामांकन से क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

बाढड़ा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी उमेद पातुवास ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान राज्यसभा सांसद किरण चौधरी और सांसद धर्मबीर सिंह उनके साथ उपस्थित थे, जिससे चुनावी माहौल में और जोश देखने को मिला। उकलाना विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनूप धानक ने पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुभाष बराला की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे और पूरे क्षेत्र में चुनावी हलचल देखने को मिल रही है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

भाजपा ने 21 उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

पहलवान विनेश फौगाट के खिलाफ कैप्टन योगेश बैरागी मैदान में

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी दूसरी सूची में 21 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी ने राज्य के शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा और जनस्वास्थ्य मंत्री बनवारी लाल का टिकट काट दिया है। पार्टी ने जुलाना में कांग्रेस की उम्मीदवार विनेश फौगाट के खिलाफ कैप्टन योगेश बैरागी को मैदान में उतारा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भाजपा ने पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची में 67 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। इस तरह से पार्टी ने अब तक राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है।

हरियाणा के लिए भाजपा की दूसरी सूची में नारायणगढ़ से पवन सैनी, पेहोवा (पिहोवा) से जय भगवान शर्मा (डीडीशर्मा), पुंडरी से सतपाल जाम्बा, असंध से योगेंद्र राणा, गनौर से देवेंद्र कौशिक, राई से कृष्णा गहलावत, बरोदा से प्रदीप सांगवान, जुलाना से कैप्टन योगेश बैरागी, नरवाना से कृष्ण कुमार बेदी, डबवाली से सरदार बलदेव सिंह मांगीयाना, ऐलनाबाद से अमीर चंद मेहता, रोहतक से मनीष ग्रोवर, नारनौल से ओम प्रकाश यादव, बावल से डॉ. कृष्ण कुमार, पटौदी से बिमला चौधरी, नूंह से संजय सिंह, फिरोजपुर क्षिरका से नसीम अहमद, पुन्हाना से ऐजाज खान, हथिन से मनोज रावत, होडल से हरिंदर सिंह रामरतन और बडखल से धनेश अदलखा को पार्टी ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

भजनलाल ने सियोल टेक्निकल हाई स्कूल का किया दौरा

सियोल/जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को सियोल टेक्निकल हाई स्कूल का दौरा किया। श्री शर्मा ने इस दौरान नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाली छात्रों के अनुरूप उल्लेखनीय पहलों को देखा और स्कूल के प्रिंसिपल जोबोक ली और स्कूल के अन्य अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने स्कूल के अंदर बने एडवांस्ड टेक्नीकल सेंटर को भी देखा एवं छात्रों से बातचीत की और कक्षाओं में पढ़ाई जा रही अत्यधिक उन्नत एआई तकनीक का अनुभव किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना बहुत अच्छा है और इससे लोगों को रोजगार पाने और अच्छी नौकरी/भूमिकाएँ पाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवसरों की कमी नहीं है और स्कूल के अधिकारी ऐसा ही एक संस्थान राजस्थान में लगाने का विचार कर सकते हैं। आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उन्होंने स्कूल के अधिकारियों और विद्यार्थियों को राजस्थान आने का आमंत्रण देते हुए कहा पधारो म्हारे देस।

भैरू बाबा मेले में विख्यात दंगल शुरु

भरतपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में गंगापुरसिटी के टोडाभीम के करीरी गाजीपुर गांव में भेरू बाबा के मेले पर दंगल मंगलवार को विधि विधान एवं पूजा अर्चना के साथ शुरु हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दंगल को विश्व के सबसे बड़े दंगलों में शुमार किया जाता है। दंगल में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश और दिल्ली के पहलवान अपने मल्ल कौशल का प्रदर्शन करके कुश्ती दंगल प्रेमियों को रोमांचित करेंगे। दंगल देखने के लिए मैदान के तीनों तरफ की पहाड़ी पर एक लाख से अधिक दर्शकों की भीड़ जुटती है। यहां पहाड़ी पर भैरू बाबा का मंदिर स्थित है। 101 रुपए से शुरू हुई कुश्तियां लाखों रुपए की इनाम राशि पर पहुंच जाती हैं। इस दौरान अलग-अलग राशि पर पहलवान अपना दमखम दिखाते हैं। फाइनल कुश्ती में सिर्फ दो ही पहलवान रहते हैं। जिसके बाद मेला समिति के सदस्यों द्वारा जीतने वाले पहलवानों को नगद इनाम की राशि दी जाती हैं।

आपा ने हरियाणा विधानसभा के लिए नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची की जारी

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) ने हरियाणा विधानसभा के लिए अपने नौ उम्मीदवारों की मंगलवार को दूसरी सूची जारी की।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने यहां हरियाणा विधानसभा के नौ प्रत्याशियों की सूची जारी की जिसमें इसमें सधौरा से रीता बामनिया, थानेसर से कृष्ण बजाज, इंद्री से हावा सिंह, रतिया से मुख्तियार सिंह बाजीगर, आदमपुर से भूपेंद्र बेनीवाल, बरवाला से प्रोफ़ेसर छत्रपाल सिंह, बावल से जवाहर लाल, फरीदाबाद से प्रवेश मेहता और तिगांव से आभास चंदेला का नाम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि आप ने कल बीस उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

चुनाव आयोग ने एएचयू के कुलपति को दिया नोटिस

हिसार, 10 सितंबर (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति बीआर कंबोज को हिसार के बिश्नोई मंदिर में जन्माष्टमी पर हुए कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंच पर जाने के संबंध में चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। हिसार विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने अपनी रिपोर्ट में कुलपति को आचार संहिता के उल्लंघन में दोषी पाया गया है। आरओ ने चुनाव आयोग को रिपोर्ट सौंप दी है। वहीं मंगलवार को आरओ के नोटिस के जवाब में कुलपति ने कहा, मैं धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति हूं और नियमित तौर पर धार्मिक आयोजनों में शामिल होता रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह समारोह में गए थे क्योंकि उन्हें जन्माष्टमी के अवसर पर प्रमुख व्यक्तियों द्वारा आमंत्रित किया गया था, जैसा कि वह कई वर्षों से करते आ रहे हैं। उन्होंने किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार किया। हिसार आरओ की रिपोर्ट के मुताबिक, कुलपति कंबोज बिश्नोई सभा द्वारा बिश्नोई मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। गत 26 अगस्त के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि थे और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, आदमपुर और फतेहाबाद के भाजपा विधायक भव्य बिश्नोई और दुड़ाराम सहित राजनीतिक नेता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कौन होगा, यह हाईकमान तय करेगा: सैलजा

चंडीगढ़, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने की सूरत में हरियाणा के मुख्यमंत्री का फैसला पार्टी हाईकमान करेगा। कुमारी सैलजा ने मीडिया से यहां बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा, यह उच्च कमान तय करेगा। उन्होंने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि टिकट को लेकर खींचतान होना स्वाभाविक है, जहां 2500 आवेदन आये हों, वहां प्रत्याशी का चयन करना आसान नहीं होता है, पर टिकट तो एक को ही मिलेगी, अन्य को पार्टी के सच्चे सिपाही होने के नाते पार्टी के लिये ही काम करना चाहिये। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस प्रदेश में काफी मजबूत स्थिति में है।

उल्लेखनीय है कि टिकट वितरण और आम आदमी पार्टी से गठबंधन के मुद्दे पर कुमारी सैलजा-रणदीप सुरजेवाला गुटऔर नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के गुट में तनातनी रही है। टिकट वितरण में श्री हुड्डा की चली है और आपा से गठबंधन को लेकर भी हुड्डा गुट गठबंधन के पक्ष में नहीं था, जबकि कुमारी सैलजा और सुरजेवाला चाहते थे कि आपा से गठबंधन हो।

दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने राजस्थान में निवेश करने में दिखाई रुचि

सियोल/जयपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दूसरे दिन कई दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने प्रदेश में निवेश के अवसरों की तलाश करने और राज्य में अपने व्यवसाय का विस्तार करने में अपनी रुचि दिखाई है।

जिन दक्षिण कारियाई कंपनियों ने राजस्थान में निवेश के लिए रुचि दिखाई हैं उनमें सैमसंग हेल्थकेयर, एलएक्स इंटरनेशनल, ओरियन कॉरपोरेशन, ह्योसंग कॉरपोरेशन के साथ-साथ कोरियन स्टोन एसोसिएशन सहित कई अन्य दक्षिण कोरियाई कंपनियां शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के संग चर्चा के दौरान सैमसंग हेल्थकेयर ने राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर एआई-आधारित नए हेल्थकेयर डिवाइसेज उपलब्ध कराने में अपनी रुचि दिखायी वहीं ओरियन कॉरपोरेशन ने अपने भिवाड़ी मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट की चर्चा करते हुए राजस्थान के लिए अपनी विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। एक अन्य दक्षिण कोरियाई फर्म एलएक्स इंटरनेशनल ने

राज्य के माइनिंग सेक्टर में काम करने की इच्छा जताई, खास कर लाइमस्टोन (स्टील ग्रेड), सिलिका, जिप्सम, लिग्नाइट, रेयर अर्थ मिनरल्स और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसी तरह एक अन्य प्रमुख दक्षिण कोरियाई फर्म ह्योसंग कॉरपोरेशन भारत में स्थानीय स्तर पर कार्बन फाइबर उत्पादन करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने कोरियन स्टोन एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ एक राइंडटेबल डिस्कशन में भी आज भाग लिया जिसमें तकनीकी सहयोग, राजस्थान में उत्पादित स्टोन्स की खरीद एवं वितरण और प्रदेश से निर्यात बढ़ाने पर चर्चा की गई। कोरियन स्टोन एसोसिएशन तथा सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स जो राजस्थान सरकार का उपक्रम है, के बीच सहयोग बढ़ाने की भी संभावनाओं पर भी चर्चा की गयी। कोरिया स्टोन एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल आगामी अक्टूबर में राजस्थान का दौरा करेगा। इस चर्चा के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें फरवरी 2026 में जयपुर में आयोजित होने वाले इंडिया स्टोन मार्ट 2026 में भी आमंत्रित किया। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने अपना दक्षिण कोरिया दौरा पूरा कर लिया है और अब राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों के मद्देनजर यह प्रतिनिधिमंडल अब जापान की यात्रा पर है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में ख़राब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं।

बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है।

आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारे में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक-दूसरे के साथ बिताएं और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 11 सितंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 11:48 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 09:22 तक
योग : प्रीति रात्रि 11:54 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:37 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक रात्रि 09:22 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री राधा अष्टमी, बुधाष्टमी , दुर्गा अष्टमी, गण्डमूल चालू है , भद्रा प्रातः 11:36 तक , श्री दधीचि जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गणेश जी का 5वें, 7वें दिन विसर्जन मुहूर्त यहां जानें, न करें ये गलती

7 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर देशभर में बप्पा की स्थापना हुई थी । इस दिन से दस दिवसीय गणेश उत्सव शुरू होता।

अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा को विदाई दी जाती है,गणपति मूर्ति का विसर्जन होता है। हालांकि लोग मान्यता अनुसार गणेश विसर्जन डेढ़, तीन, पांच या सांतवें दिन भी करते हैं।

ऐसे में पंचांग के अनुसार 5वें या 7वें दिन गणेश जी का विसर्जन मुहूर्त यहां जानें, क्योंकि जिस तरह गणपति स्थापना मुहूर्त में की जाती है उसी तरह विसर्जन भी शुभ समय देखकर ही करना चाहिए, इससे बप्पा की पूजा का संपूर्ण फल मिलता है। शुभ कार्य संपन्न होता है।

5वें दिन गणेश विसर्जन मुहूर्त

प्रातः मुहूर्त (शुभ) - सुबह 10:44 - दोपहर 12:17

अपराह्न मुहूर्त (चर, लाभ) - दोपहर 03:24 - शाम 06:31

सायाह्न मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - रात 07:57 - प्रात: 00:18, सितम्बर 12

उषाकाल मुहूर्त (लाभ) - सुबह 03:11 - सुबह 04:38, सितम्बर 12

7वें दिन गणेश विसर्जन मुहूर्त

प्रातः मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - सुबह 06:05 - सुबह 10:44

अपराह्न मुहूर्त (चर) - शाम 04:55 - शाम 06:28

अपराह्न मुहूर्त (शुभ) - दोपहर 12:17 - दोपहर 01:50

रात्रि मुहूर्त (लाभ) - रात 09:23 - रात 10:50

रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - प्रात: 12:17 - सुबह 04:38, सितम्बर 14

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन मुहूर्त

प्रातः मुहूर्त (चर, लाभ, अमृत) - सुबह 09:11 - दोपहर 01:47

अपराह्न मुहूर्त (शुभ) - दोपहर 03:19 - शाम 04:51

सायाह्न मुहूर्त (लाभ) - रात 07:51 - रात 09:19

रात्रि मुहूर्त (शुभ, अमृत, चर) - रात 10:47 - सुबह 03:12, सितम्बर 18

गणेश विसर्जन की विधि

गणेश विसर्जन वाले दिन बप्पा पूजा में उनकी पसंदीदा वस्तु जैसे दूर्वा, मोदक, लड्डू, सिंदूर, कुमकुम, अक्षत, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, हल्दी, नारियल, फूल, इत्र, फल, अर्पित करें। पूजा के समय ॐ श्री विघ्नराजाय नमः। मंत्र का जाप करें।

घर या पंडाल जहां गणपति स्थापित किए हो वहां आरती और हवन करें। अब एक पाट पर गंगाजल छिड़कें। उसपर स्वास्तिक बनाकर लाल कपड़ा बिछाएं। गणपति प्रतिमा और उन्हें अर्पित की सभी सामग्री पाट पर रखें और फिर ढोल, नगाड़ों के साथ झूमते, गाते, गुलाल उड़ाते हुए विसर्जन के लिए निकलेंनदी, तालाब के तप पर विसर्जन से पूर्व दोबारा गणेश जी की कपूर से आरती करें। जाने-अनजाने में हुई गलती की माफी मांगे। अगले साल आने की कामना करें।

ॐ गच्छ गच्छ सुरश्रेष्ठ, स्वस्थाने परमेश्वर। यत्र ब्रह्मादयो देवाः, तत्र गच्छ हुताशन इस मंत्र का जाप करते हुए मूर्ति को धीरे-धीरे जल में प्रवाहित करें।

गजानन को मोदक का भोग लगाते समय न करें ये भूल

गणेश उत्सव के दौरान गजानन को मोदक चढ़ाने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गणेशजी को मोदक अत्यंत प्रिय हैं और इन्हें अर्पित करने से भक्तों की मनोकामना भी पूरी होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि मोदक चढ़ाते समय कुछ खास वस्तुएं और रंग वर्जित भी माने गए हैं। अगर आप इन नियमों का पालन नहीं करते तो शुभ फल प्राप्त करने की बजाय विपरीत प्रभाव भी हो सकता है।

गणेशजी को काले रंग से जुड़ी किसी भी वस्तु या प्रसाद का चढ़ावा पसंद नहीं है। काले रंग को अंधकार और नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए गणपति पूजा के दौरान काले रंग के कपड़े या किसी भी काले रंग की वस्तु का उपयोग करना अशुभ माना जाता है। गणेश जी को मिठास प्रिय है, इसलिए कड़वे या तीखे पदार्थों का प्रयोग बिलकुल नहीं करना चाहिए। मोदक मीठा होता है, इसलिए गणेश जी को मीठे मोदक ही चढ़ाने चाहिए।

इन बातों को भी रखें ध्यान

-पूजा में शुद्धता का बहुत महत्व होता है। गणेश पूजा के दौरान लहसुन और प्याज का प्रयोग न करें, क्योंकि ये तामसिक गुणों वाली सामग्री मानी जाती है।

- शास्त्रों के अनुसार, गणेश जी को मिट्टी से बने मोदक भी पसंद हैं। इनका उपयोग विशेष अवसरों पर किया जा सकता है। खासकर अगर गणेश प्रतिमा मिट्टी की बनी हो। गणेशजी को मोदक के अलावा लड्डू भी प्रिय हैं। बेसन के लड्डू, बूंदी के लड्डू और सूखे मेवों से बने लड्डू चढ़ाना शुभ माना जाता है।

- गुड़ और नारियल से बने मोदक भगवान गणेश को अत्यधिक प्रिय माने जाते हैं। ये मोदक न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

पूजन विधि में खास ध्यान रखने योग्य बातें

- पूजा के दौरान भगवान गणेश को साफ-सुथरी जगह पर स्थापित करें और हमेशा पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पूजा करें।

- गणेश जी को कम से कम 21 मोदक चढ़ाना शुभ माना जाता है। मोदक को तांबे या पीतल की थाली में रखें।

बुधवार का धार्मिक महत्व क्या है?

बुधवार को हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन भगवान बुध की पूजा की जाती है। बुधवार को बुधवार पूजा कहा जाता है और लोग इस दिन भगवान बुध की आराधना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए विशेष उपाय करते हैं। भगवान बुध को बुधवार के दिन पूजने से विद्या, बुद्धिमत्ता, और सुकृति की प्राप्ति होती है। लोग इस दिन विशेष रूप से बुधवार पूजा करते हैं और मंदिरों में इस दिन भक्ति भाव से आराधना करते हैं।

लोग बुधवार के दिन विशेष उपाय और व्रत करते हैं ताकि उन्हें बुध के कुप्रभाव से मुक्ति मिले और उन्हें बुद्धिमत्ता में सुधार हो। कुछ लोग बुधवार के दिन अनुष्ठान और दान करते हैं, जैसे कि हरिनाम संकीर्तन, बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने वाले व्रत, और विद्यार्थियों को सहायता के लिए धन देना। बुधवार को भगवान बुध के मंत्रों का जाप करने से बुद्धिमत्ता में सुधार होता है और जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

बुधवार को शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में उत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए माना जाता है। इस दिन छात्र और शिक्षक भी अपने शिक्षा क्षेत्र की प्रेरणा में अपना समय बिताते हैं। इस प्रकार, बुधवार का धार्मिक महत्व हिन्दू धर्म में विशेष होता है और लोग इस दिन को भगवान बुध की पूजा और आराधना के साथ बिताते हैं।

जानें बुध ग्रह की स्थिति मजबूत करने के उपाय

बुध ग्रह के उपाय

बुध मंत्र जाप:- बुध ग्रह के मंत्र का नियमित जाप करना मदद कर सकता है। ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः इस मंत्र को नियमित रूप से जप करने से बुध ग्रह की शांति हो सकती है।

बुध पूजा:- बुधवार को भगवान बुध की पूजा करना भी ग्रह को मजबूत कर सकता है। व्यक्ति बुधवार को उनकी पूजा करके अशीर्वाद प्राप्त कर सकता है।

ध्यान और प्राणायाम:- योग और प्राणायाम भी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं और ग्रहों की स्थिति को सुधार सकते हैं।

धार्मिक अनुष्ठान:- व्यक्ति किसी भी धार्मिक अनुष्ठान का पालन करके भी बुध ग्रह को प्रसन्न कर सकता है।

उपवास और व्रत:- कुछ लोग बुधवार को उपवास रखते हैं और बुध ग्रह की क्रिपा प्राप्त करने के लिए विशेष व्रत भी कर सकते हैं।

दान और सेवा:- बुध ग्रह को शांति प्रदान करने के लिए किसी अच्छे कार्य में संलग्न होना और दान करना भी एक तरीका हो सकता है।

यदि किसी को बुध ग्रह की दशा में समस्याएं हैं, तो उसे एक ज्योतिषी से सलाह लेना भी उपयुक्त हो सकता है। ज्योतिषी उचित सुझाव देने के लिए व्यक्ति की कुंडली का विश्लेषण कर सकता है और उपाय सुझा सकता है जो उसकी स्थिति को सुधार सकते हैं।

सितंबर महीने में इस दिन करें श्रीसत्यनारायण पूजा, आर्थिक तंगी होगी दूर

वैदिक पंचांग के अनुसार, 18 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा है। सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। इस शुभ तिथि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं। इसके बाद विधि-विधान से जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा, जप-तप करते हैं। पूर्णिमा तिथि पर साधक अपने घरों पर सत्यनारायण देव की पूजा भी करते हैं। धार्मिक मत है कि पूर्णिमा तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा-उपासना करने से साधक को पृथ्वी लोक पर सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही आर्थिक तंगी से भी मुक्ति मिलती है। सत्यनारायण देव की पूजा हेतु शुभ मुहूर्त का विचार नहीं किया जाता है। किसी दिन और किसी समय सत्यनारायण देव की पूजा कर सकते हैं।

शुभ मुहूर्त –ज्योतिषियों की मानें तो भाद्रपद पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 18 सितंबर को सुबह 08 बजकर 04 मिनट पर समाप्त होगी। अतः 18 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा है। साधक 17 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा व्रत रख सकते हैं। वहीं, 18 सितंबर को श्री सत्यनारायण पूजा कर सकते हैं। इस वर्ष 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी है। अनंत चतुर्दशी पर भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन गणेश विसर्जन भी किया जाता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 08 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 22 मिनट पर

चन्द्रोदय- शाम 06 बजकर 37 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 34 मिनट से 05 बजकर 21 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 17 मिनट से 03 बजकर 06 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 22 मिनट से 06 बजकर 46 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 52 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक

महर्षि दधीचि जयंती आज

प्रतिवर्ष भाद्रपद माह की अष्टमी को दाधीच जंयती मनाई जाती है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार महर्षि दधीचि ने अपनी हड्डियो को दान में देकर देवताओं की रक्षा की थी। इस वर्ष 11 सितंबर 2024 को दधिचि जयंती मनाई जाएगी। महर्षि दधीचि जयंती पूरे देश मे श्राद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई जाती है।

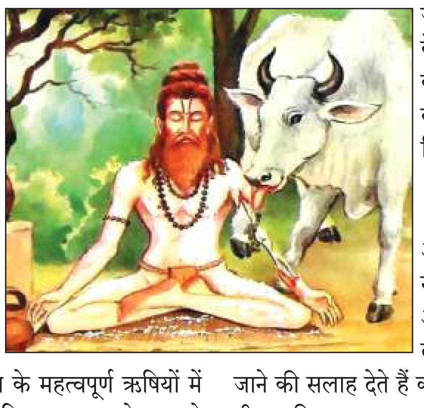

महर्षि दधीचि कथा

भारतीय प्राचीन ऋषि मुनि परंपरा के महत्वपूर्ण ऋषियों में से एक रहे ऋषि दधीचि जिन्होंने विश्व कल्याण हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। इसलिए इन महान आत्मत्याग करने वालों में महर्षि दधीचि का नाम बहुत आदर के साथ लिया जाता है। महर्षि दधीची के पिता महान ऋषि अथर्वा जी थे और इनकी माता का नाम शान्ति था। ऋषि दधीचि जी ने अपना संपूर्ण जीवन भगवान शिव की भक्ति में व्यतीत किया। उन्होंने कठोर तप द्वारा अपने शरीर को कठोर बना लिया था। अपनी कठोर तपस्या द्वारा तथा अटूट शिवभक्ति से ही यह सभी के लिए आदरणीय हुए।

महर्षि दधीचि और इंद्र

इन्हीं के तपसे एक बार भयभीत होकर इन्होंने सभी लोगों को हैरान कर दिया था। कथा इस प्रकार है एक बार महर्षि दधीचि ने बहुत कठोर तपस्या आरंभ कि उनकी इस तपस्या से सभी लोग भयभीत होने लगे इंद्र का सिंहांसन डोलने लग इनकी तपस्या के तेज़ से तीनों लोक आलोकित हो गये। इसी प्रकार सभी उनकी तपस्या से प्रभावित हुए बिना न रह सके। समस्त देवों के सथ इंद्र भी इस तपस्या से प्रभावित हुए और इन्द्र को लगा कि अपनी कठोर तपस्या के द्वारा दधीचि इन्द्र पद प्राप्त करना चाहते हैं।

अत: इंद्र ने महर्षि की तपस्या को भंग करने के लिए अपनी परम रूपवती अप्सरा को महर्षि दधीचि के समक्ष भेजा। अपसरा के अथक प्रयत्न के पश्चात भी महर्षि की तपस्या जारी रहती है। असफल अपसरा इन्द्र के पास लौट आती हैं बाद में इंद्र को उनकी शक्ति का भान होता है तो वह ऋषि के समक्ष अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करते हैं।

वृत्रासुर और दधीचि का अस्थि दान

एक बार वृत्रासुर के भय से इन्द्र अपना सिंहासन छोड़कर देवताओं के साथ मारे-मारे फिरने लगते हैं वह अपनी व्यथा ब्रह्मा जी को बताते हैं तो ब्रह्मा जी उन्हें ऋषि दधीचि के पास जाने की सलाह देते हैं क्योंकि इस संकट समय़ केवल दधीचि ही उनकी सहायता कर सकते थे। यदि वह अपनी अस्थियो का दान देते तो उनकी अस्थियो से बने शस्त्रों से वृत्रासुर मारा जा सकता है।

महर्षि दधीचि की अस्थियों मे ब्रहम्म तेज था जिससे वृत्रासुर राक्षस मारा जा सकता था। वृत्रासुर पर इंद्र के किसी भी कठोर-अस्त्र-शस्त्रों का प्रहार का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था तथा समस्त देवताओं के द्वारा चलाये गये अस्त्र-शस्त्र भी उसके अभेद्य दुर्ग को न भेद सके सभी अस्त्र-शस्त्र भी उस दैत्य के सामने व्यर्थ हो जाते हैं।

दधीचि का दान

तब इंद्र ब्रह्मा जी के कहे अनुसार महर्षि दधीचि के पास जाते हैं क्योंकि ऋषि को शिव के वरदान स्वरुप मजबूत देह का वरदान प्राप्त था अत: उनकी हड्डीयों से निर्मित अस्त्र द्वारा ही वृतासुर को मारा जा सकता था इंद्र महर्षि से प्रार्थना करते हुए उनसे उनकी हड्डियाँ दान स्वरुप मांगते हैं। महर्षि दधीचि उन्हें निस्वार्थ रुप से लोकहित के लिये मैं अपना शरीर प्रदान कर देते हैं।

इस प्रकार महर्षि दधीचि की हड्डियों से वज्र का निर्माण होता है और जिसके उपयोग द्वारा इंद्र देव ने वृत्रासुर का अंत किया। इस प्रकार परोपकारी ऋषि दधीचि के त्याग द्वारा तीनों लोकों की रक्षा होती है और इंद्र को उनका स्थान पुन: प्राप्त होता है।

राधा रानी कौन थीं? जानिए भगवान के मोहिनी रूप और सूर्य देव से संबंध

सनातन धर्म के करोड़ों करोड़ अनुयायी ऐसे हैं, जो राधा रानी का नाम लेकर भावुक हो जाते हैं। धर्म ग्रंथों में जितना वर्णन भगवान श्रीकृष्ण का है, उतना ही वर्णन श्री जी यानी राधा रानी का भी है।

कथावाचक इंद्रेश कुमार ने अपने एक प्रवचन ने इस प्रश्न का उत्तर देने की कोशिश की कि राधा रानी कौन थीं? इंद्रेश कुमार के अनुसार, राधा रानी का वर्णन शब्दों से परे है। फिर भी एक कथानक के माध्यम से उत्तर दिया जा सकता है।

मोहिनी के प्रति सूर्य देव के भाव थे सबसे अलग

इंद्रेश कुमार के अनुसार, भगवान नारायण ने मोहिनी रूप धरा, तो सारे देवता मोहित हो गए। यहां तक कि भोलेनाथ भी रीझ गए।

सभी देवताओं के मन में यही विचार आया कि उनको अर्धांगिनी मिले, तो मोहिनी जैसी सुंदर मिले।

भगवान नारायण ने देवताओं को इशारा भी किया कि मैंने दैत्यों को मोह जाल में फांसने के लिए मोहिनी रूप धरा है, लेकिन देवता नहीं माने।

सभी देवताओं ने मोहिनी को अर्धांगिनी के रूप में देखा, लेकिन एकमात्र सूर्य देवता को उनमें बेटी का रूप नजर आया।

मोहिनी रूप देखकर सूर्य देव का वात्सल्य (जैसा भाव पुत्र या पुत्री को देखकर आता है) जाग गया और यह बात भगवान नारायण को भा गई।

सूर्य देव के मन में भाव आया कि मैं भी ऐसा सौभाग्यशाली बनूं कि ऐसी सुंदर कन्या मेरी बेटी हो और मैं उसका कन्यादान करसकूं।

वृषभानु के रूप में बृज में जन्मी राधा रानी

भगवान नारायण ने सूर्य देव से कहा कि मैं आपके मन के भाव से बड़ा प्रसन्न हूं। आगे द्वापर आ रहा है। मेरा कृष्ण अवतार होगा। मैं परब्रह्म ही कृष्ण अवतार लूंगा और मेरी ही आह्लादिनी शक्ति आपके यहां पुत्री बनकर जन्म लेगी। मैं वृषभानु (भानु अर्थात सूर्य) के रूप में बृज में जन्म लूंगा।

भगवान नारायण ने सूर्य देव से आगे कहा कि आपकी बेटी के रूप में मेरी आह्लादिनी शक्ति इतनी सुंदर होगी कि जिसे देखकर करोड़ों मोहिनियां मोहित हो जाएंगी। ऐसा रूप धारण करके मैं आपकी पुत्री बनकर जन्म लूंगा। इस तरह स्वयं भगवान नारायण ने किशोरी जी यानी राधा रानी के रूप में अवतार लिया था।

रामसे ब्रदर्स की वापसी : नए हॉरर सीरीज बंद दरवाजे के पीछे से कराएंगे डर का अनुभव

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता और रामसे ब्रदर्स के सागर रामसे अब एक नई हॉरर सीरीज बंद दरवाजे के पीछे बना रहे हैं। सागर रामसे का कहना है कि यह सीरीज मनोवैज्ञानिक हॉरर का एक नया और अनोखा पहलू प्रस्तुत करेगी, जो दर्शकों को डरने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करेगी।90 के दशक में वीराना, पुरानी हवेली, तहखाना और होटल जैसी फिल्मों के साथ रामसे ब्रदर्स हॉरर स्टाइल में एक जाना-पहचाना नाम था। हालांकि, ब्रदर्स ने फिल्में बनाना बंद कर दिया था, लेकिन वे अब एक हॉरर शो के साथ वापस आ गए हैं।सीरीज के बारे में बात करते हुए सागर ने कहा, हमारी सीरीज एक ताज़ा स्क्रिप्ट है जो मनोवैज्ञानिक हॉरर के अन्वेषणों में गहराई से उतरती है। सीरीज एक साहसिक नई दिशा की यात्रा है, जिसमें आधुनिक कहानी के साथ साहसिक यात्राएं शामिल हैं, जो दर्शकों को एक रोलर कोस्टर राइड पर ले जाने का वादा करती है।उन्होंने कहा, स्क्रिप्ट को आज के दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सावधानी से तैयार किया गया है, जिसमें डर, रोमांच, रहस्य और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हॉरर का एक अनोखा मिश्रण है, जो इसे अलग बनाता है। यह श्रृंखला डार्क, मिस्ट्री और सुपरनैचुरल घटनाओं पर आधारित है।उन्होंने कहा कि यह शो ऑल्ट पर स्ट्रीम होगा और वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ काम कर खुश हैं। उन्होंने कहा कि ऑल्ट से उनका संबंध अविश्वसनीय रूप से सहयोगी और संतोषजनक रहा है। अंत में हम सभी अपने दर्शकों के लिए काम करते हैं।

उन्होंने ऑल्ट के लिए अपना प्यार साझा किया है और कहा कि कई सालों से उनके फॉलोअर्स में साल-दर-साल वृद्धि हुई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसमें और अधिक जोड़ पाएंगे, जबकि हमें अपनी रचनात्मकता के लिए सराहा जाएगा।सागर ने कहा, ऑल्ट का समर्थन हमें हॉरर कहानी सुनाने की सीमाओं को तोड़ने की अनुमति देता है, यह सुनिश्चित करता है कि सीरीज एक व्यापक और अधिक विविध दर्शकों तक पहुंचे। प्लेटफार्म की उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री और नवाचार में प्रतिबद्धता इस सीरीज के साथ हमारे उद्देश्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जो इस साझेदारी को प्राकृतिक रूप से फिट बनाती है। एक साथ, हम एक वास्तव में अनोखा देखने का अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।

अक्षय कुमार ने किया हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का ऐलान

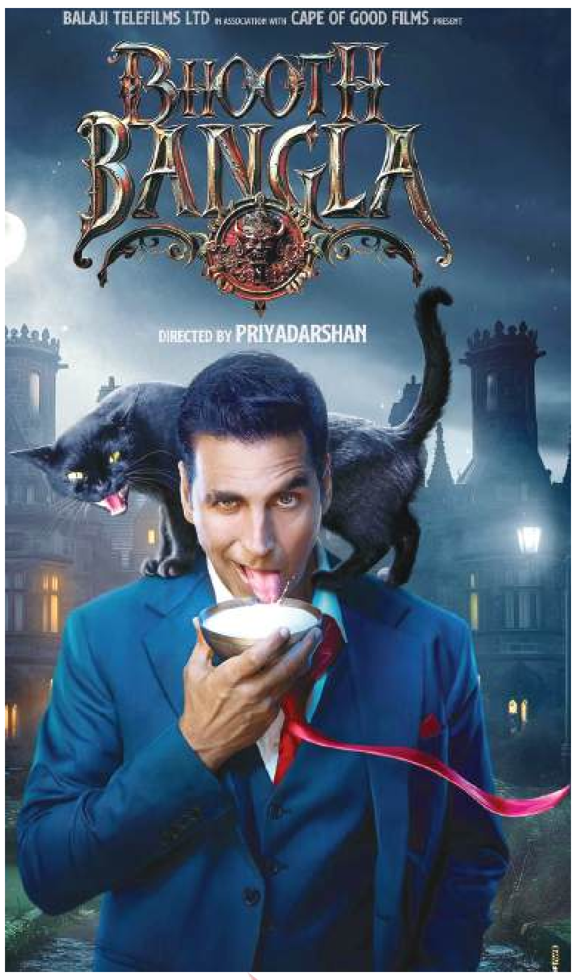

अक्षय कुमार अपने 57वां बर्थडे के मौके पर अपने फैंस को सुनहरा तोहफा दिया है। अक्षय कुमार ने अपनी नई हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल बंगला का ऐलान किया है। इसी के साथ फिल्म भूत बंगला का एक मजेदार पोस्टर भी सामने आया है। भूत बंगला को प्रियादर्शन बनाने जा रहे हैं। इस जोड़ी ने पहले फिल्म भूल भुलैया से धमाका मचा दिया था।फिल्म भूत बंगला से सामने आया अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक बड़ा ही मजेदार है।

इसमें अक्षय कुमार के कंधे पर काली बिल्ली बैठी हुई है और अक्षय कुमार कटोरी में पड़े दूध पर अपनी लार टपका रहे हैं। अक्षय कुमार ने अपने बर्थडे पर फिल्म भूत बंगला का एलान कर लिखा है, जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद, साल दर साल, इस साल भूत बंगला के फर्स्ट लुक का सेलिब्रेशन मना रहा हूं, 14 साल बाद प्रियादर्शन के साथ दोबारा काम करने के उतावलेपन को मैं जाहिर नहीं कर सकता हूं, यह ड्रीम कोलेब्रेशन लंबे समय बाद लौटा है, आप लोगों के साथ यह सफर शेयर करने से खुद को नहीं रोक पाया हूं। जादू के लिए हमसे जुड़े रहिए।बता दें, अक्षय कुमार और प्रियादर्शन ने साल 2007 में फिल्म हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया से धमाका किया था। अक्षय कुमार के फिल्मी करियर में भूल भुलैया बड़ी हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। इस फिल्म से अक्षय कुमार को साल 2007 का बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था। अब देखना होगा कि 14 साल बाद यह जोड़ी कैसे अपने दर्शकों को एंटरटेन करती है।बता दें, भूत बंगला को बालाजी टेलीफिल्म्स और कैप ऑफ गुड्स फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर एकता कपूर और शोभा कपूर हैं। फिल्म साल 2025 में रिलीज होगी, लेकिन अभी इसकी रिलीज डेट और बाकी स्टारकास्ट का एलान नहीं किया गया है।

मौनी रॉय के लेटेस्ट लुक ने मचाया बवाल

बी-टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ है और उसके साथ स्टाइलिश लुक में रेड कलर की स्कर्ट कैरी की है। एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। मौनी रॉय की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं लोग हॉट एंड गॉर्जियस, सो ब्यूटिफुल और ग्लैमरस जैसे कॉमेंट्स कर रहे हैं।मौनी रॉय को फोटोज शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं।

टीवी के संस्कारी बापू के खिलाफ हिमानी शिवपुरी ने किए सनसनीखेज खुलासे

बोलीं- जब तक नहीं पीते तब तक ही संस्कारी हैं

हिमानी शिवपुरी बॉलीवुड और टीवी जगत में सालों से काम कर रही हैं। वह 90 के दशक में कई फिल्मों में नजर आईं और उनका साथ आलोक नाथ ने भी काफी अच्छे से दिया। आलोक नाथ इन दिनों टीवी की दुनिया से गायब हैं, लेकन एक समय था जब शिवानी और आलोक नाथ ने साथ मिलकर कई फिल्मों में काम किया है। दोनो को सपोर्टिंग रोल में काफी पसंद किया जाता था। हाल ही में शिवानी शिवपुरी ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने आलोक नाथ के खिलाफ खुलकर अपनी राय दी है। शिवानी ने बताया है कि वह शराब पीकर एक अलग ही इंसान बन जाते हैं, जिस वजह से काफी दिक्कतें होती हैं।

दरअसल, हिमानी शिवपुरी हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में शामिल हुईं। इस दौरान हिमानी ने आलोक नाथ पर खुलकर बात की। शिवानी ने बताया कि वह शराब पीने से पहले अपनी ऑनस्क्रीन इमेज की तरह रहते थे, लेकिन ड्रिंक करने के बाद वह रूरी तरह बदल जाते थे। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने उनके साथ बहुत सारा काम किया है और वह जब तक शराब नहीं पीते थे तो उनकी पर्सलैनिटी जेकेट और हाइड जैसी थी। शिवानी शिवपुरी ने खुलासा किया कि आलोक नाथ शूटिंग के सेट पर काफी शांत रहते थे। उन्हें प्रोफेशनल रहना काफी पसंद था, लेकिन एक बार शराब पीकर हम आपके हैं कौन की शूटिंग पर हंगामा कर दिया। उनकी पर्सनैलिटी रात 8 बजे के बाद पूरी तरह बदल जाती थी। वह बार ट्रैवल के दौरन आउट ऑफ कंट्रोल भी हो गए थे।

शिवानी शिवपुरी ने बताया कि लोगों से अलोक नाथ के बारे में काफी सुनना था कि वह ड्रिंक करके काफी बदल जाते हैं और मैंने सब कुछ लाइव एक अवॉर्ड शो के लिए जाते हुए रास्ते में देखा। वह फ्लाइट में नशे के दौरान आउट ऑफ कंट्रोल हो गए थे। उनकी पत्नी उन्हें शांत रहने के लिए कहती रही, यहां तक कि मैंने भी उनसे खुद को संभालने के लिए कहा था वरना उन्हें उनके बिहेव की वजह से प्लेन से उतार दिया जाता। बता दें कि साल 2018-19 के दौरान मीटू आंदोलन के तहत अलोक नाथ फर कई एक्ट्रेसेस ने यौन उत्पीड़न का आरोप भी लगाया गया था, जिसके बाद ही अभिनेता ने सिनेमा से दूरी बना ली।

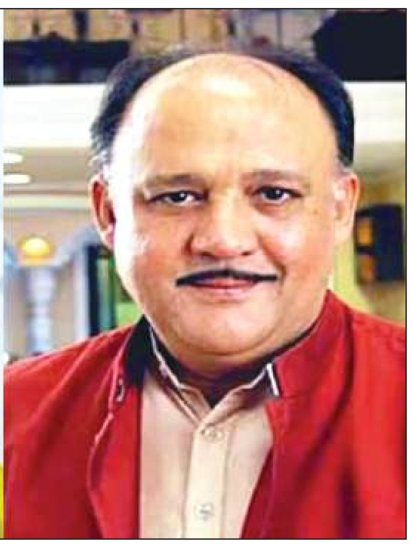

विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा!

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है। यह फिल्म हिंदू भगवान शिव के कट्टर भक्त कन्नप्पा नामक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। कन्नप्पा का टीजर एक्शन से भरपूर था।कन्नप्पा की पटकथा विष्णु मांचू ने लिखी है और कहानी का निर्माण परुचुरी गोपाल कृष्ण, ईश्वर रेड्डी, जी नागेश्वर रेड्डी और थोटा प्रसाद ने मिलकर किया है। फिल्म में मोहन बाबू, सरथकुमार, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, मधु और प्रीति मुखुनदन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी।

फिल्म की शूटिंग न्यूजीलैंड में हुई है। एवा एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत मणि शर्मा और स्टीफन देवासी द्वारा दिया जाएगा। कन्नप्पा की आधिकारिक रिलीज की तारीख आने वाले महीनों में घोषित की जाएगी।

बॉलीवुड डेब्यू के 40 दिन के चंदेरी शेड्यूल के दौरान घर की बहुत याद आई : ध्वनि भानुशाली

प्लेबैक सिंगर ध्वनि भानुशाली ने चंदेरी में फिल्म की शूटिंग के दौरान की यादों को ताजा किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें घर की बहुत याद आई थी।ध्वनि भानुशाली ने बताया कि उन्होंने चंदेरी में 40 दिनों तक शूटिंग की। सिंगर-एक्ट्रेस ने अपने को-स्टार्स और फिल्म टीम का जिक्र करते हुए कहा, यह पहली बार था जब मैं अपने माता-पिता से दूर रही। शूटिंग के दौरान मुझे घर की याद आती रही। लेकिन, शूटिंग के दौरान मुझे एक नया परिवार मिला।ध्वनि भानुशाली कहां शुरू कहां खतम में आशिम गुलाटी के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने एक्टिंग में आने का फैसला कैसे किया।उन्होंने कहा, लॉकडाउन के दौरान, मैंने एक्टिंग को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मैंने बहुत मेहनत से तैयारी शुरू की, कोचों से सीखा और थिएटर में जुट गई।एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों से बहुत कीमती जानकारी हासिल की। अपने रोल और फिल्म के लिए कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जिससे उन्हें बहुत फायदा हुआ।उन्होंने कहा, मैंने लक्ष्मण और सौरभ सर से कई बार मुलाकात की। तीन मिनट का डांस वीडियो बनाने और पूरी फिल्म पर काम करने के बीच का अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्मित और सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित कहां शुरू कहां खतम एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है।फिल्म में ध्वनि भानुशाली एक भगोड़ी दुल्हन की भूमिका में हैं और आशिम गुलाटी एक शादी में खलल डालने वाले की भूमिका में हैं। दोनों ने हास्य और केमिस्ट्री के मिश्रण से स्क्रीन पर चार चांद लगा दिए हैं।फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांश कोहली और विकास वर्मा भी हैं। यह फिल्म 20 सितंबर को रिलीज होगी।

मिशन रोजगार

प्रकृति के संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं वन एवं वन्य जीव रक्षक: योगी

647 वन रक्षकों/वन्यजीव रक्षकों और 41 अवर अभियंताओं को मिला नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश-दुनिया की चिंता का सबसे बड़ा विषय जलवायु परिवर्तन है। अनियंत्रित व अनियोजित विकास मानवता के सामने संकट खड़ा कर चुका है। असमय बारिश, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि हो रही है। एक ही समय पर कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ आई है। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं लोग एक बूंद जल के लिए तरस रहे हैं। दोनों नुकसानदायी है। आज हम सब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों के भुक्तभोगी हैं। नवनियुक्त वन व वन्य जीव रक्षक यदि ईमानदारी से कार्य करेंगे तो जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव कम करने में बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 647 वन रक्षकों/वन्यजीव रक्षकों व 41 अवर अभियंताओं को मंगलवार को लोकभवन में नियुक्ति पत्र वितरित किया। सीएम योगी ने कहा कि पहले परीक्षा के बाद फाइनल नियुक्ति पत्र मिलने में एक वर्ष लग जाता था, लेकिन बिना विलंब किए नई प्रतिबद्धता के साथ सरकार ने आपको छह महीने/एक वर्ष से पहले नियुक्ति पत्र प्रदान किया है। भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने से लेकर नियुक्ति पत्र वितरण तक कहीं भी सिफारिश व लेनदेन की नौबत नहीं आई। आपको नहीं लगा होगा कि कुछ लोग परीक्षा में अनुचित साधन का

प्रयोग करते हुए परीक्षा को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए सरकार भी आपसे ऐसे ही ईमानदारी पूर्वक कार्य करने की उम्मीद करती है।

सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में सरकार ने कुछ कार्यक्रम आगे बढ़ाए। जलवायु परिवर्तन के सामने सबसे बड़ा चैलेंज घटते जंगलों, वनाच्छादन, अनियंत्रित, अनियोजित विकास, प्लास्टिक का बेतरतीब उपयोग है। ऐसी वस्तुओं का उपयोग पर्यावरण के लिए घातक हो सकता है। इन पर लगाम लगाने के बावजूद किसी न किसी स्तर पर इसका दुरुपयोग होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में किसी भी सीजन में जंगलों के बीच से धुआं उठाई देता है। जंगल जलेंगे तो पर्यावरण को नुकसान व भूस्खलन होगा। असमय जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों का सामना न केवल वन्यजीवों, बल्कि मानवों को भी करना पड़ेगा। वन के दायरे कम होने के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष की नौबत आती है।

सीएम ने कहा कि साढ़े सात वर्ष पहले हमने तय किया कि वनाच्छादन बढ़ाना है। इसके लिए प्रतिवर्ष बड़े पैमाने पर पौधरोपण करते हैं। 210 करोड़ वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी पूरा किया। 2028-29 तक 15 फीसदी वनाच्छादन का लक्ष्य है। हम पौधरोपण करते हैं, लेकिन इसे बचाने की जिम्मेदारी जनसहभागिता से होती है। साढ़े सात वर्ष में इसके अच्छे परिणाम आए हैं। अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इसकी सराहना की है।

किसानों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के बाद 647 वन्य रक्षकों पर बड़ी जिम्मेदारी आने वाली है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जनसहभागिता के साथ जुड़ते हुए बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकता है। जल की बेहतरीन स्रोत अधिकांश नदियों का अस्तित्व खतरे में दिखाई देता था। पीएम मोदी ने सबसे पवित्रतम गंगा नदी को अविरल व निर्मल बनाने के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। जनसहभागिता के साथ इस कार्यक्रम को बढ़ाना है। जिम्मेदार संयंत्र, फैक्ट्री,कारखाने, म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के लिए तैयार करना है। यह कार्यक्रम एक साथ निरंतर बढ़ते दिखाई दें तो स्वाभाविक रूप से हम प्रकृति व पर्यावरण को बचा पाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि इस सीजन में हर वर्ष देखने को मिलता है कि वन्यजीव हिंसक हो रहे हैं। वन्यजीव व मानव संघर्ष के कारण जनहानि हो रही है। यह जनहानि परिवार व समाज की हानि है। इस कारण कई परिवार अनाथ हो जाते हैं। जब वन्यजीव के कमांड एरिया में जलभराव, अतिक्रमण होगा तो वह दूसरे क्षेत्र की तरफ पलायन करेगा। इससे मानव बस्तियां चपेट में आती दिखेंगी, इसलिए वन-वन्यजीव रक्षकों को स्वयं प्रशिक्षित होने के साथ स्थानीय नागरिकों को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करना होगा। सीएम योगी ने कहा कि तराई के जिन जनपदों में यह घटनाएं हुई हैं, यह वे क्षेत्र हैं, जहां जंगल और खेती एक-दूसरे से सटे दिखाई देते हैं। जंगल के अंदर पानी भरा तो जानवर खेत की तरफ आते हैं। कोई व्यक्ति अचानक खेत में गया तो जंगली जानवर हिंसक हो जाते हैं। बॉर्डर वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक व सोलर फेंसिंग कर लें। सीएम ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सोलर फेंसिंग करें। जब इलेक्ट्रिक शॉट लगेगा तो जानवर पीछे की तरफ भागेगा और श्रमिक, किसान सुरक्षित रहेंगे। इससे जनहानि को रोक सकें और ग्रामीणों को संघर्ष के आक्रोश से बचा सकें। अपनी रक्षा के लिए जब कोई उपाय नहीं होता, तब जानवर हिंसक होता है।

सीएम ने कहा कि जीवन चक्र मनुष्य के साथ-साथ जीव-जंतुओं से भी मिलकर बना है। इसके बगैर प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा संभव नहीं है। हर जीव एक-दूसरे पर आश्रित है। अवैध कटान, खनन को रोकने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा श्रेणी में शामिल करते हुए जनहानि पर पांच लाख रुपये की व्यवस्था की है। सर्पदंश से भी मौत पर धनराशि मृतक आश्रितों को उपलब्ध कराई जाती है। एंटी स्नेक वेनम हर जिला चिकित्सालय व सीएचसी में रखने की व्यवस्था है। वन्यजीवों का शिकार करने वाले शिकारी सीमा पार करते हुए हमारे क्षेत्र में घुसते हैं तो ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। यूपी में ऐसी कार्रवाई का परिणाम है कि वनाच्छादन और वन्यजीवों की संख्या बढ़ी है। ᕮ

सीएम योगी ने कहा कि पौधरोपण केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का बेहतरीन उपाय है। एनसीआर में नवंबर से फरवरी तक स्मॉग के कारण हमेशा सुप्रीम कोर्ट की फटकार सुननी पड़ती है। दिल्ली में दमघोंटू वातावरण हो जाता है। सांस के रोगी घर से नहीं निकलते।

एनजीटी व न्यायालय गंभीरता से मुद्दों को लेती है। बड़े पैमाने पर वहां पर्यावरण को क्षति पहुंची है। वनाच्छादन कम और नदियां प्रदूषित हुई हैं। धान की कटाई होती है तो पराली में आग लगा दी जाती है। आज बायो कंप्रेस्ड यूनिट लग रही है। इससे किसान धान के साथ ही पराली का अतिरिक्त दाम भी प्राप्त कर सकता है।

बायो कंप्रेस्ड यूनिट पराली खरीदने की भी व्यवस्था करता है। किसानों को अच्छा दाम मिल सकता है। यूपी सरकार ने भारत सरकार संग मिलकर अनेक कार्यक्रम बनाए हैं। यूपी में हमारा प्रयास है कि 100 बायो कंप्रेस्ड यूनिट लगाएं। कुछ यूनिट लग चुकी है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व वैकल्पिक ऊर्जा विभाग को इस प्रयास को बढ़ाना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि थोड़ी सावधानी बरतने से कोई नौजवान के भविष्य से खिलवाड़ का दुस्साहस नहीं कर पाया। प्रदेश सरकार ने पारदर्शी तरीके से नियुक्ति प्रक्रिया को बढ़ाने का कार्य किया है। सार्वजनिक परीक्षा में अनुचित साधनों के रोकथाम अधिनियम-2024 को लागू किया है। इसमें नकल माफिया, सॉल्वर गैंग या पेपर लीक जैसी गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर एक करोड़ जुर्माना व आजीवन कारावास का प्रावधान किया है। परीक्षा की शुचिता पर आंच न आए, इसके लिए एआई का उपयोग किया है। रिक्गनीजिशन के बायोमीट्रिक सिस्टम का बेहतरीन उपयोग किया है। परीक्षा के हर सेंटर पर परीक्षक व अभ्यर्थी को लखनऊ में बैठकर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से मॉनीटर कर सकते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में 60,200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया गया है। शायद पहली बार बिना आंच आए दुनिया की किसी सिविल पुलिस ने इतनी बड़ी भर्ती प्रक्रिया को एक साथ संपन्न किया हो।

अगले छह महीने के अंदर उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 40 हजार भर्तियों को नियुक्ति पत्र के माध्यम से जोड़ने जा रहे हैं। 60200 पुलिस भर्ती प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पुलिस की 40 हजार नई भर्ती को फिर से संपन्न करेंगे। उप्र शिक्षा चयन आयोग का गठन हो चुका है। इसमें भी बेसिक, माध्यमिक, उच्च, व्यावसायिक, तकनीकी शिक्षा में हजारों पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। उप्र लोकसेवा आयोग ने भी भर्ती की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाते हुए हजारों पदों पर युवाओं को सरकारी नौकरी की कार्रवाई को बढ़ाया। आवश्यकता पड़ने पर रिफॉर्म भी किया गया है।

बेहतर भविष्य की दिशा में कदम आगे बढ़ाएंगे 6480 छात्र

18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों का शुरू होगा नया शैक्षिक सत्र

लखनऊ, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अटल आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे 6480 छात्र-छात्राएं गुरुवार को एक साथ अगले शैक्षिक सत्र में प्रवेश के साथ ही अपने बेहतर भविष्य की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में 12 सितंबर को सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों के नए शैक्षिक सत्र 2024-25 का शुभारंभ करेंगे। यह अटल आवासीय विद्यालयों का दूसरा शैक्षणिक सत्र होगा। इससे पूर्व 11 सितंबर 2023 को पहले शैक्षिक सत्र का शुभारंभ हुआ था। उल्लेखनीय है कि अटल आवासीय विद्यालय मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, कोविड 19 में अनाथ हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से आच्छादित अनाथ बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की गई है। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (यूपीबीओसीडब्ल्यू) के अंतर्गत संचालित किए जा रहे इन विद्यालयों को योगी सरकार ने 1000 बच्चों की आवासीय क्षमता से लैस करते हुए निर्मित कराया है। ये विद्यालय प्रत्येक 18 मंडलों में संचालित किए जा रहे हैं।

अटल आवासीय विद्यालयों में इस समय कुल 6480 छात्र अध्ययनरत हैं। इन छात्रों को बेहतर भविष्य प्रदान करने के लिए योगी सरकार ने इन विद्यालयों को बेहद खास फीचर्स से लैस किया है। प्रत्येक अटल आवासीय विद्याल में 500 बालक एवं 500 बालिकाओं यानी कुल 1000 छात्र-छात्राओं को निशुल्क आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा प्रदान की जा रही है। विद्यालय में बच्चों को निशुल्क भोजन एवं पौष्टिक आहार भी प्रदान किए जाने की व्यवस्था की गई है। सभी अटल आवासीय विद्यालय सीबीएसई पैटन पर आधारित हैं एवं नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम से लैस हैं। इसके तहत स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, एस्ट्रोनॉमी लैब इत्यादि की सुविधा प्रदान की जा रही है। वहीं इंडोर एवं आउटडोर खेलकूद की व्यवस्था भी की गई है। यही नहीं व्यक्तित्व का समग्र विकास, आध्यात्मिक विकास (योग प्राणायाण, ध्यान), मूल्य आधारित शिक्षा, कौशल आधारित शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, पर्यवरणीय संवेदनशीलता, जीवन कौशल और योग्यता आधारित लर्निंग्स पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन की व्यवस्था की गई है, जबकि समूह में भोजन करने की आदत भी विकतिस की जा रही है।

इसी तरह भारतीय परंपराओं के अनुसार भोजन ग्रहण करने की भी आदत डाली जा रही है तो साफ सफाई की भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी तरह स्मार्ट क्लास के तहत छात्रों को नई तकनीक द्वारा शिक्षा प्रदान किए जाने की व्यवस्था की गई है तो आधुनिक टेक्नोलॉजी के लिए उनकी जिज्ञासा शांत करना एवं देश विदेश की जानकारी तुरंत उपलब्ध कराने को भी प्राथमिकता के साथ लागू किया गया है। इसी तरह, कंप्यूटर लैब में छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान किए जाने का भी ध्यान रखा जा रहा है तो विद्यार्थियों को आईसीटी के ज्ञान से परिचित कराना और कंप्यूटर शिक्षा को विद्यार्थियों के लिए सुगम बनाने पर भी फोकस किया जा रहा है।

अटल आवासीय विद्यालयों में छात्रों को खेलकूद में भी सक्षम बनाया जा रहा है, ताकि वो इसके माध्यम से भी भविष्य को बेहतर बना सकें। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए खेलकूद की सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

नेपाली हिंदू लड़की बनी लव-जेहाद का शिकार

प्रेमी ने रेप के बाद बड़े भाई से करा दिया निकाह

पीलीभीत, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

पीलीभीत जिले में एक नेपाली लड़की से लव जेहाद की घटना सामने आई है। यहां नेपाल के धनघड़ी जिले की रहने वाली हिंदू लड़की ने अमजद खां पर नाम बदल कर खुद से निकाह करने और बाद में प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। अमजद के साथ उसकी अम्मी और भाई सहित कुल 5 लोग नामजद किए गए हैं। सोमवार 9 सितंबर को दर्ज एफआईआर में चंगेज खां भी नामजद है। चंगेज खां वही युवक है जिसने इसी माह हिंदू महिला से छेड़खानी के मुद्दे पर भारतीय बजरंग दल से विवाद किया था।

मामला पीलीभीत जिले के थाना क्षेत्र पूरनपुर का है। यहां 9 सितंबर को नेपाल के धनगढ़ी की रहने वाली एक हिंदू महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि साल 2013 में वह नेपाल के ही धनगढ़ी में नौकरी करती थी। तब पीलीभीत का अमजद टैक्सी चलाया करता था और अक्सर गाड़ी ले कर नेपाल आता-जाता रहता था। यही अमजद पीड़िता से पहली बार मिला जिसने अपना नाम अजय बताया। अमजद ने पीड़िता से मोबाइल नंबर शेयर कर लिया और धीरे-धीरे उसे अपने प्यार के जाल में फंसा लिया।

कुछ दिनों की बातचीत के बाद अमजद ने पीड़िता को भारत में बेहतर नौकरी दिलाने का वादा किया और अपने साथ ले आया। भारत में उसने पीड़िता को पीलीभीत के ही कलीमनगर इलाके में अपने जीजा वाहिद खान के यहां रखा। यहां आरोपी पीड़िता से निकाह का दबाव बना कर छेड़खानी करने लगा। पीड़िता के विरोध के बाद वह पीछे हटा। इसी रात जब पीड़िता सो रही थी तब अजय अचानक उसके बिस्तर पर आ गया। उसने पीड़िता के मुंह पर तमंचा सटा दिया और रेप किया। रेप के बाद उसने कहीं भी बताने पर पीड़िता को मार डालने की धमकी दी। अमजद पीड़िता को पीलीभीत के बीसलपुर स्थित अपनी मौसी के घर ले गया। यहां अमजद की अम्मी कैसर जहां और बहन सोनम पीड़िता से मिलने आए। इनको अमजद का भाई नफीस अपने साथ लाया था। यहां इन सबने मिल कर पीड़िता को अमजद से निकाह करने को कहा अन्यथा जान से मार डालने की धमकी दी।

जबरन कराए गए निकाह के दौरान पीड़िता को बिना पढ़े कई कागजातों पर दस्तखत करवाए गए। अमजद पीड़िता को फिर से अपने जीजा के घर कलीमनगर ले गया। यहां रात को पीड़िता के कमरे में अमजद के बजाय लगभग 35 वर्षीय एक युवक घुसा जो निकाह के दौरान लगातार मौजूद था। तब पीड़िता को पता चला कि अमजद के बदले धोखे से उसका निकाह फिरोज से कराया गया है। फिरोज अमजद का बड़ा भाई है। 4 बच्चों के बाप फिरोज की पहली बीवी मर चुकी है।

हिंदू युवक के हत्यारों को सीखचों तक पहुंचाने वाली

महिला वकील मोहिनी तोमर को मार डाला

कासगंज, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

कासगंज में कुछ अर्सा पहले तिरंगा यात्रा निकालने के कारण कट्टरपंथी मुस्लिमों द्वारा मारे गए चंदन गुप्ता के हत्यारों को सींखचों तक पहुंचाने वाली और लगातार कानूनी लड़ाई लड़ रही महिला वकील मोहिनी तोमर की पिछले दिनों हत्या कर दी गई। कासगंज जिला न्यायालय से तीन सितंबर को गायब हुई अधिवक्ता मोहिनी तोमर की लाश हजारा नहर में मिलने के बाद से जिले में बवाल मचा है। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपियों के नाम हैदर और मुस्तफा हैं।

महिला वकील की हत्या में मुनाजिर रफी का नाम भी सामने आया है, जो चंदन गुप्ता हत्याकांड में शामिल था। वकील मोहिनी तोमर ने मुनाजिर रफी की जमानत का विरोध किया था। महिला के पति ने तहरीर में बताया है कि मुस्तफा कामिल, असद मुस्तफा, हैदर मुस्तफा, सलमान, मुनाजिर रफी और कुछ अन्य लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से मोहिनी तोमर को न्यायालय में मुख्य गेट के बाहर बुलाकर अपहरण कर लिया। इसके बाद अज्ञात स्थान पर ले जाकर उनकी हत्या कर दी। मामले को लेकर विभिन्न जगहों पर हिंदू संगठन और वकील प्रदर्शन कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता साजिद पाशा ने किया नाबालिग से बलात्कार

रामपुर, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

रामपुर जिले में एक नाबालिग लड़की से अपहरण और रेप का मामला सामने आया है। रेप का आरोप साजिद पाशा और मुदस्सिर पर लगा है जो जिले के एक नामी अस्पताल का संचालक है। पुलिस ने इस मामले में मुदस्सिर को गिरफ्तार कर लिया है जबकि फरार साजिद पर 25 हजार का इनामी घोषित किया गया है। साजिद पाशा के अस्पताल को सील कर दिया गया है।

रामपुर के स्वार थाना क्षेत्र के रहने वाले साजिद पाशा का ग्रीन सिटी नाम का अस्पताल चलता है। साजिद पर आरोप है कि उसने 31 अगस्त को कक्षा 11 की एक नाबालिग छात्रा को कोचिंग के बहाने अपने पास बुलवाया था। यहां उसने थोड़ी दूर पर और छात्राएं होने का झांसा दे कर पीड़िता को विश्वास में लिया और अपनी थार गाड़ी में बिठा लिया। हालांकि, आगे

कोई भी छात्रा नहीं थी और आरोपी ने पीड़िता का अपहरण कर लिया।

साजिद पाशा यहां से पीड़िता को अपने साथ लेकर उत्तराखंड के रामनगर स्थित एक रिजॉर्ट में ले गया। यहां बंधक बना कर पीड़िता से 3 दिनों तक रेप किया। इसके बाद पीड़िता को हल्द्वानी और रुद्रपुर ले जाकर बलात्कार किया गया। पीड़िता के मुताबिक उसे रिवाल्वर दिखा कर चुप रहने के लिए धमकाया जाता था। होटल और रिसॉर्ट के कमरे फर्जी पहचान पत्र पर बुक किए जाते थे। साजिद के पास पुलिस की फर्जी आईडी होने की भी बात सामने आ रही है। लगातार 5 दिनों तक बलात्कार करने के बाद साजिद पीड़िता को रामपुर ले आया। पुलिस का बढ़ता दबाव देखते हुए साजिद ने पीड़िता को अपने पार्टनर मुदस्सिर सौंप दिया और खुद फरार हो गया। पुलिस ने पीड़िता को मुदस्सिर की गाड़ी से बरामद कर लिया। मुदस्सिर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी के समय मुदस्सिर पीड़िता को बरेली ले कर जा रहा था। बरामदगी के बाद पीड़िता ने अपने साथ हुए अत्याचार के बारे में पुलिस को बताया। पीड़िता के पिता ने योगी आदित्यनाथ से फरार चल रहे साजिद पाशा पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने साजिद को खनन माफिया बताया जिसके साथ प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड भी चलते हैं। अस्पताल के साथ उसका प्रॉपर्टी डीलिंग का भी धंधा है। साजिद 2 बीवियों का शौहर है। उसकी एक बीवी पिछला विधानसभा चुनाव भी लड़ चुकी है। सोशल मीडिया पर साजिद पाशा खुद को कांग्रेस पार्टी का समर्थक बताता है। साजिद पाशा के अस्पताल को सील कर दिया गया है। रामपुर के पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर के फरार चल रहे दूसरे की तलाश जारी है। साजिद पर 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर दिया गया है।

बुधवार,11 सितंबर, 2024
हैदराबाद
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 18 से, टेबिल टेनिस की भी होगी प्रतियोगिता

लखनउ, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष पर राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 सितम्बर तक गोंडा में किया जाएगा। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर चयन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वहीं कौशांबी में प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगी होगी। वहीं टेबिल टेनिस प्रतियोगिता 26 से 28 सितम्बर को अलीगढ़ में होगा। इस संबंध में खेल निदेशक डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि शासन स्तर से खेलों पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस माह प्रदेश स्तर पर तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इसमें एक कौशांबी, दूसरा अलीगढ़ और तीसरा गोंडा में होगा।

इस प्रतियोगिताओं में सभी मंडलों से प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसके लिए पहले जिला स्तर पर चयन प्रक्रिया होनी है। इसके बाद मंडल स्तर पर और फिर मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जिला और मंडल स्तर पर चयन प्रक्रिया के लिए निर्देश दिये जा चुके हैं। हर जगह तैयारियां चल रही हैं। चयन के बाद सभी मंडल स्तर के खिलाड़ियों का नाम प्रदेश स्तर पर आ जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एटकिंसन को आराम

लंदन । इंग्लैंड ने माह के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को आराम दिया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ छह टेस्ट मैचों में तेज गेंदबाज के नेतृत्व करने के बाद उनके कार्यभार को प्रबंधित करने का निर्णय लिया है। एटकिंसन, जिन्होंने जुलाई में लॉर्ड्स में विंडीज के खिलाफ पदार्पण किया था, छह टेस्ट मैचों में 34 विकेट के साथ समाप्त हुए। उन्होंने क्रिस वोक्स के साथ गर्मी में इंग्लैंड के लिए लगातार छह टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया। श्रीलंका सीरीज के बाद इसतरह के संकेत थे कि गर्मियों के दौरान एटकिंसन की गति कम हो गई थी। ओवल में तीसरे दिन भी उन्होंने मैदान से बाहर कुछ समय बिताया। हालांकि, उन्होंने चौथी पारी में 11 ओवर किए थे। फिलहाल ईसीबी ने उनके स्थान पर ऑली स्टोन को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड सितंबर के अंत में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने को तैयार है, इसके बाद नवंबर में न्यूजीलैंड का एक और तीन टेस्ट मैचों का दौरा होगा। इस गर्मी में, स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन के संन्यास के बाद इंग्लैंड ने अपने सीम आक्रमण को नया आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया है। इंग्लैंड के कार्यवाहक टेस्ट कप्तान ओली पोप ने एटकिंसन के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि वह ठीक हैं। जाहिर तौर पर अब एटकिंसन को तरोताजा होने और आगे बढ़ने के लिए कुछ हफ्ते की छुट्टी मिल गई है।

न्यूज ब्रीफ

राइट-आर्म मीडियम नहीं, न राइट-आर्म फास्ट यह गलत है: बुमराह

नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाज के लिए छोटा रन-अप एक सख्त हाथ की गेंदबाजी एक्शन के साथ खत्म होता है जिसे कोचिंग मैनुअल कभी स्वीकार नहीं कर सकता लेकिन बुमराह ने न केवल उस अजीबोगरीब एक्शन के साथ प्रदर्शन किया है, बल्कि दुनिया भर के बल्लेबाजों के लिए खतरा भी बन गए। मुंबई इंडियंस के लिए 2013 आईपीएल के साथ बड़े मंच पर अपनी मौजूदगी के बाद से इस गेंदबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है, जो मुंबई इंडियंस के साथ उनके डेब्यू साल का है, जिसमें एक युवा बुमराह के बारे में प्रकाशित एक स्टोरी में उन्हें राइट आर्म मीडियम कहे जाने पर बुमराह ने आपत्ति जताते नजर आ रहा है। उन्हें किसी से यह कहते सुना जा सकता है, यह गलत लिखा है। राइट-आर्म मीडियम नहीं है ना, राइट-आर्म फास्ट है। आईपीएल में अपना जलवा दिखाने के तीन साल बाद बुमराह ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के लिए खेला था। इसके तीन दिन बाद उन्होंने टी20आई में पदार्पण किया और जनवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में पहली बार टेस्ट जर्सी पहनी और खेला। बुमराह ने अब तक भारत के लिए 36 टेस्ट में 159 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 70 टी20आई में 89 विकेट ले चुके हैं।

मैदान की हालत देख अफगानिस्तान टीम ने दोबारा यहां न आने की खाई कसम दिल्ली के नोएडा स्टेडियम में होना था अफगान-न्यूजीलैंड का टेस्ट मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जो पहले कभी देखने को नहीं मिली। दोनों टीमों के बीच भारत में खेला जाने वाला टेस्ट मैच दूसरे दिन भी शुरू नहीं हो सका। दोनों टीमें पूरी तरह तैयार हैं लेकिन मौसम इसमें अडंगा डाल रहा है। नोएडा स्टेडियम की खराब तैयारी ने पूरा मैच खराब कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इससे खराब स्थिति कभी देखी ही नहीं गई जब दो दिन से बारिश नहीं हुई हो और इसके बावजूद मैदान गीला होने के चलते खेल नहीं हो पा रहा है। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 9 सितंबर से टेस्ट मैच खेला जाने वाला था। यह मैच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होना है। दोनों टीमें नोएडा पहुंच चुकी हैं लेकिन खेल नहीं पा रही हैं। दरअसल, मैच शुरू होने के एक दिन पहले यहां बारिश हुई। रात में बूंदाबांदी होती रही लेकिन सोमवार को मैच शुरू होना था, उस दिन बारिश नहीं हुई। कुछ समय बादल जरूर छाए और धूप भी निकली लेकिन स्टेडियम की गीली आउटफील्ड और घटिया जल निकासी के चलते पहले दिन का खेल बिना एक भी गेंद फेंके रद्द करना पड़ा।

इंग्लैंड पर जीत को कप्तान धनंजय ने सबसे खुशी वाला क्षण बताया

लंदन । तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड पर अपनी टीम की जीत के बाद श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने अपने करियर के सबसे खुशी के क्षणों में से एक कहा।

पथुम निसांका के शानदार शतक और दूसरी पारी में श्रीलंकाई गेंदबाजों के बेहतरीन प्रयासों से श्रीलंका ने द ओवल में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 8 विकेट से जीत हासिल की। यह श्रीलंका की इंग्लैंड में चौथी और देश में 10 साल में पहली जीत है। यह इंग्लैंड में किसी एशियाई देश द्वारा किया गया सबसे सफल रन चेज (219) है, जिसने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान के 180 रनों के चेज को पीछे छोड़ दिया। कप्तान धनंजय ने कहा कि फिलहाल टीम में कोई भावना नहीं थी लेकिन यह मेरे करियर के सबसे खुशी के क्षणों में से एक है। पिछले 2 हफ्तों में हमें कठिन समय का सामना करना पड़ा और यहां वापस आना पड़ा और अंग्रेजी परिस्थितियों के खिलाफ जीत हासिल करो और इंग्लैंड की टीम शानदार है, 20 विकेट लेकर और मैं लड़कों से इसी बारे में बात कर रहा हूं और वे इसके लिए तैयार हैं। निसांका पर धनंजय ने उन्हें श्रीलंका का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया। उन्होंने कहा कि मैं निसंका को टीम में चाहता था, लेकिन केवल 11 ही खेल सकते थे और जैसे ही निसंका आया, उसने ने कमाल कर दिया कि वह इस समय श्रीलंका का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। हमारे पास टेस्ट में एक निश्चित बल्लेबाजी लाइनअप है।

पेरिस पैरालंपिक से स्वदेश लौटने पर भारतीय दल का हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

पेरिस पैरालिंपिक में इतिहास रचने के बाद भारतीय दल आज नई दिल्ली लौट आया है। आईजीआई एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों और फूलमालाओं के साथ उनका जोरदार स्वागत हुआ। भारतीय दल ने पैरालिंपिक में 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य सहित 29 पदक जीते।

ऐतिहासिक अभियान के समापन के बाद, भारत ने 2020 में टोक्यो में 19 पदक के अपने पिछले रिकॉर्ड पदक को पार कर लिया, जो टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में हासिल किया गया था। भारत इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को 18वें स्थान पर रहा। पैरा-शूटर अवनि लेखरा दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं, वह 249.7 अंकों के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग खिताब का बचाव करने में सफल रहीं। भारत ने पहली बार पैरा-एथलेटिक्स प्रतियोगिता में एक-द्वितीय स्थान दर्ज किया, जिसमें धरमबीर और परनव सूरमा ने पुरुषों की

क्लब थ्रो एफ 51 स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। यह इस खेल में भारत के पहले पदकों में से एक था। धर्मबीर ने 34.92 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड भी बनाया। टी64 ऊंची कूद स्पर्धा में, प्रवीण कुमार 2.08 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड-तोड़ छलांग के साथ पोडियम के शीर्ष पर रहे, जिससे भारत को छठा स्वर्ण पदक मिला। भारत ने प्रतियोगिता सात स्वर्ण पदकों के साथ समाप्त की। भारत को ओलंपिक और पैरालिंपिक में अपना पहला तीरंदाजी चैंपियन भी मिला, जिसमें हरविंदर सिंह ने पोलैंड के लुकाज़ सिसज़ेक के खिलाफ व्यक्तिगत रिकर्व पैरा-तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल अपने पैरालिंपिक खिताब का बचाव करने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए, जिन्होंने 70.59 मीटर के आश्चर्यजनक पैरालंपिक रिकॉर्ड-ब्रेक थ्रो के साथ एफ 64 स्पर्धा में बैक-टू-बैक स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने टोक्यो 2020 के दौरान बनाए गए अपने ही पिछले रिकॉर्ड को एक बार नहीं, बल्कि तीन बार तोड़ा।

यूएस ओपन से जल्दी बाहर होने के बाद डेविस कप के लिए तैयार कार्लोस अल्कराज

मैड्रिड। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज इस सप्ताह के अंत में डेविस कप के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। स्पेन का कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से मुकाबला होगा, जिसके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे। सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में, अल्कराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया। उन्होंने स्वीकार किया कि, न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था। उन्होंने कहा, उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें। अल्काराज़ ने कहा कि प्रशिक्षण में कमी और बहुत तीव्र गर्मी के कारण बाद उनमें तैयारी की कमी थी, उन्होंने जोर देकर कहा कि हालंकि अब वह घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से मैं सुधार जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित हूं, और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है। अल्काराज ने खुलासा किया कि बोटिक वैन डे ज़ैंडस्चुल्प से यूएस ओपन में हार के बाद, वह अन्य रुचियों के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने दिमाग को शांत करने के लिए कुछ दिन थे। लेकिन हमने सोचा कि सबसे अच्छी बात प्रशिक्षण पर वापस जाना और शारीरिक रूप से फिट होना है।

अमेरिका कप नौकायन

फ्रेंच ओरिएंट एक्सप्रेस यॉट बाहर, आईएनईओएस ब्रिटानिया बोट शीर्ष पर

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

बार्सिलोना में चल रहे अमेरिका कप में सोमवार को दूसरे राउंड-रॉबिन श्रृंखला में रेसिंग के आखिरी दिन के बाद बाहर होने वाली छह उम्मीदों में से फ्रेंच ओरिएंट एक्सप्रेस यॉट पहली थी। अमेरिका कप एक नौकायन प्रतियोगिता है और किसी भी खेल में अभी भी संचालित होने वाली सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है।

बार्सिलोना में खराब मौसम के कारण रविवार की रेस स्थगित होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना के लिए फ्रांसीसियों को जीत की जरूरत थी, लेकिन उन्हें ब्रिटेन की आईएनईओएस-ब्रिटानिया बोट ने हराया और छह-नौका समूह में दो राउंड रोबिन श्रृंखला में से केवल एक जीत के साथ अंतिम स्थान पर रहने के बाद बाहर हो गए। दिन की दूसरी दौड़ में स्विट्जरलैंड की अलिंगी रेड बुल रेसिंग नौका का सामना करने की तैयारी में कोर्स की सीमाओं से परे जाने के बाद इतालवी लूना रॉसा प्रादा पिरेली को अयोग्य घोषित कर दिया गया। स्विस को अब सेमीफ़ाइनल में जगह मिल गई है, लेकिन अयोग्यता का मतलब है कि लूना रॉसा ने समूह में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। सोमवार की अन्य रेस का क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ा और टीम एमिरेट्स-न्यूजीलैंड ने एनवाईसी अमेरिका मैजिक को हरा दिया।

जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में जीजी हिंदू इंटर कालेज अव्वल

मुरादाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

माध्यमिक विद्यालयों की जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक/ जिला परियोजना अधिकारी मुरादाबाद के निर्देशानुसार मंगलवार को जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद में किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कुलदीप बरनवाल ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया तथा अच्छे प्रदर्शन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में मेजबान विद्यालय जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद तथा एसएस इंटर कॉलेज मुरादाबाद की बैंड टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने क्विक मार्च, स्लो मार्च तथा देशभक्ति गीतों की धुन पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक का दायित्व दिनेश चंद शर्मा, वीर सिंह तथा बंश बहादुर ने निभाया। प्रतियोगिता में सुंदर व आकर्षक प्रस्तुति देते हुए जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि एसएस इंटर कॉलेज मुरादाबाद उपविजेता रहा।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मायर, कैस्पर्क न्यूजीलैंड टीम में शामिल

वेलिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात में आगामी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज रोजमेरी मायर और ऑफस्पिनर लेघ कैस्पर्क को शामिल किया है। इस साल की शुरुआत में मार्च में इंग्लैंड के न्यूजीलैंड दौरे के टी20ई चरण के दौरान मायर को पीठ में चोट लग गई थी, जिससे वह बाद के एकदिवसीय मैचों और फिर जून-जुलाई में वापसी दौरे से बाहर हो गईं। दूसरी ओर, ऑफ स्पिनर कैस्पर्क ने इंग्लैंड की उस यात्रा के टी20ई चरण में एक साल के बाद न्यूजीलैंड में वापसी की, और वह विश्व कप में टीम के स्पिन रिजर्व को मजबूत करेंगी जो कि उनका चौथा विश्व कप होगा। इस बीच, सोफी डिवाइन, जो टूर्नामेंट के बाद टी20ई कप्तानी छोड़ देंगी ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में टी20 विश्व कप एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है और यह सोचना मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि जब से इसकी शुरुआत हुई है तब से मैं इसमें खेल रही हूं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में विश्व स्तरीय टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के एक और अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं जो ट्रॉफी घर ले जाने की होड़ में हैं। मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, मैं वास्तव में इस टीम से खुश हूं, मुझे लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी हैं जो संभावित विभिन्न परिस्थितियों

के अनुकूल ढल जाएंगे। विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले यही टीम 19 से 24 सितंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी खेलेगी। विश्व कप में न्यूजीलैंड मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में है। वे अपने दो अभ्यास मैच दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे और 4 अक्टूबर को भारत के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीम: सोफी डिवाइन (कप्तान), सुजी बेट्स, एडेन कार्सन, इज़ी गेज़ (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, फ्रैन जोनास, लेह कैस्पर्क, जेस केर, मेली केर, रोज़मेरी मायर, मौली पेनफ़ोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्नाह रोवे, ली ताहुहु।

दलीप ट्रॉफी 2024-25 के दूसरे दौर के लिए कुछ बदलावों के साथ टीमें घोषित

नई दिल्ली, 10 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 12 सितंबर से अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के लिए कुछ बदलावों के साथ टीमों की घोषणा कर दी है। मयंक अग्रवाल को इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है।

इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव और आकाश दीप को बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम में नामित किया गया है और वे आगामी दौर में शामिल नहीं होंगे। चयनकर्ताओं ने गिल के स्थान पर प्रथम सिंह (रेलवे), केएल राहुल के स्थान पर अक्षय वाडकर (विदर्भ सीए) और जुरेल के स्थान पर एसके रशीद (आंध्र सीए) को नामित किया है।

बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे, जबकि आकिब खान (यूपीसीए) आकाश दीप की जगह टीम में शामिल होंगे। इंडिया बी में शामिल यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत को भारत की टीम में नामित किया गया है और चयनकर्ताओं ने क्रमशः सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया है।

तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है, जबकि सरफराज खान को भी भारत की टीम में शामिल किया गया है। हालांकि वह दूसरे दौर के खेल में शामिल होंगे। हिमांशु मंत्री (मध्य प्रदेश सीए) को यश दयाल की जगह टीम में शामिल किया गया है।

अक्षर पटेल टीम डी से भारतीय टीम में शामिल होंगे। उनकी जगह निशांत सिंधु (हरियाणा सीए) लेंगे। तुषार देशपांडे चोट के कारण दूसरे दौर से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह भारत ए के विदवथ कावेरप्पा लेंगे।

अपडेटेड इंडिया ए टीम: मयंक अग्रवाल (कप्तान), रियान पराग, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुष कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत, प्रथम सिंह, अक्षय वाडकर, एसके रशीद, शम्स मुलानी, आकिब खान।

अपडेटेड इंडिया बी टीम: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), सरफराज खान, मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर), सुयश प्रभुदेसाई, रिंकू सिंह, हिमांशु मंत्री (विकेटकीपर)।

अपडेटेड इंडिया डी टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, सारांश जैन, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत (विकेटकीपर), सौरभ कुमार, संजू सैमसन (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विदवथ कावेरप्पा।

संपादकीय

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है।

संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुफ्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश केलिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

ललित गर्ग

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है।

दिल्ली पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है। कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा

जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे। 'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं।

दृष्टि कोण

बुरे अतीत को भूल खुशियां-सफलता चुनिए

आज कम्प्यूटर, टैबलेट एवं मोबाइल पर अधिकांश लोग काम करते हैं। आप सभी ने इन उपकरणों पर टाइपिंग का कार्य करते हुए कई बार गलत शब्द भी लिख दिए होंगे। ऐसा करने पर गलत शब्द का चयन करके उस पर डिलीट बटन दबा दिया होगा। ऐसा करने से गलत शब्द स्क्रीन से हट गए होंगे। सोचिए कितना अच्छा होता यदि जीवन में भी एक ऐसा ही डिलीट बटन होता। उस डिलीट बटन का प्रयोग आप अपने जीवन में करते और हर बुरी घटना को डिलीट कर देते। मनुष्य अपने बचपन में अक्सर ऐसा परिवेश देखता है जहां पर लोग चिंता एवं तनावग्रस्त रहते हैं। वे सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि से भरपूर क्षणों को जीने के बजाय उन्हें उस चीज़ की चिंता करने में व्यय कर देते हैं जो अनिश्चित हैं। चिंता और चिता में सिर्फ एक बिंदु का अंतर है, उसी तरह वास्तविक जीवन में भी चिंता करने वाले व्यक्ति की चिता बनते देर नहीं लगती। चार्ल्स एच. मेयो का तो इस संदर्भ में यह कहना है कि, 'मुझे आज तक एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जो काम की अति से मरा हो, अलबत्ता कई लोग चिंता की वजह से जरूर मरे हैं।' मनुष्य के जीवन की सबसे खूबसूरत बात यह है कि वह विश्व में फैले ज्ञान को जानकर स्वयं को सुधार सकता है। इसी तरह वह अपने जीवन से चिंताओं, मुसीबतों के जाल को भी काट कर फेंक सकता है। अब आप यह सोच रहे होंगे कि आखिर चिंताओं और मुसीबतों को डिलीट करने के लिए क्या करना होगा? इसके लिए आपको कुछ खास नहीं करना है, केवल 'कोनमारी विधि' को जानना एवं समझना है। यह कोनमारी विधि आपको मैरी कोंडो की पुस्तक, 'द लाइफ-चेंजिंग मैजिक ऑफ डाइटिंग अप' में मिल जाएगी। यदि आप पुस्तक तक नहीं पहुंच सकते तो कोई बात नहीं, इस लेख के माध्यम से आप 'कोनमारी विधि' को बड़ी ही सरलता से जान जाएंगे। 'कोनमारी विधि' कहती है कि जीवन से आप हर उस चीज को निकाल दीजिए, जो व्यर्थ है, आपके काम की नहीं है या फिर सिर्फ आपको दुःख एवं तनाव देती है। अब बात आती है कि कौन सी व्यर्थ चीजों को जीवन से निकाला जाए। ये व्यर्थ चीजें निम्न प्रकार से हो सकती हैं :- आपके जीवन में घटित कोई बुरी घटना या याद, पारिवारिक झगड़े, आपके घर में अव्यवस्थित या फालतू का सामान, बेवजह के अर्थहीन संबंध अथवा किसी प्रियजन का बिछुड़ जाना। उपरोक्त पांचों बातों के बारे में आप गंभीरता से विचार करेंगे तो यह स्वयं जान जाएंगे कि वाकई प्रयोग में न आने वाली वस्तुएं, अर्थहीन संबंध, बुरी यादें, प्रियजन का असमय बिछुड़ जाना, अव्यवस्थित सामान और झगड़े न केवल हमारे मस्तिष्क को कुंठाग्रस्त कर देते हैं, अपितु हमारा सुख-चैन भी छीन लेते हैं। एक ऐसा बड़ा घर जो ढेर सारे अव्यवस्थित सामान से भरा हो, सुकून के पल नहीं दे सकता। वहीं एक छोटा, मगर अव्यवस्थित घर हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। इसी तरह संबंधों में अक्सर लोग गड़े मुर्दे उखाड़ने से परहेज नहीं करते। वे पुरानी और बीत चुकी बातों को लेकर अपने वर्तमान के संबंधों को भी खराब कर लेते हैं। ऐसा करके वे जीवन के उन आनंददायक पलों से वंचित रह जाते हैं जो मिल-जुलकर रहने से प्राप्त होते। जीवन सदा एक समान नहीं रहता। दुख-सुख दोनों इसके पहलू हैं। विक्टोरिया होल्ट कहते हैं कि, 'कभी अफसोस न करें। यदि यह अच्छा है, तो अद्भुत है। यदि बुरा है, तो अनुभव है।' नितेश कुमार का जन्म 30 दिसम्बर, 1994 को हुआ था। वर्ष 2009 में जब वे केवल पन्द्रह साल के थे तो विशाखापत्तनम में एक रेल दुर्घटना के दौरान उनका बायां पैर कट गया। किशोरावस्था में हुए इतने बड़े हादसे ने नितेश एवं उनके परिवार को अंधकार में डाल दिया। लेकिन कुछ समय बाद अपने परिवार का साथ पाकर नितेश ने इस दुर्घटना से बाहर आने का निर्णय लिया। नितेश अपनी पढ़ाई करते रहे। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान यानी कि आईआईटी की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। वे एक सफल इंजीनियर बन गए। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने बैडमिंटन खेलना आरंभ किया। कुछ समय बाद उन्होंने पैराएथलीट बनने का निर्णय लिया। इस तरह उन्होंने प्रतियोगिताओं में जाना आरंभ कर दिया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उनका कहना है कि, 'मैंने दृढ़ संकल्प कर लिया था कि अपनी दुर्घटना को भूलकर आगे के सुंदर जीवन पर ध्यान दूंगा। मैंने बस यही किया और सफलताएं मेरे साथ जुड़ती चली गईं।' उन्होंने स्वयं को 'कोनमारी विधि' के माध्यम से ही उभारा। इसी तरह कोई भी व्यक्ति 'कोनमारी विधि' के माध्यम से अपने जीवन के बुरे अनुभवों और बुरी परिस्थितियों को डिलीट कर सकता है। आप भी आज से ही अपने जीवन में 'कोनमारी विधि' को शामिल कीजिए और खुशियों एवं सफलता को चुनिए।

कुछ अलग

दुश्वारियों का रास्ता

अमेरिका आदि देशों में सुनहरे सब्जबाग दिखा मोटी रकम वसूलकर युवाओं को जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों पर समय रहते कार्रवाई न होना हमारे शासन-प्रशासन की विफलता ही कही जाएगी। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे ऐसा करके अपनी जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है। एक दशक से जारी यह गोरखधंधा वर्ष 2023 में तब उजागर हुआ था जब वर्ष 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे तीन से अधिक यात्रियों वाले एक चॉर्टर विमान को रोककर उसमें सवार अधिकांश भारतीयों को वापस भारत लौटा दिया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। पहले भारतीय एजेंट को प्रति व्यक्ति पैंतीस लाख देकर वे स्पेन पहुंचे, जहां उन्हें लावारिस छोड़ दिया गया। फिर वहां से प्रत्येक युवक ने पच्चीस लाख रुपये चुकाकर अमेरिका जाने की दुर्गम राह पकड़ी। अब इन पीड़ित युवाओं ने हर पंजाबी से अपील की है कि वे कभी भी पश्चिम जाने के लिये अवैध रास्ते को न चुनें। वे खुद को भाग्यवान मानते हैं इस खतरनाक रास्ते में लुटने-पिटने और भूखे रहने के बाद किसी तरह अमेरिका पहुंचे हैं। दरअसल, उनकी बदहाली की वजह वो भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट था, जिसने उन्हें मोटी रकम लेकर अमेरिका में कार्य वीजा दिलाने का झांसा दिया था। निस्संदेह, युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे तंत्र की विफलता ही है। यदि ऐसे एजेंट कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? वहीं युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोने लगते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? यह जानते हुए कि आये दिन तमाम युवा फर्जी एजेंटों के जाल में फंसकर अपना सबकुछ गवांकर देश लौटते हैं। पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना क्या उचित है? भारत अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई के लिये क्या कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न महाद्वीपों के राष्ट्रों को शामिल किए बिना दलाली-ठगी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा संभव नहीं है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

देश दुनिया से

मानसिक सेहत के प्रति सजगता रोकेगी आत्महत्याएं

वर्ष 2016 में भारत में प्रति एक लाख लोगों पर आत्महत्या की दर 16 .5 रही, जबकि वैश्विक औसत 10 .5 थी। यहां सवाल स्वाभाविक है कि लोगों को अपनी जान लेने की तरफ क्या चीज़ धकेलती है? क्या आत्महत्या की व्याधि एक व्यक्तिगत घटना है या हमारी सामाजिक, प्रशासनिक, आर्थिक, शैक्षणिक और धार्मिक व्यवस्था को आगे आकर इसकी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए? मानसिक रोग, ड्रग्स की लत, तलाक, असफल प्रेम संबंध, यौन हिंसा, दिवालियापन, शैक्षणिक विफलता, बेरोज़गारी और गरीबी खुदकुशी करने के मुख्य कारण हैं। इनके अलावा दक्षिण एशियाई देशों में एक और वजह है : समाज में इज्जत को ठेस। भारत में उच्च आत्महत्या दर की वजहों की, विशेषकर समाज के कुछ खास वर्गों में, जांच की जानी चाहिए।

दुनिया में कहीं और की अपेक्षा भारत में लोग अधिक आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 2016 में भारत में प्रति एक लाख लोगों पर आत्महत्या की दर 16.5 रही, जबकि वैश्विक औसत 10.5 थी। यहां सवाल स्वाभाविक है कि लोगों को अपनी जान लेने की तरफ क्या चीज़ धकेलती है? क्या आत्महत्या की व्याधि एक व्यक्तिगत घटना है या हमारी सामाजिक, प्रशासनिक, आर्थिक, शैक्षणिक और धार्मिक व्यवस्था को आगे आकर इसकी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए? मानसिक रोग, ड्रग्स की लत, तलाक, असफल प्रेम संबंध, यौन हिंसा, दिवालियापन, शैक्षणिक विफलता, बेरोज़गारी और गरीबी खुदकुशी करने के मुख्य कारण हैं। इनके अलावा दक्षिण एशियाई देशों में एक और वजह है : समाज में इज्जत को ठेस। भारत में उच्च आत्महत्या दर की वजहों की, विशेषकर समाज के कुछ खास वर्गों में, जांच की जानी चाहिए। विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2024 में भारत को 143 देशों में 126वां स्थान मिला है, यह पड़ोस के पाकिस्तान और नेपाल से भी नीचे है। तो भारत में इतने सारे लोग दुखी क्यों हैं? सामान्य कारकों के अलावा, भारत में आत्महत्या के ग्राफ में एक अजीब सी समानता भी है- युवा, निम्न आय वर्ग, किसान और महिलाओं में आत्महत्या की दर ज्यादा है। 15 से 29 आयु वर्ग, जो भारत की जनसंख्या का 53.7 प्रतिशत है, उसमें मौत के कारणों में आत्महत्याओं का हिस्सा काफी अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2020 रिपोर्ट बताती है, उस साल हर दिन 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की। इस वर्ष कोटा में अब तक 13 छात्र यह अतिशयी कदम उठा चुके हैं, जबकि पिछले साल देश के इस कोचिंग के गढ़ में 26 छात्रों ने खुदकुशी की थी। गला-काट प्रतिस्पर्धा, उच्च प्रदर्शन का दबाव और असफलता का डर जिसको कभी-कभी माता-पिता का अधीर रवैया भी हवा देता है- युवा मानस के लिए इनको संभालना बहुत मुश्किल हो सकता है। नौकरी के चाहवान बहुत हैं और नौकरियां अत्यंत कम। लगभग 10 प्रतिशत भारतीय युवा बेरोजगार, नाखुश, चिंतित हैं और उनके पास अपनी रोजमर्रा की जरूरतें तक पूरा करने के लिए संसाधन नहीं हैं। रोजगार के मामले में महिलाएं पुरुषों से काफी पीछे हैं। बहुत बड़ी संख्या में नौकरी के चाहवानों के लिए न सिर्फ नौकरियां बहुत कम हैं, बल्कि निष्पक्ष और योग्यता आधारित भर्तियों की भी कमी है, जिससे आक्रोश और अरुचि उत्पन्न होती है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के पेपर लीक और परिणामों में हेराफेरी को लेकर चल रही कानूनी कार्रवाई के कारण पिछले चार वर्षों में कई परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी हैं। अन्य राज्य भी इसी किस्म की स्थिति से त्रस्त हैं। आत्महत्या से होने वाली मौतों में दो तिहाई हिस्सा न्यूनतम आय वर्ग के लोगों का है। इसके अलावा, वर्ष 2022 में किसानों और खेतीहर मजदूरों ने 11,290 खुदकुशी की। अपने वजूद और सुख के लिए आधारभूत आवश्यकताएं रोटी, कपड़ा और मकान हैं। नीति आयोग के अनुसार, 50 प्रतिशत भारतीयों की औसत मासिक क्रय शक्ति, क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में, 3,094 रुपये और 4,963 रुपये है। ग्रामीण और शहरी आबादी के निचले 20 प्रतिशत में आने वाले लोगों के पास खुद के वास्ते और परिवार को जिंदा रखने के लिए दैनिक खर्च क्षमता महज 70-100 रुपये है। इतने कम पैसे में भोजन, कपड़ा और मकान का इंतजाम कर लेना बेहद मुश्किल है। आत्महत्या से होने वाली प्रत्येक मौत के बरक्स 200 से ज़्यादा लोग आत्महत्या करने की प्रवृत्ति और विचार पाले हुए हैं। चिंताजनक बात यह है कि वैश्विक औसत की तुलना में भारतीय महिलाओं की खुदकुशी दर दोगुनी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में हर दिन औसतन 86 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। यह संख्या असल से बहुत कम हो सकती है, क्योंकि अधिकांश पीड़ित महिलाएं लोकलाज आदि के डर से मामला दर्ज करवाने नहीं जातीं। महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा शारीरिक-मानसिक शोषण और उत्पीड़न का शिकार होता है, तिस पर व्यवस्था से सुनवाई की उम्मीद बहुत कम है। खेती से मोहभंग और शहरी जीवन की चकाचौंध से ग्रस्त होकर, ग्रामीण युवा पलायन के मौके की तलाश में रहते हैं, जिससे वे भारी संख्या में बड़े शहरों का रुख करते हैं। शहरीकरण तनावों को बढ़ाता है- जीवनयापन की उच्च लागत, जिंदगी की तेज़ रफ्तार, सफलता प्राप्ति का दबाव और दुनिया में पैर जमाने का संघर्ष। परिवार और समुदाय की सुरक्षा छतरी सिर पर नहीं रहने से व्यक्ति में असुरक्षा बोध पैदा होता है। असफल होने वाले बहुत से लोग वहीं फंसकर रह जाते हैं– गांव वे लौटना नहीं चाहते, और शहर में कुछ पल्ले नहीं पड़ता। दरअसल, हमारी शिक्षा प्रणाली में कुछ गंभीर गड़बड़ी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, केवल 51.25 प्रतिशत युवा ही रोजगार के लायक माने जाते हैं।

आप का नजरिया

ध्यान एक द्वार है, जिसके पार जीवन अपार है

क्या आप बता सकते हैं कि दुनिया में सबसे मुश्किल काम क्या है? सबसे मुश्किल काम है, कोई काम न करना। आप आजमाकर देख लें। कुछ देर बिना कुछ किए एक जगह बैठकर दिखाएं। ध्यान में यही काम किया जाता है। ध्यान में कोई काम नहीं किया जाता। मुझे पहली बार ध्यान घटित हुआ था जबकि मैं 25 वर्ष का था और भारतीय सेना में था। हमारे घर में तो ध्यान की कोई परंपरा नहीं थी क्योंकि मेरे पिता समेत मेरे पूर्वज अब तक जीवन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए ही संघर्ष कर रहे थे। ध्यान इस संघर्ष के बाद घटित होता है जब तक कि आप महर्षि रमण जैसे व्यक्ति न हों, जो मनुष्य की पराभौतिक शक्तियों को साबित करने के लिए अवतारपुरुष के रूप में आते हैं। मैं उन दिनों ओशो का मुरीद था और उनकी बताई हर बात को आंख मूंदकर स्वीकार करता था। उनकी किताबें और कैसेट्स खरीद-खरीदकर मैंने जमा किए हुए थे। उन्हीं में से एक में उन्होंने 45 मिनट का डायनैमिक मेडिटेशन बताया था। इस ध्यान में जाने के लिए एक खास किस्म का संगीत तैयार किया गया था। मैंने जब इसका अभ्यास किया, तो पाया कि बीच-बीच में मैं कुछ क्षणों के लिए निर्विचार हो जा रहा हूं। मुझे इन क्षणों का आनंद बाकी क्षणों की तुलना में कई गुना बढ़ा हुआ महसूस होता था। इन कुछ क्षणों के आनंद को पाने के लिए ही मैं 45-45 मिनट तक ध्यान में बैठने का अभ्यास करने लगा। लेकिन उन दिनों जीवन में इतनी ज्यादा आपाधापी थी कि कई बार अभ्यास छूट जाता। आपाधापी बढ़ती गई और ध्यान छूटता गया। लेकिन उन कुछ क्षणों के आनंद का स्वाद मेरे मन में बना रहा। यह जो स्वाद था मेरे मन में बसा हुआ, वह मुझे जब-तब आवाज देता था। जैसे ही मेरे गृहस्थ जीवन की आपाधापी कम हुई, ध्यान ने मुझे फिर वापस खींच लिया। और इस बार मेरा ध्यान से जुड़ना जीवन भर के लिए था क्योंकि मैंने यह जाना कि ध्यान से जुड़े रहते हुए आपको मिलने वाला जीवन ध्यानविहीन जीवन की तुलना में कितना सुख देने वाला होता है और सुख बहुआयामी होता है। यानी ध्यान से जुड़ने पर आप अपने शरीर के प्रति सजग होते हो, अपने मानस के प्रति सजग होते है और अपनी आत्मा को महसूस करने लगते हो। शरीर के प्रति सजगता आपसे शरीर की फिटनेस पर काम करवाती है, आप अपने शरीर को सुगठित और सुडौल बनाते हो। आप अपने मानस के प्रति सजग होते हो और अपने मन पर काम करते हो। आप उसे एक योगी का मन बनाते देते हो। आपके संकल्प शक्तिशाली होने लगते हैं। एक बार लेने पर वे टूटते नहीं। आपकी इच्छाशक्ति बहुत बलवान हो जाती है। आप में अकूत धैर्य और संयम आ जाता है। मन में किसी भी तरह का कोई भी भय नहीं रहता। मानस के साथ आप अपनी आत्मा के प्रति सजग होने लगते हो। जब ऐसा होने लगता है, तो आप दूसरों को भी एक आत्मा के रूप में देखना शुरू कर देते हो।

वित्त मंत्री सीतारमण से विश्व आर्थिक मंच के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. क्लॉस श्वाब और सीएसईपी के मानद अध्यक्ष राकेश मोहन ने मुलाकात की

नई दिल्ली,10 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. क्लॉस श्वाब ने मंगलवार को यहां मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच कई मसलों पर बातचीत हुई। हालांकि, इसका पूरा ब्योरा अभी मिल पाया है।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. क्लॉस श्वाब ने नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्री कार्यालय में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की है।

उल्लेखनीय है कि विश्व आर्थिक मंच एक गैर-लाभकारी एवं अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इस संगठन की स्थापना 1971 में हुई थी। इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है। ये फोरम वैश्विक, क्षेत्रीय और औद्योगिक एजेंडों को आकार देने के लिए राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के अग्रणी नेतृत्व को एक साझा मंच उपलब्ध कराता है।

सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस के अध्यक्ष से हुई भेंट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) के मानद अध्यक्ष और प्रतिष्ठित फेलो राकेश मोहन ने मंगलवार को यहां मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) के मानद अध्यक्ष और प्रतिष्ठित फेलो राकेश मोहन ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्री कार्यालय में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की है। सीएसईपी एक स्वतंत्र भारतीय सार्वजनिक नीति थिंक टैंक है। राकेश मोहन सीएसईपी के मानद अध्यक्ष एवं विशिष्ट फेलो हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

षड्यंत्रकारी सब...

हाल ही में अमेरिकी राजनयिकों ने हैदराबाद में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला से भी मुलाकात की थी। यह सब उसी तैयारी की पूर्व भूमिका है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, उसमें व्यवधान पैदा करना उनका मौजूदा लक्ष्य है।बांग्लादेश में षड्यंत्र पूर्वक सत्ता पलट करने के बाद अमेरिका ने भारत में दखलंदाजी काफी तेज कर दी है। इसके पहले अमेरिका ने भारत के आम चुनाव को नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन मोदी को सत्ता से दूर रखने का षडयंत्र काम नहीं आया। उसके बाद अमेरिकी दखलंदाजी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। अब वह जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव को भाजपा विरोधी मोड़ देने में काफी सक्रिय हो गया है। अमेरिका के इस षड्यंत्र में जम्मू कश्मीर के गुपकार गैंग से लेकर कांग्रेस और दक्षिण में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी तक शामिल हैं। इनकी कोशिश है कि जम्मू कश्मीर में फिर से ऐसी स्थिति बने कि यहां दोबारा अनुच्छेद 370 लागू हो जाए और जम्मू कश्मीर जहां था वहीं फिर से पहुंच जाए। अमेरिकी राजनयिक के वेश में अमेरिकी एजेंट नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से लेकर कांग्रेस और एआईएमआईएम नेता से मिल रहे हैं और यहां तक कि दिल्ली बॉर्डर के पास प्रायोजित धरना पर बैठे किसानों से भी उनकी मुलाकात हुई। अमेरिका की इन संदेहास्पद गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह चुप बैठे हैं।

आप जानते ही हैं कि पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) या गुपकार नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित जम्मू-कश्मीर में मुख्यधारा की सात राजनीतिक पार्टियों का गठबंधन है। गुपकार गैंग जम्मू-कश्मीर को पहले की तरह अनुच्छेद 370 लागू करने और विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहा है। गुपकार गैंग में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, सीपीआई (एम) पीपुल्स यूनाइटेड फ्रंट, पैंथर्स पार्टी और अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस शामिल है। गुपकार गैंग में कांग्रेस औपचारिक रूप से शामिल नहीं है, लेकिन वैचारिक रूप से कांग्रेस गुपकार गैंग में शामिल है और गैंग की सलाहकार भी है। श्रीनगर में एक गुपकार रोड है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का आवास है।

26 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कई विषयों पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत से कुछ घंटे पहले, अमेरिकी राजनयिकों ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से मुलाकात की। हाल के दिनों में भारतीय विपक्षी नेताओं और अमेरिकी राजनयिकों के बीच की मुलाकातें पहले की तुलना में अधिक बार सुर्खियों में रही हैं, जिससे भारतीय लोकतंत्र में संभावित अमेरिकी हस्तक्षेप पर चिंता बढ़ गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध के अलावा बांग्लादेश की स्थितियों पर भी चर्चा हुई और वहां की कानून-व्यवस्था की बहाली और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मसला उल्लेखनीय रूप से चर्चा में आया। लेकिन अमेरिका ने बाइडेन-मोदी वार्ता की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का का मुद्दा गायब कर दिया। जबकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने बातचीत के बाद इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी की बातचीत की प्रेस रिलीज में बताया गया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बायडेन को अपनी हालिया पोलैंड और यूक्रेन यात्रा के विषय में जानकारी दी। इसमें बताया गया कि पीएम मोदी ने ने यूक्रेन-रूस संघर्ष का बातचीत से हल हो, इसके लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने जल्द शांति बहाली की आशा जताई है। प्रेस रिलीज में बताया गया कि दोनों नेताओं ने बांग्लादेश में बिगड़े हालातों पर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने यहां कानून का राज दुबारा कायम करने और अल्पसंख्यकों विशेष कर हिंदुओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर जोर दिया है। जब अमेरिकी पक्ष ने अपनी प्रेस रिलीज जारी की तो इसमें अपने रणनीतिक हित वाले मुद्दे ही रखे। पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा और यूक्रेन-रूस संघर्ष के शांतिपूर्ण हल का जिक्र तो किया, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मसला गायब कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक मामलों के मंत्री-सलाहकार ग्राहम मेयर और फर्स्ट सेक्रेटरी गैरी एप्पलगार्थ सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनयिकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। यह मुलाकात अब्दुल्ला के श्रीनगर में गुपकार रोड स्थित आवास पर हुई। बैठक के दौरान नेताओं और राजनयिकों ने जम्मू-कश्मीर और सामान्य रूप से क्षेत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के लिए ट्रैवल एडवाइजरी पर फिर से विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।नेशनल कॉन्फ्रेंस की ओर से सांसद और वरिष्ठ एनसी नेता रूहुल्लाह मेहदी भी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला ने अमेरिकी राजनयिकों को अपने परिवारों के साथ कश्मीर आने के लिए आमंत्रित किया। ऊपर ऊपर से अमेरिकी राजनयिकों की कश्मीर यात्रा दोस्ताना दिख सकती है, लेकिन ध्यान दिया जाना चाहिए कि केवल अगस्त महीने में ही अमेरिकी राजनयिकों ने पर्दे के पीछे कई भारतीय नेताओं से मुलाकात की है। इसी दरम्यान अमेरिकी राजनयिक जेनिफर लार्सन की कई भारतीय विपक्षी नेताओं के साथ बैठकें हुई हैं। लार्सन हैदराबाद में अमेरिकी मिशन की प्रभारी अमेरिकी महावाणिज्यदूत हैं। उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से भी मुलाकात की। उन्होंने स्वीकार भी किया कि असदुद्दीन ओवैसी से उनकी मुलाकात हुई और लार्सन ने ओवैसी के आतिथ्य की खूब प्रशंसा की। लार्सन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से भी मुलाकात की। रेखांकित करने की बात यह है कि इस अमेरिकी राजनयिक ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से भी मुलाकात की और काफी देर तक बैठक की।

लार्सन ने जुलाई में भी एआईएमआईएम प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। कुतुब शाही हेरिटेज पार्क के पूरा होने के समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और प्रिंस रहीम आगा खान के साथ अमेरिकी राजनयिक जेनिफर लार्सन खूब अंतरंग होती दिखाई पड़ीं।

अमेरिकी राजनयिकों और भारतीय विपक्षी नेताओं के बीच हाल ही में हुई बैठकों को लेकर विशेषज्ञ इस बात की चिंता जता रहे हैं कि अमेरिका भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोशिश कर रहा है और यह आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश में पहले अमेरिकी दखल के समान ही एक समानता देखी जा सकती है, जहां रिपोर्ट बताती है कि शेख हसीना की सरकार को गिराने में यूए-सएआईडी और अन्य विदेशी हित शामिल रहे हैं।

शेख हसीना के खिलाफ प्रतिरोध आंदोलनों को अमेरिका द्वारा समर्थन दिए जाने के तथ्य सामने आए हैं, जिसके कारण बांग्लादेश में तनाव और अशांति बढ़ी है। ये कार्रवाइयां अमेरिका द्वारा बार-बार किए जाने वाले आचरण का संकेत हैं, जहां वह संप्रभु राज्यों की स्थानीय राजनीति को प्रभावित करने के लिए अपनी कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल करता है। इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर, अमेरिकी राजनयिकों और भारतीय विपक्ष के बीच इस तरह की बातचीत कुछ लोगों के लिए संदेहास्पद हैं, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए, जहां कोई भी बाहरी ताकत क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

राजभवन बढ़ रहे ...

मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी विरोध रैली निकाली और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका। इस बीच मौजूदा हालात के मद्देनजर इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। थौबल में बीएनएसएस की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पूरे राज्य में अगले पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में 10 सितंबर को दोपहर तीन बजे से 15 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक पांच दिनों के लिए लीज लाइन, वीसैट, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित/रोकने का आदेश दिया गया है।

राज्य सरकार के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, मणिपुर राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था के हालात को देखते हुए यह आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व लोगों की भावनाओं को भड़काने वाली तस्वीरें, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों से जान-माल की हानि, सार्वजनिक, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है।

आदेश में कहा गया है, राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों की साजिशों और गतिविधियों को नाकाम करने, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने, जानमाल के नुकसान या खतरे को रोकने, सार्वजनिक हित में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त उपाय करना जरूरी हो गया है। इसमें विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे टैबलेट, कंप्यूटर, मोबाइल फोन आदि पर व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए गलत सूचना और झूठी अफवाहों के प्रसार को रोकना और भीड़ जुटाने के लिए बल्क एसएमएस भेजना शामिल है।आदेश में मणिपुर सरकार के संयुक्त सचिव (गृह) ने कहा, मैं मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में लीज लाइन, वीसैट, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश देता हूं। इससे पहले छात्रों के विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद राज्य के तीन जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने से रोकने के लिए अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है, जबकि थौबल में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। आदेश में कहा गया है, जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण कर्फ्यू में छूट से संबंधित पूर्व के आदेश तत्काल प्रभाव से 10 सितंबर को सुबह 11 बजे से रद्द कर दिए गए हैं, इसलिए अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से इंफाल पूर्वी जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया है।

इंफाल पश्चिम के जिलाधिकारी द्वारा जारी एक अन्य आदेश में कहा गया है, पहले के सभी आदेशों को निरस्त करते हुए 10 सितंबर के लिए कर्फ्यू में ढील की अवधि आज सुबह 11 बजे से हटाई जाती है। पिछले साल एक सितंबर से लोगों के अपने-अपने आवासों से बाहर आवागमन पर प्रतिबंध हटा लिया गया था। पहले 10 सितंबर के लिए कर्फ्यू में छूट तड़के पांच बजे से शाम 10 बजे तक थी, लेकिन नवीनतम आदेश ने इसे समाप्त कर दिया। हालांकि, मीडिया, बिजली, अदालत और स्वास्थ्य समेत आवश्यक सेवाओं को कर्फ्यू के दायरे से बाहर रखा गया है।

दोनों जिलों में यह आदेश ऐसे समय में आए हैं, जब मणिपुर में छात्र राज्य सरकार के पुलिस महानिदेशक डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की अपनी मांग को लेकर अपने प्रदर्शन को तेज करने की योजना बना रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभालने में असमर्थ हैं। थौबल में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक है, क्योंकि पुलिस का दावा था कि सोमवार को जिले में प्रदर्शनकारी छात्रों में से किसी ने गोली चलाई जिससे एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। इस बीच विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के सैकड़ों छात्रों ने इंफाल के ख्वाइरामबंद महिला बाजार में लगाए गए शिविरों में रात बिताई।

बता दें कि राज्य में ताजा हिंसक घटनाओं में कम से कम आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बाद में छात्रों ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और राज्यपाल आचार्य से मुलाकात की। छात्र प्रतिनिधियों ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने छह मांगें रखी हैं, जिसमें पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार को उनकी कथित विफलता के लिए हटाने की मांग शामिल है। उन्होंने यह भी मांग की कि एकीकृत कमान, जिसकी वर्तमान में अध्यक्षता केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व डीजी कुलदीप सिंह कर रहे हैं, उसे राज्य सरकार को सौंप दिया जाए।

अनुसंधान के...

अटल टिंकरिंग लैब्स के सकारात्मक प्रभावों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि इनकी ग्रेडिंग की जा सकती है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे पर्यावरण परिवर्तन के लिए नए समाधान की तलाश, ईवी के लिए बैटरी सामग्री, प्रयोगशाला में विकसित हीरे आदि क्षेत्रों में अनुसंधान पर भी चर्चा की।

शासी निकाय ने उन विश्वविद्यालयों को जोड़कर हब और स्पोक मोड में एक कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया, जहां अनुसंधान प्रारंभिक चरण में है और उन्हें मेंटरशिप मोड में शीर्ष स्तरीय स्थापित संस्थानों के साथ जोड़ा गया है। शासी निकाय ने प्रतिष्ठान से जुड़े रणनीतिक हस्तक्षेप के कई क्षेत्रों पर भी चर्चा की जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में भारत की वैश्विक स्थिति, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ अनुसंधान एवं विकास को रेखांकित करना, समावेशी विकास को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, साथ ही अकादमिक अनुसंधान के बीच अंतर को पाटना शामिल है।

उद्योग की सक्रिय भागीदारी के साथ अनुवाद संबंधी अनुसंधान पर जोर देते हुए, शासी निकाय ने ज्ञान की उन्नति के लिए मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान का समर्थन करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस बात पर भी सहमति हुई कि अनुसंधान में आसानी की दिशा में शोधकर्ताओं को लचीली और पारदर्शी फंडिंग व्यवस्था के साथ सशक्त बनाने की आवश्यकता है।शासी निकाय ने यह भी निर्देश दिया कि प्रतिष्ठान की रणनीतियों को विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप होना चाहिए और कार्यान्वयन में दुनिया भर में अनुसंधान और विकास एजेंसियों द्वारा अपनाई गई वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करना चाहिए। बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शासी निकाय के उपाध्यक्ष के रूप में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार सदस्य सचिव, नीति आयोग और सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भाग लिया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और उच्च शिक्षा विभाग इसके पदेन सदस्य हैं। अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में प्रोफेसर मंजुल भार्गव (प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए), डॉ. रोमेश टी वाधवानी (सिम्फनी टेक्नोलॉजी ग्रुप, यूएसए), प्रोफेसर सुब्रा सुरेश (ब्राउन यूनिवर्सिटी, यूएसए), डॉ. रघुवेंद्र तंवर (भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद), प्रो.जयराम एन.चेंगलूर (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च) और प्रो.जी रंगराजन (भारतीय विज्ञान संस्थान) शामिल थे।

साइबर सुरक्षा के...

श्री शाह ने कहा कि आई 4 सी जैसे प्लेटफॉर्म इस प्रकार के खतरों से निपटने में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं। उन्होंने सभी हितधारकों के साथ मिलकर जागरूकता, समन्वय और साझा प्रयास को जारी रखने का आह्वान किया। गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी एक संस्था अकेले साइबर स्पेस को सुरक्षित नहीं रख सकती। यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक ही मंच पर आकर एक ही तरीके और रास्ते पर आगे बढ़ें। गृह मंत्री ने साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया और समन्वय प्लेटफॉर्म (संयुक्त साइबर अपराध जांच सुविधा प्रणाली) का शुभारंभ किया। उन्होंने साइबर कमांडो कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया। श्री शाह ने कहा कि साइबर कमांडो कार्यक्रम के तहत 5 साल में लगभग 5 हज़ार साइबर कमांडो तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही गृह मंत्री ने आई 4 सी के नए लोगो, विजन और मिशन का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार, केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन, निदेशक खुफिया ब्यूरो, विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), विभिन्न राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक,वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अनेक सरकारी संगठनों के अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सुरक्षित साइबर स्पेस अभियान के तहत 2015 में आई 4 सी की स्थापना हुई थी, तब से यह लगातार साइबर सुरक्षित भारत का मजबूत स्तंभ बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नौ साल की यात्रा में यह विचार एक पहल और फिर एक संस्थान में परिवर्तित हुआ है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में हर राज्य के पास साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री अलग-अलग रहने से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी क्योंकि राज्यों की अपनी सीमा है लेकिन साइबर अपराधियों की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि ये समय की मांग थी कि राष्ट्रीय स्तर पर एक सस्पेक्ट रजिस्ट्री बनाई जाए और राज्यों को इसके साथ जोड़कर साइबर अपराध से लड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जाए। इस पहल से आने वाले दिनों में साइबर अपराधों की रोकथाम में हमें बहुत मदद मिलेगी। श्री शाह ने कहा कि आज से आई 4 सी एक जनजागरूकता अभियान भी शुरू कर रहा है। देश के 72 से अधिक टीवी चैनलों, 190 रेडियो एफएम चैनलों, सिनेमाघरों और कई अन्य प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस अभियान को गति देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ित को साइबर अपराध से बचने का तरीका नहीं पता होगा तब तक यह अभियान सफल नहीं हो सकता। श्री शाह ने कहा कि साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 और आई 4 सी के अन्य प्लेटफॉर्म के बारे में जागरूकता फैलाने से इसकी उपयोगिता बढ़ेगी तथा अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। गृह मंत्री ने सभी राज्य सरकारों से इस अभियान से जुड़कर गांवों और शहरों तक जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया।

मांगें पूरी होने ...

हमने राज्य सरकार से कोलकाता पुलिस आयुक्त, स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक और चिकित्सा शिक्षा के निदेशक को शाम 5 बजे तक हटाने के लिए कहा था। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। जूनियर डॉक्टरों ने 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार कक्ष में महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु का शव मिलने के कुछ घंटों बाद ही अपना काम बंद शुरू कर दिया था।

इस बीच आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को मंगलवार को वित्तीय अनियमितताओं के मामले में एक विशेष सीबीआई अदालत ने 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोर्ट ने उनके सुरक्षाकर्मी अफसर अली और दो कथित सहयोगियों, ठेकेदार वेंडर बिप्लब सिन्हा और सुमन हाजरा को भी 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सीबीआई ने अदालत से कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह फिर से उनकी हिरासत की मांग करेगी। आरजी कर एमसीएच में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध के बीच संदीप घोष को 2 सितंबर को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। 3 सितंबर को अदालत ने उन्हें आठ दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था।

सड़क सुरक्षा...

साथ ही वाहन चलाने या चलाने में कुशल हों। उन्होंने इन आंकड़ों को कम करने में योगदान करने का आह्वान करते हुए कहा, हमारे देश में हर घंटे लगभग 53 दुर्घटनाएं होती हैं और 19 मौतें होती हैं। जरा सोचिए। 45 फीसदी दुर्घटनाएं टू-व्हीलर की वजह से, 20 फीसदी पैदल चलने वालों की वजह से होती हैं। मैं आप सभी से वास्तव में ड्राइवर प्रशिक्षण स्कूल शुरू करने में रुचि लेने का अनुरोध करता हूं। तब हम अच्छे ड्राइवरों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और यह वास्तव में एक सकारात्मक समाधान हो सकता है। गडकरी ने कहा कि उनके विभाग ने खराब सड़क निर्माण और साइनेज पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने वाहनों की सुरक्षा की जरूरत को रेखांकित किया और भारत एनसीएपी के महत्व पर रौशनी डाली। उन्होंने कहा, भारत एनसीएपी ग्राहकों के लिए सुरक्षित वाहन रखने के लिए निर्माताओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करेगा।

गांधी परिवार सत्ता...

पुरी ने कहा कि 1984 में एक सोची-समझी साजिश के तहत सिखों का नरसंहार किया गया था। 3000 से ज्यादा बेगुनाह लोग मारे गए थे। इस पर अपनी गलती मानने के बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी दूसरों पर सवाल उठा रहे हैं।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका में एक सिख व्यक्ति से सवाल करते हुए पूछा कि मेरे पगड़ीधारी भाई आपका क्या नाम है। उस व्यक्ति के जवाब देने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि लड़ाई इसी बात के लिए है और यह सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने लोकसभा चुनाव के रिजल्ट पर हमला करने के लिए भी राहुल गांधी की आलोचना की। पुरी ने कहा कि वह एक आम नागरिक के तौर पर भारत से बाहर नहीं गए हैं। वह विपक्ष के नेता के तौर पर देश से बाहर गए हैं। पुरी ने कहा कि राहुल गांधी के एडवाइजर ने कहा कि वह पप्पू नहीं है। चाहे वह पप्पू हो या गप्पू, मुझे इससे कोई भी मतलब नहीं है। राहुल गांधी को राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर बयान नहीं देना चाहिए। उन्हें ऐसे कार्यों से बचना चाहिए।

अब अफजल गुरु...

जिसमें मेरा बेटा शोएब भी शामिल है, जिसे नौ महीने पहले एक झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया था। पशुपालन विभाग में काम करने वाले एजाज ने 2014 में वीआरएस ले लिया था।

13 दिसंबर 2001 को संसद पर हमला करने में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों की मदद करने वाले अफजल गुरु को फरवरी 2013 में तिहाड़ जेल में फांसी दे दी गई थी। इसके बाद उसे दफना दिया गया था। इस आतंकी हमले में नौ लोग मारे गए थे। एजाज का कहना था कि उनके बेटे को नौ महीने पहले नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था और वह अभी भी जेल में है। उन्होंने कहा कि जब इंजीनियर रशीद के बेटे अबरार रशीद ने अपने पिता के लिए प्रमोशन किया, तो मैं अपने बेटे के लिए प्रमोशन क्यों नहीं कर सकता जो पुणे में पढ़ रहा है? मैं साबित कर दूंगा कि मेरे बेटे ने कुछ भी गलत नहीं किया है।

याद रहे कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद को इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें 2017 में जम्मू कश्मीर में आतंकी फंडिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। रशीद ने बारामुल्ला सीट से निर्दलीय के तौर पर लोकसभा चुनाव लड़ा और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 204,142 वोटों के अंतर से हराया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 11 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी में हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में 01 से 30 सितंबर, 2024 तक मनाए जा रहे राजभाषा माह समारोह- 2024 के एक भाग के रूप में आज मंगलवार को हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कार्मिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा क्विज मास्ट्र ललिता एवं उनकी टीम का परिचय प्रतिभागियों से कराया। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए प्रदीप सक्सेना मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने कहा कि हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की इतनी अधिक संख्या एवं उत्साह को देखकर प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इसी उत्साह के साथ राजभाषा कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने का आग्रह किया तथा अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

तत्पश्चात प्रतियोगिता की संचालक ललिता ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए उन्हें हिंदी माह की बधाई दी तथा हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता ऑडियो/वीडियो माध्यम से संचालित की जाएगी तथा एक राउंड में राजभाषा हिंदी से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे तथा अन्य राउंड में सामान्य ज्ञान,समसामयिकी, खेलकूद आदि विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्न मंच प्रतियोगिता बहुत ही रूचिकर रही।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मो. तनवीर जावेद, अरूणल राजा एवं बी. रघुनाथ, द्वितीय स्थान पर सीतामणी टी.आर., रेखा गर्ग एवं वाई.अरूण तथा तृतीय स्थान पर दीपेन्द्र प्रताप सिंह, दीक्षांत खन्ना एवं बी. आशा की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता का समन्वयन डॉ. राजिंदर कौर,वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में राजेश कुमार गोंड,सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), देबाशीष घोष, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं फौजिया, अप्रेंटिस प्रशिक्षु का सक्रिय सहयोग रहा।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर साहू निवास चूड़ी बाजार में गणेश मंडप स्थापित किया गया। इस अवसर पर पूजा करते हुए अनिल कुमार, अर्चना, मीना, स्मिता साहू, सुनील कुमार, अर्पिता और अन्य।

खोकरवाड़ी नवयुवक संघ घांसी बाजार भाग्यनगर के 59वें वर्ष पर स्थापित श्री गणेश जी की प्रतिमा के साथ संघ के कार्यकर्ता महेंद्र दत्ता, रामनारायण सैन, हितेंद्र मिश्रा, धनराज सैन, अंकेश जनाजी, मोमित विजयवर्गीय एवं सभी सदस्यगण।

वैज्ञानिक डॉ. विनीत अनिया आईएनएई यंग एसोसिएट के रूप में चयनित

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, हैदराबाद के केमिकल इंजीनियरिंग और प्रोसेस टेक्नोलॉजी (सीई एंड पीटी) विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विनीत अनिया को केमिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 2024 के लिए इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई) यंग एसोसिएट के रूप में चुना गया है। डॉ. अनिया का काम नवीकरणीय संसाधनों से बायोडिग्रेडेबल/कंपोस्टेबल पॉलिमर के विकास, अपशिष्ट प्लास्टिक डीपोलाइमराइजेशन/अपसाइक्लिंग और कार्बन पृथक्करण पर केंद्रित है। अपने अभिनव अनुसंधान और विकास प्रयासों के माध्यम से, आईआईसीटी ने

नैनोसेल्यूलोज-प्रबलित बायोडिग्रेडेबल और टिकाऊ प्लास्टिक बनाने के लिए एक टिकाऊ प्रक्रिया मार्ग विकसित किया है जो बेहतर यांत्रिक और बाधा गुणों के साथ पैकेजिंग और विनिर्माण उद्योग में क्रांति ला सकता है।

हाल ही में उनकी टीम ने अपशिष्ट पीईटी प्लास्टिक डीपोलीमराइजेशन के लिए तकनीक को ग्रीन प्लास्टिसाइज़र, डीओटीपी में सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक लाभदायक व्यवसाय मॉडल दृष्टिकोण का समर्थन किया है।

उन्हें विभिन्न परियोजनाओं के लिए इंडस्ट्रीज, डीएसटी, एसईआरबी, सीएसआईआर, एनटीटीएम आदि से धन प्राप्त हुआ है। डॉ. अनिया,आईजीएसटीसी द्वारा पीईसीएफएआर(2024), सीएलएल 3आर अवार्ड (2023), तेलंगाना स्टेट इनोवेशन अवार्ड (2022), यंग साइंटिस्ट एंड टेक्नोलॉजिस्ट-डीएसटी (2021), अमर डाई-केम अवार्ड (2020) जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों की प्राप्तकर्ता हैं। सीएसआईआर प्रौद्योगिकी पुरस्कार (2018), अंबुजा का युवा शोधकर्ता पुरस्कार (2015) और कई पेशेवर निकायों जैसे आईआईसीएचई, एफएएसएसआई आदि के सदस्य। 43 शोध प्रकाशन, 2 पेटेंट और 3 पुस्तक अध्यायों के साथ, डॉ. अनिया का शोध है। डॉ. अनिया को आईएनएई वार्षिक सम्मेलन 2024 में फेलो की वार्षिक आम बैठक के दौरान औपचारिक रूप से आईएनएई यंग एसोसिएट के रूप में शामिल किया जाएगा, जो अस्थायी रूप से 19-21 दिसंबर, 2024 को आईआईटी मद्रास, चेन्नई में होगा।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा का डांडिया एवं रावण दहन 12 अक्तूबर को

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा का डांडिया एवं रावण दहन का कार्यक्रम शाखा के तत्वावधान में शनिवार 12 अक्तूबर को विजयदशमी के उपलक्ष्य में रोड नं 11, बंजारा हिल्स स्थित कैप्टेन कलीम भाई के परिसर में धूमधाम से आयोजित किया जाएगा।

शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य सुनील कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्ताशय का निर्णय का जुबली हिल्स स्थित जुबिली इंटरनेशनल सेंटर में

शाखा की कार्यकारणी बैठक के दौरान लिया गया । सभा का शुभारंभ श्री महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों या स्वागत किया । मानद मंत्री मनीष अग्रवाल ने शाखा द्वारा सावन की सैर कार्यक्रम के अत्यंत सफल आयोजन को सभा को जानकारी दी जिसका सभी ने करतलध्वनि द्वारा स्वागत किया।

सभा में डांडिया एवं रावण दहन कार्यक्रम संबंधित विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के सफल व सुचारू आयोजन के लिये संयोजन समिति का गठन शीघ्रातिशीघ्र किये जाने का निर्णय लिया गया। सार्यक्रम संबंधित विस्तृत जानकारी अगले कुछ दिनों में सदस्यों को की जाएगी। इस अवसर पर सभा में अध्यक्ष जयदीप गुप्ता, सहमंत्री राजेश अग्रवाल, परामर्शदाता विनोद टिकमाणी, संजय गोयल, सुभाष केडिया, रवि अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित रहे।

वीवीआर ग्रीन मीडोज, अपरपल्ली अत्तापुर द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के आयोजन में पूजा-अर्चना करते हुए उपस्थित भगतगण।

तेलंगाना की विकास योजनाओं से प्रभावित हैं डॉ.अरविंद पनगढ़िया

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सोहलवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने मंगलवार को कहा कि आयोग तेलंगाना की विकास योजनाओं से काफी प्रभावित है।

डॉ. पनगढ़िया ने आज यहां बेगमपेट में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आयोग का काम 2026-27 से 2030-31 तक की पांच साल की अवधि के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के विभाजन पर सिफारिशें करना है।

इसमें यह तय करना शामिल है कि केंद्र और 28 राज्यों के बीच धन कैसे आवंटित किया जाएगा, साथ ही यह धन राज्यों के बीच कैसे वितरित किया जाएगा।

वित्त आयोग पंचायतों और नगरपालिका संगठनों के लिए स्थानीय निकाय अनुदान, आपदा राहत कोष और अन्य क्षेत्र-विशिष्ट या राज्य-विशिष्ट अनुदानों पर भी सिफारिशें करता है।

तेलंगाना की यात्रा के दौरान आयोग ने व्यापक चर्चा की और शहरी और ग्रामीण विकास के लिए राज्य के दृष्टिकोण को विशेष रूप से दूरदर्शी पाया। डॉ. पनगढ़िया ने कहा कि हालांकि ग्रामीण विकास महत्वपूर्ण बना हुआ है, तेलंगाना ने शहरी विकास पर महत्वपूर्ण जोर दिया है, जिसे अन्य राज्यों में अक्सर उपेक्षित किया गया है। यद्यपि शहरी विकास स्थानीय निकायों को छोड़कर वित्त आयोग के मुख्य क्षेत्रों से बाहर है, लेकिन एक अर्थशास्त्री के रूप में वह राज्य द्वारा प्रस्तुत रोडमैप से प्रसन्न हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आयोग सकल घरेलू उत्पाद में प्रत्येक राज्य के योगदान सहित कई कारकों पर विचार करता है। यह तेलंगाना द्वारा उठाया गया एक प्रमुख मुद्दा है क्योंकि राज्य ने राज्यों के बीच धन के क्षैतिज विभाजन का निर्णय लेते समय अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को अधिक महत्व देने का तर्क दिया है। डॉ. पनगढ़िया ने यह भी स्पष्ट किया कि 15वें वित्त आयोग ने कर राजस्व के विभाज्य पूल का 41 प्रतिशत राज्यों को हस्तांतरित किया था, लेकिन सकल कर राजस्व पर विचार करते समय यह गणना भिन्न होती है, जिसमें विभाज्य पूल का हिस्सा नहीं होने वाले उपकर और अधिभार शामिल होते हैं। तेलंगाना ने विभाज्य पूल में उपकर और अधिभार को शामिल करने के बारे में चिंता जताई, लेकिन इसके लिए एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी, जो वित्त आयोग के दायरे से बाहर है।

गीत चांदनी की राष्ट्रीय एकता एवं भक्ति कवि गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की 42 वर्षीय सक्रिय और लोकप्रिय काव्य संस्था गीत चांदनी के तत्वावधान में संस्था के कार्यालय कवि भवन में राष्ट्रीय एकता व भक्ति कवि गोष्ठी का आयोजन गीत चांदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद की अध्यक्षता में और संस्था के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय के संचालन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना का कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूजा कार्यक्रम की मुख्य संयोजिकाएं कवयित्री रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और कामिनी सिंह ने सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मिलिंद प्रकाशन के संचालक विभा भारती, गजानन चौधरी और श्रुतिकांत भारत बतौर विशेष अतिथि मंचासीन थे। कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य की स्वरचित गणेश वंदना और उसके गायन से कवि गोष्ठी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता व भक्ति कवि गोष्ठी में सत्यनारायण काकड़ा, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, रत्नकला मिश्र, डॉ. मुमताज

सुल्ताना, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, आर. दुर्गाराज पटून, अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया।इस अवसर पर श्री गणेश चतुर्थी और राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों की सार्थकता विषय पर हैदराबाद के जाने-माने कवियों और बुद्धिजीवियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये और कहा कि श्री गणेश चतुर्थी हिंदुओं का एक प्रमुख त्यौहार है तथा भारत के विभिन्न राज्यों में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महान् समाज सुधारक बालगंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र से देश में राष्ट्रीय एकता और भक्ति-भावना के साथ-साथ लोगों में जनजागृति लाने का महत्वपूर्ण कार्य एक विशाल जुलूस के रूप में आरंभ किया है जो आज संपूर्ण देश में फैलता ही जा रहा है और राष्ट्रीय एकता का एक जीता जागता उदाहरण हम आज पूरे देश में देख रहे हैं। हमारे देश के अनेक राष्ट्रभक्तों ने समाज सुधार के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया है और पूजा स्थलों पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित कर महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। कवि अपनी हुंकार भरी आवाज़ में देशभक्ति के गीत प्रस्तुत करते हुए जनजीवन में देश-भक्ति की भावनाओं का प्रचार-प्रसार किया। उनकी ओजपूर्ण कविताओं से युवाओं का दिल डोल जाता है।

विशेष वक्ता व कवयित्री डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि देवों के देव श्री गणेश भगवान की महिमा अद्भुत है। हमारे जीवन में जो भी बाधाएं और विघ्न उत्पन्न होते हैं उन्हें भगवान दूर कर मनुष्य के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करते हैं। गणेश चतुर्थी का यह पावन पर्व आज देश में भक्ति भावना का प्रतीक बन गया है। विशेष अतिथि विभा भारती ने कहा कि आज मनुष्य में जागरुकता होना आवश्यक है।

राष्ट्रीय चेतना को जगाने के लिए इस पर्व की स्थापना की गयी है। भगवान श्री गणेश बुद्धि के दाता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि सभी को वह सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

विशेष अतिथि श्रुतिकांत भारती ने कहा कि हैदराबाद में हमारे बचपन में श्री गणेशोत्सव के कार्यक्रम अनेक झांकियों के साथ अलग ढंग से आयोजित किये जाते थे। गीत चांदनी के कार्यालय में श्री गणेश जी की प्रतिमा और उसकी सजावट को देखकर मेरे बचपन की यादें ताजा हो गयी हैं। भारतीय एकता को बनाये रखने के लिए और लोगों को संगठित करने के लिए इस उत्सव का आरंभ अंग्रेज़ों के समय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

अध्यक्षीय टिप्पणी में गीतकार चंपालाल बैद ने कहा कि श्री गणेशोत्सव से हमारी राष्ट्रीय एकता को बल मिलता है। आजकल देश में भगवान श्री गणेश जी के प्रति अधिक भक्ति भावना भक्तों में दिखायी देती है। सभी देवों में श्री गणपति सर्वप्रथम पूजे जाने वाले देवता हैं। इनकी भक्ति से भक्त के हर कार्य सफल होते हैं और विघ्न दूर होते हैं। उन्होंने सभी को श्री गणेश चतुर्थी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कामिनी सिंह, रंजीता वाल्मीकि, यथार्थ सिंह, प्रभात सिंह, मानव वाल्मीकि आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संयोजिका रत्नकला मिश्र ने सभी कवियों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रत्नकला मिश्र, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और गोविंद अक्षय की ओर से श्री गणेश स्थापना एवं प्रसादी की सुंदर व्यवस्था थी।

मरीजों को बेहतर सेवा मिलनी चाहिए : इला त्रिपाठी

मंचेरियाल, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला प्रभारी कलेक्टर इला त्रिपाठी ने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए। मंगलवार को उन्होंने चेन्नूर और कोटापल्ली मंडलों का दौरा किया। चेन्नूर नगरपालिका कार्यालय, लाइनगड्डा, सामाजिक स्वास्थ्य केंद्र, पेद्दाचेरुवु, कोटापल्ली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि चेन्नूर में बड़ा तालाब पूरा भर गया है और तटबंध को कोई खतरा तो नहीं है। सुझाव दिया गया है कि अस्पतालों में रिकॉर्ड की जांच कर मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए मेडिकल स्टाफ को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि समय की पाबंदी का पालन किया जाए और कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बुखार का सर्वेक्षण ठीक से किया जाना चाहिए और जहां आवश्यक हो वहां चिकित्सा शिविर की व्यवस्था की जानी चाहिए।

अधिकारियों को गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र के लोगों को सतर्क करने का आदेश दिया गया है क्योंकि अगले दो दिनों तक भारी बारिश होगी। उन्होंने अलगमा गांव में स्वच्छता कार्यक्रमों का अवलोकन किया और अपनी अधीरता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कूड़ा-कचरा जमा होने से बीमारियां फैलने की आशंका है। पंचायत सचिव से गांव में बुखार के सर्वे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सर्वे हो चुका है जब ग्रामीणों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है और सचिव पर गुस्सा जताया। उन्होंने कहा कि प्राणहिता नदी में नाव यात्रा पर रोक लगायी जाये। डीपीओ वेंकटेश्वर राव, चेन्नूर नगर आयुक्त गंगाधर, तहसीलदार मल्लिकार्जुन, महेंद्रनाथ, एमपीडीओ श्रीनिवास, सत्यनारायण और एई साईकिरण ने भाग लिया।

रेस क्लब के निदेशक एवं खम्मम के सांसद रामासहायम रघुराम रेड्डी और एक अन्य निदेशक नरसिम्हा रेड्डी ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए 2 करोड़ रुपए का चेक मंगलवार 10 सितंबर को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को सौंपा।

नदी में गिरने से अधेड़ की मौत

मंचेरियाल, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंदामरी ग्रामीण सम्मक्का-सरलम्मा मेले के रास्ते में रामकृष्णपुर कोयला बेल्ट रोड पर एक नदी में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मंदामरी एसएसआई राजशेखर के अनुसार, स्थानीय प्राणहिता (शिर्के) कॉलोनी में रहने वाले गाडे श्रीनिवास (55) मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते था। वह कुछ समय से शराब का आदी था। पलावगु मुलामालुपु पुलिया के पास दारी मैसम्मा मंदिर में वह भक्तों द्वारा दिए गए थोड़े से पैसे से शराब पीता था। श्रीनिवास रविवार दोपहर घर से निकला और वापस नहीं लौटा। पत्नी रमादेवी सोमवार सुबह मैसम्मा मंदिर गईं और उन्हें चप्पल और एक छाता मिला संदेह होने पर वह नाले के पास गई तो शव मिला। पुलिस को सूचना देते ही पुलिस वहां पहुंची और शव को नदी से बाहर निकाला। जिसे पोस्टमार्टम के लिए मंचेरीयाल सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। एसएसआई ने बताया कि पत्नी की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है ।

अस्पताल के कर्मचारियों को लंबित वेतन का तत्काल भुगतान करे सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने मंगलवार को राज्य सरकार से तेलंगाना में तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) के तहत विभिन्न अस्पतालों में काम करने वाले स्वच्छता, रोगी देखभाल और सुरक्षा कर्मचारियों के लंबित वेतन जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले छह महीनों से इन कर्मचारियों को वेतन देने में विफल रही है।

अस्पताल कर्मचारियों द्वारा चल रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, हरीश राव ने कहा कि अमानवीय कांग्रेस सरकार ने स्वास्थ्य कर्मचारियों की दुर्दशा की उपेक्षा की, जो अस्पताल संचालन के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने याद दिलाया कि सरकारी अस्पतालों में पहले से ही कर्मचारियों की कमी है, लेकिन गंभीर वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों का बोझ बढ़ गया है।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का यह दावा सरासर गलत है कि हर महीने की पहली तारीख को सरकारी कर्मचारियों को वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत ने इन कर्मचारियों की ओर से आंखें मूंद ली हैं।

हरीश राव ने बताया कि अपने बकाया वेतन की मांग को लेकर बार-बार विरोध प्रदर्शन के बावजूद, सरकार उन कर्मचारियों के प्रति उदासीन बनी हुई है जो गंभीर परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या फरवरी से फंड जारी करने में सरकार की विफलता से उत्पन्न हुई है, जिसके कारण ठेकेदारों को बकाया बिलों का भुगतान करना पड़ा, जो अब अस्पताल के कर्मचारियों के लिए अभिशाप बन गया है। बीआरएस पार्टी की ओर से हरीश राव ने लंबित वेतन और बकाया राशि तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सक्रिय रखने वालों की भलाई को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

एसआई रामूलू ने की पीड़ित महिला की सहायता

मंचेरियाल, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले माह 19 अगस्त को सड़क दुर्घटन में घायल महिला मुप्पीडी स्वरूपा ओल्ड मंचेरीयाला निवासी जो एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई और मुसीबत हालात से गुजर रही हैं। इस विषय की सूचना मिलने एसआई रामुलु व्यक्तिगत रूप से मानवीय दृष्टिकोण के साथ पीड़ित के घर गए। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपए की आर्थिक सहायता की। पीड़ित परिवार ने उनका आभार प्रकट किया।

महानों की लड़ाई की भावना को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाएं : जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि महानों की लड़ाई की भावना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाएगा। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु, आसिफाबाद और सिरपुर निर्वाचन क्षेत्रों के विधायक कोवा लक्ष्मी, पलवई हरीश बाबू, आसिफाबाद राजस्व मंडल के अधिकारी लोकेश्वर राव एकीकृत जिले में जिला पिछड़ा वर्ग विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित वीरनारी चकली ऐलम्मा जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल हुए। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित कलेक्टर भवन में उन्होंने एक साथ उपस्थित होकर ज्योति प्रज्वलित की और कार्यक्रम की शुरुआत की तथा चकली अइलम्मा की छवि पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि ऐलम्मा एक बहादुर और वीर धोबी महिला थीं, जिन्होंने दलितों, भूमि और भुक्ति के उत्थान के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष, स्वतंत्रता आंदोलन और तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के पहले चरण में कई महानुभावों के प्रयास थे और सभी को उनके संघर्ष को उदाहरण के रूप में लेकर अपनी महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायकों ने कहा कि सरकार बडुगु के कमजोर वर्गों के उत्थान और जिले के विकास के लिए काम करेगी और वे जिले में महानियों की मूर्तियां स्थापित करने के लिए कदम उठाएंगे। सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायकों ने कहा कि जागीर और जमींदारों के उत्पीड़न के खिलाफ दलित समुदायों के कल्याण के लिए लड़ने वाली चकली ऐलम्मा सभी के लिए एक आदर्श थीं। उन्होंने कहा कि हर किसी को महानों द्वारा दिखाए गए तरीकों का अभ्यास करके अपनी महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला पिछड़ा वर्ग विकास विभाग अधिकारी सजीवन, फैक्स अध्यक्ष अलीबिन अहमद, जिला राजका एसोसिएशन के अध्यक्ष कदतला मलैया, ज्योतिबापूल एसोसिएशन के अध्यक्ष शंकर, राजाका, पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन के नेता और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,921.29
+144.79 +0.25% ↑
एनएसई :25,041.10
104.70 (0.42%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,740/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 83,750/-
(प्रति किलोग्राम)

हाइड्रा गरीब और मध्यम वर्ग को निशाना बना रहा है : पायल शंकर

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आदिलाबाद विधायक पायल शंकर ने राज्य सरकार पर गरीब और मध्यम वर्ग के घरों को लक्षित करने के लिए हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) का उपयोग करने का आरोप लगाया है।मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शंकर ने आरोप लगाया कि हाइड्रा अमीर और प्रभावशाली व्यक्तियों के प्रति उदार रवैया अपना रहा है और गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को निशाना बना रहा है। हाइड्रा एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी और अन्य द्वारा साल्कोम चेरुवु के अतिक्रमण के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन बिना नोटिस दिए गरीबों के घरों को ध्वस्त कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रा की कार्यप्रणाली संदिग्ध है। सरकार इसे राजनीतिक हिसाब-किताब बराबर करने के औजार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है।

अगर सरकार ईमानदार है तो उसे तुरंत झील पर ओवेसी द्वारा निर्मित संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश देना चाहिए। वह झील के सौंदर्यीकरण और विकास के तहत कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा निर्मित संरचनाओं की स्थिति जानना चाहते हैं।

नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में जिला शीर्ष स्थान पर रहे : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2024 में हमारा जिला शीर्ष स्थान पर रहे। मंगलवार को उन्होंने जिले के तिरयानी मंडल केंद्र में जिला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया और मॉक टेस्ट-1 के संचालन की जांच की।

इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण पूरे देश में आयोजित किया जाएगा, इसके तहत 3 मॉक टेस्ट आयोजित किए जाएंगे और छात्रों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए ताकि वे राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण आयोजित करके राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में उच्चतम परिणाम प्राप्त कर सकें। साप्ताहिक परीक्षण मॉक टेस्ट-1 लिखने वाले कक्षा 6 और 9 के छात्रों के लिए अपनाई गई विशेष शिक्षण पद्धति और कक्षा 10 के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के शिक्षण का विवरण सीखा गया।

रामनगर मे स्थापित गणेश प्रतिमा के साथ विष्णुकांत सोनी, अनुषा सोनी, निशा सोनी, यश, वैष्णवी, चिक्की, रामप्रसाद सारडा परिवार के सदस्य एवं अन्य।

बडगाम में उमर के लिए कई चुनौतियां गंदरबल में गदर का डर

जम्मू, 10 सितम्बर (ब्यूरो)। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को इस बार के विधानसभा चुनावों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अगर उन्हें शिया बहुल बडगाम जिले में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है तो गंदरबल में वोटरों द्वारा गदर किए जाने का डर सता रहा है। याद रहे उमर अब्दुल्ला इस बार दो क्षेत्रों में किस्मत आजमा रहे हैं।

दरअसल पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने शिया उम्मीदवार और नेकां सांसद आगा रूहुल्लाह के चचेरे भाई सैयद मुंतजिर मेहदी को बडगाम से मैदान में उतारा है, जिससे इस निर्वाचन क्षेत्र में दांव बढ़ गया है, जहां शिया मतदाताओं का काफी प्रभाव है। इस लड़ाई का नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि शिया वोट बंटते हैं या एक ही उम्मीदवार के पीछे एकजुट होते हैं। क्षेत्र की मुस्लिम आबादी का 20-25 परसेंट हिस्सा शिया समुदाय है, जो चुनाव परिणामों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अकेले बडगाम में, 30 से 33,000 मतदाता शिया संप्रदाय के हैं, जो जिले की आबादी का लगभग 35 परसेंट है। पिछले रिकार्ड बताते हैं कि शिया समुदाय अपने सुन्नी समकक्षों की तुलना में अधिक संख्या में मतदान करता है, जिससे क्षेत्र में किसी भी उम्मीदवार के लिए उनका समर्थन महत्वपूर्ण हो जाता है।

कश्मीर में शिया समुदाय दो मुख्य संप्रदायों में विभाजित है, मुस्तफई और मोहम्मदी, दोनों ही सैयद वंश से आते हैं। आगा सैयद मुस्तफा और आगा सैयद यूसुफ जैसे प्रमुख लोगों ने ऐतिहासिक रूप से इन समूहों के राजनीतिक और धार्मिक झुकाव को निर्देशित किया है। आगा सैयद मुस्तफा का परिवार, विशेष रूप से, लंबे समय से कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य में शामिल रहा है। उनके बेटे, आगा रूहुल्लाह, वर्तमान में नेकां से सांसद हैं, जबकि उनके दूसरे बेटे, सैयद मुंतजिर मेहदी, अब पीडीपी के बैनर तले चुनावी दौड़ में शामिल हो गए हैं। राजनीतिक पंडितों के अनुसार यह शिया वोटों में संभावित विभाजन का कारण बन सकता है।

बडगाम में उमर अब्दुल्ला की पिछली चुनावी सफलता को मेहदी के उभरने से नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उमर को एक बार फिर मैदान में उतारने का नेकां का फैसला उनके व्यक्तिगत करिश्मे पर निर्भरता को दर्शाता है, लेकिन प्रतिद्वंद्वी पीडीपी से एक मजबूत शिया उम्मीदवार को शामिल करने से उनका अभियान जटिल हो सकता है।बडगाम में शिया समुदाय की राजनीतिक भागीदारी का व्यापक इतिहास और भी जटिलता पैदा करता है। मुस्तफाई संप्रदाय के कांग्रेस के साथ गहरे संबंध रहे हैं, सांसद आगा रूहुल्लाह के पिता आगा सैयद मेहदी पहले पार्टी के साथ जुड़े थे। हालांकि, राजनीतिक पुनर्संयोजन, विशेष रूप से आगा परिवार के भीतर, ने एक प्रतिस्पर्धी परिदृश्य बनाया है, जिसमें उम्मीदवार शिया-बहुल क्षेत्रों में प्रभाव के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसमें और भी रहस्य यह है कि शिया समुदाय, विशेष रूप से बडगाम में, अभी भी शरिया अदालतों के माध्यम से कानूनी विवादों को हल करने के पारंपरिक तरीकों का पालन करता है, जिसमें कई लोग पारंपरिक अदालतों के बजाय इस्लामी सिद्धांतों के आधार पर न्याय की मांग करते हैं। आगा परिवार ऐतिहासिक रूप से इस प्रथा के केंद्र में रहा है, जिसने शिया आबादी पर उनके प्रभाव को और मजबूत किया है।

बडगाम में चुनाव इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मुकाबलों में से एक बन रहा है, जहां उमर अब्दुल्ला की जीत का रास्ता संभवतः इस बात पर निर्भर करता है कि वे शिया समुदाय के भीतर जटिल गतिशीलता को कितनी अच्छी तरह से संभाल पाते हैं और क्या पीडीपी के उम्मीदवार वोटों के एक महत्वपूर्ण हिस्से को प्रभावित कर पाते हैं। शिया वोटों में विभाजन उमर के पक्ष में काम कर सकता है, लेकिन मेहदी के लिए एकजुट शिया समर्थन एक कठिन चुनौती बन सकता है।

फ़तेहनगर पाइपलाइन रोड पर गजानंद युवा सेवा समिति द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन करते हुए सोमाजीगुड़ा डीविजन की पार्षद सुश्री संगीता यादव, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन काउन्सलर सुनील अग्रवाल, पीआर गुप्ता, कुश अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, कार्तिक, एस. राज यादव, आदित्य यादव एवं अन्य।

मोंडा मार्केट में अपने परिवार के साथ भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए समाज सेवी लड्डू बंग, बबीता, आदित्य, मेहुल एवं लक्षिता भंडारी।

सनतनगर लोधा में स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना करती हुईं अमीरपेट डिविजन की पार्षद, भाजपा नेता सपना गुप्ता, श्रीधर भाग्यश्री, विनीत, विमल गुप्ता, वेणुगोपाल।

केबीआर पार्क में गणेश जी की पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए डॉ. राधा कृणा, राजेन्द्र प्रसाद, राहुल सिंघल, गोपाल बल्दवा, मंसाराम, सुरेंद्र मोहन, पीसी जैन, विभा अग्रवाल, धारुका सुदर्शन, मधुसूदन रेड्डी, रवि, संगीता अग्रवाल, टी. जगन राव, अशोक अग्रवाल, श्रीनिवास गौड़।

मालगाडी को बेपटरी करने के मामले का नहीं लगा सुराग

अजमेर, 10 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के मांगलियावास थानान्तर्गत ग्राम बांगड़ रेलवे स्टेशन के नजदीक तीन दिन पहले मालगाडी को बेपटरी करने के प्रयास के मामले में अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। रेलवे पुलिस बल एवं डीएफसी के अधिकारियों ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए आज सुबह मौके का जायजा लिया।

जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में शाशनोत्कृष्ट वर्षावास 2024 में सम्पूर्ण चातुर्मास में एखासन व आयंबिल का लाभ लेने वाले स्व.श्रीमती मोहनबाई-स्व.श्री तेजराज कोठारी के दिव्याशीष से गौतमचन्द-ज्ञानाबाई, अजय -कविता, संजय, प्रीति,अनमोल, रितिशा, आध्या, अनिशा, आन्या एवं समस्त श्रीमाल कोठारी परिवार व शैलेश कोमल अदर्श कानीश आंचलिया कोठारी परिवार का बहुमान स्मृति चिह्न, शॉल व माला द्वारा संघ के कुशालराज कोचेटा, पारस डोसी, गिरिराज सिंघी, पुखराज तातेड़, दिलीप गादिया, संगीता कोठारी व विमला पितलिया ने किया।

अखंड रामचरितमानस पारायण पाठ जारी

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ माधव दास जी के तत्वावधान में श्री रंगनाथ मंदिर नैमिषारण्य धाम, अष्टाव वैकुंठ तीर्थ प्रदेश में एक वर्षीय द्वितीय अखंड रामचरितमानस पारायण पाठ निरंतर चल रहा है जिसमें भाग्य नगर से ऑनलाइन भक्त अपने जन्मदिन पर संकल्प लेकर पूजा कर रहे हैं और अपना नाम अंकित करवा रहे हैं। उक्त पारायण पाठ श्री जगन्नाथ मठ के महंत एवं रंगनाथ मंदिर के संचालक अच्युत रामानुजाचार्य के प्रत्यक्ष देखरेख में जारी है। अच्युत रामानुजाचार्य सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। यह पाठ शोभाचंद शिव जी राम लोया , कैलाश नारायण भांगड़िया, गोपाल सोनी, दीनबंधु अग्रवाल, वीना काबरा, नीरज यादव, द्वारका प्रसाद शर्मा एवं श्री जगन्नाथ मठ परिवार के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक जारी है।

जगन्नाथ मठ स्वामी वृद्धाश्रम के मोहनलाल तिवारी नहीं रहे

श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित श्री जगन्नाथ स्वामी विद्याश्रम के मोहनलाल तिवारी (वृद्ध दादा) नहीं रहे। उनकी अंतिम विदाई में महंत अच्युत रामानुजाचार्य, श्री जगन्नाथ मठ परिवार एवं अन्य भक्तों ने सेवा दी।

अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि परम पूज्य परंपद्वासी जीयर स्वामी जी का उद्देश्य था कि मानव सेवा ही मधाव सेवा है, वृद्धों की सेवा से आशीर्वाद प्राप्त होता है। सभी भक्तों से आग्रह किया गया कि जगन्नाथ मठ स्वामी वृद्धाश्रम में असहाय वृद्धों का सहयोग एवं सेवा करें ताकि आपको भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद मिलता रहे। भगवान से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल समेत चार लोग 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

कोलकाता, 10 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अलीपुर की विशेष अदालत ने कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

विशेष अदालत ने घोष के साथ ही उनके निजी सुरक्षा गार्ड अफसर अली खान , अस्पताल के वेंडर बिप्लव सिंह और सुमन हाजरा को भी 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घोष को गत 30 सितंबर को गिरफ्तार किया और अदालत से आज मंगलवार तक के लिए उनकी हिरासत हासिल की थी। इससे पहले दिन में सीबीआई ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आरोपियों को पेश करने की अनुमति मांगी, लेकिन अनुरोध खारिज कर दिया गया। इस बीच, अलीपुर अदालत में वकीलों ने घोष के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और बाहर निकलते समय उनका रास्ता रोकने की कोशिश की। पुलिस और केंद्रीय बलों ने चारों को जेल वैन तक पहुंचाया।

IN THE COURT OF HON'BLE X JUNIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD
OS NO. 4286 OF 2024

BETWEEN:-
1) Smt. Jaiswal Sarada W/o Late Sanjay Babu, aged about 55 years occ:House wife.
2) Sri Motesha Swapna Singh D/o late Sanjay Babu, D/o Motesha Raju Singh aged about 27 years occpn house wife.
3) Sri Suraj Babu S/o late Sanjay Babu, aged about 18 years occ: Student,represented by his mother Smt. Jaiswal Sarada W/o Late Sanjay Babu, aged about 55 years occ:House wife.
All are R/o.H.No.3-1-379, Nimboliadda, Kachiguda, Hyderabad
... PLAINTIFFS
AND
1) The Mandal Revenue Officer/ Tahsildar
Himayath Nagar Mandal, Amberpet, Hyderabad.
2) All Concerned. **....DEFENDANTS**

NOTICE
To,
(2) All concerned
Take Notice that the Plaintiffs herein have filed the above suit for declaration to declare the plaintiffs as legal heir LATE SANJAY BABU against you. That the above case is posted on 16.10.2024 for your appearance before the Hon'ble court. If any person or persons have any objection for declaring plaintiff as legal heirs, then they may appear in person or through their counsel on the above referred date at 10:30 A.M, before the Hon'ble court and put forth their objection if any, failing which order will be passed in their absence.
(By order of Court.)
Sd/-
R. PINKESHWARI
ADVOCATE

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिनेता दर्शन के आरोपपत्र पर मीडिया प्रतिबंध जारी किया

बेंगलुरु, 10 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के खिलाफ दायर आरोपपत्र से संबंधित किसी भी विवरण को प्रकाशित या प्रसारित करने पर मंगलवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी के नेतृत्व में दर्शन की कानूनी टीम ने 'प्रथम दृष्टया मामला' प्रस्तुत किया था, जिसके लिए एकपक्षीय आदेश की आवश्यकता थी। पीठ ने केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि यह आदेश मीडिया घरानों को सूचित किया जाए और यदि कोई मीडिया आउटलेट निर्देश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाये।

न्यायमूर्ति चंदनगौदर ने सोमवार को आरोपपत्र के विवरण के किसी भी मीडिया प्रसार को रोकने के लिए केंद्र सरकार को व्यापक निर्देश के लिए प्राथमिकता का संकेत दिया था। हालांकि, केंद्र के वकील ने तर्क दिया कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाना अव्यावहारिक है और सरकार बिना यह बताए निर्देश जारी नहीं कर सकती कि किस मीडिया आउटलेट ने प्रसारण नियमों या टेलीग्राफ अधिनियम का उल्लंघन किया है। केंद्र ने तर्क दिया कि दर्शन की कानूनी टीम को ऐसे उल्लंघनों के विस्तृत सबूत देने होंगे।

केंद्र के इस तर्क के बावजूद न्यायालय ने मीडिया ट्रायल से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि 33 वर्षीय ऑटो चालक रेणुकास्वामी शव 9 जून को मिला था। आरोप है कि उस पर दर्शन के निर्देश पर हमला किया गया था, क्योंकि उसने सोशल मीडिया पर दर्शन की कथित साथी पवित्रा गौड़ा के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। गत 11 जून को गिरफ्तारी के बाद से दर्शन पुलिस हिरासत में है।

विधायक के समर्थकों ने दुग्गल का पुतला फूंका

फतेहाबाद, 10 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिला के रतिया विधानसभा क्षेत्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सुनीता दुग्गल के विधायक लक्ष्मण नापा के संबंध में दिए कथित विवादास्पद बयान के विरोध में विधायक के समर्थकों ने उनका (सुनीता दुग्गल) का पुतला फूंका।

विधायक समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए सुनीता दुग्गल से माफी की मांग भी की। प्रदर्शन करने वालों में विधायक के बेटे सुमित नापा शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि बीते दिन नामांकन भरने से पहले हुई जनसभा में श्रीमती दुग्गल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में कहा था कि रतिया से अगर उन्हें जिताया जाता है, तो कल को कोई यह नहीं कहेगा कि उनका विधायक जुआ खेलता है, शराब पीता है, सट्टा लगाता है। उन्होंने यह भी कहा था कि विधायक सरपंची तक का चुनाव नहीं जीत पाए थे और भाजपा में आने के बाद उन्हें भाजपा ने विधायक बनाया और यदि वे पार्टी नहीं छोड़ते, तो भाजपा ने उनके लिए बहुत अच्छा सोच रखा था।

श्री नापा ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि वह श्रीमती दुग्गल के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे, एफआईआर करवाएंगे और चुनाव आयोग को भी लिखेंगे। विधायक ने दावा किया कि वह पांच साल विधायक के तौर पर कार्यरत रहे हैं।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, ANISHA J spouse of Service No.15205421H Hav(DMT) JEGADEESAN N, R/o.Vill:Palugal, Po:Vanniyodr, Teh:Vilavancod, Dist:Kanyakumari, Tamilnadu - 629801 have changed my name from **ANISHA J** to **ANISHA K R** vide affidavit dt:10-9-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF DOB
I, DULAL CHANDRA DUTTA, father of Mr JAYANTA KUMAR DUTTA, resident of Vill-Saika, Post- Jhangianankar, Teh- Kontai, Dist- Paschim Medinipur, State-WB, Pin Code-721437 have Changed DOB From **21 MAR 1958** to **13 JAN 1955** respectively vide affidavit dated 31 Aug 2024 before 1'st Class Magistrate, Court of Additional Chief Judicial Magistrate, Kharagpur, Paschim Medinipur.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PUSPA, Mother of Mr JAYANTA KUMAR DUTTA, resident of Vill-Saika, Post- Jhangianankar, Teh- Kontai, Dist - Paschim Medinipur, State-WB, Pin Code - 721437 have Changed my name & DOB From **PUSPA** & **21 MAR 1961** to **PUSHPA RANI DUTTA** & **01 JAN 1962** respectively vide affidavit dated 31 Aug 2024 before 1' st Class Magistrate, Court of Additional Chief Judicial Magistrate, Kharagpur, Paschim Medinipur.

CHANGE OF NAME
I, SUDEPA DUTTA, Wife of Mr JAYANTA KUMAR DUTTA, resident of Vill-Saika, Post- Jhangianankar, Teh - Kontai, Dist-Paschim Medinipur, State - WB, Pin Code-721437 have Changed my name From **SUDEPA DUTTA** to **SUDIPA DUTTA** respectively vide affidavit dated 31 Aug 2024 before 1'st Class Magistrate, Court of Additional Chief Judicial Magistrate, Kharagpur, Paschim Medinipur.

CHANGE OF NAME
I, Ravi Bhagashra S/o Hanuman Singh Bhagashra presently residing at Quarter No -476/03, Ammuguda, Sainikpuri, Secunderabad have changed my son name from NAKSH BHAGASHRA to NAKSH add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate dated 10/09/2024.

CHANGE OF NAME
I, Kavali Appala Raju S/o Nuka Raju presently residing atVill & PO-Ravada,Teh & PS-Paravada,S.O-Paravada, District-Visakhapatnam, PIN-531020,State-Andhra Pradesh, have changed my son name from ARWIND to KAVALI ARAVIND add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate dated 10/09/2024.

CHANGE OF NAME
I, Kavali Appala Raju S/o Nuka Raju presently residing at Vill & PO-Ravada Teh & PS-Paravada,S.O-Paravada, District-Visakhapatnam, PIN-531020,State-Andhra Pradesh, have changed my daughter name from MAANASA to KAVALI MANASA add in my service documents before Notary G Ramchander Advocate dated 10/09/2024.

CHANGE OF NAME
I, SHARADA BEN is legally Wedded Wife of Service No.14640741N, Rank: HAV, Name RATHWA BHUVANSINGBHAI, Unit: 1 TRG BN, 1 EME CENTRE, SECUNDERABAD, residing at Vill: ATROLI-AT-PATEL PHALYA, PO: AMBALA, The: CHHOTAUDEPUR, Dist: VADODARA, State GUJARAT, Pin: 391165, I have changed my name from **SHARADA BEN** to **RATHWA SHARDABEN**

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

रेवंत ने ऋण पुनर्गठन या अतिरिक्त सहायता प्रदान करने का किया अनुरोध

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को 16वें वित्त आयोग से राज्य के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए ऋण पुनर्गठन या अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के विकल्प प्रदान करने का अनुरोध किया।

श्री रेड्डी ने आज यहां प्रजा भवन में आयोजित आयोग की बैठक में कहा, मजबूत लाभ और अच्छी अर्थव्यवस्था के बावजूद हम ऋण के भारी बोझ के कारण बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह ऋण पिछले वित्तीय वर्ष के अंत तक 6.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है तथा इसमें बजटीय और ऑफ-बजट कर्ज दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कार्यकाल के दौरान में लिये गये बड़े ऋणों ने अब ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां हमारे राजस्व का एक बड़ा हिस्सा केवल ऋण चुकाने में उपयोग किया जाता है।उन्होंने कहा, अगर हम अपने ऋणों और ब्याज भुगतान का प्रबंधन नहीं करते हैं तो यह राज्य की प्रगति को धीमा कर देगा। राज्यों को केंद्रीय निधियों के आवंटन को 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लिए सभी प्रदेशों की ओर से मेरा आग्रह है। मेरा आपसे वादा है कि अगर आप ऐसा कर सकते हैं, तो मैं भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण की बड़ी जिम्मेदारी लूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा हमें खुशी है कि तेलंगाना एक आर्थिक रूप से विकसित, तेजी से बदल रहा राज्य है, जिसने हमारे देश में बहुत योगदान दिया है। मैं तेलंगाना को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाऊंगा। अगर आयोग तेलंगाना की मदद करता है तो हम बदले में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम राजकोषीय संघवाद को मजबूत करने में आपके समर्थन की उम्मीद करते हैं। मुझे विश्वास है कि आयोग की सिफारिशें तेलंगाना को अपनी मौजूदा चुनौतियों से उबरने में मदद करेंगी।

आन्ध्र प्रदेश में लगातार वर्षा और बाढ़ से 46 लोगों की मौत

विजयवाड़ा, 10 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में लगातार वर्षा और बाढ़ के कारण अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 1,96,100 हेक्टेयर भूमि की फसलें बर्बाद हो गई हैं।

यहां मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है। एनटीआर जिले में 36, गुंटूर जिले में सात, एलुरु जिले में दो और पालनाडु जिले में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

इसी दौरान, 1,96,100 हेक्टेयर में कृषि फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे 2,40,272 किसान प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, 19,686 हेक्टेयर में बागवानी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे बागवानी फसलों से जुड़े 30,877 किसान प्रभावित हुए हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार, मूसलाधार वर्षा और बाढ़ के कारण 4,202.68 किलोमीटर लंबी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और 70 सड़कों में दरारें पड़ गईं। विजयवाड़ा में लगातार बारिश के कारण 339 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, 181 के मार्ग बदले गए और 12 आंशिक रूप से रद्द कर दी गईं। खराब मौसम की वजह से, राज्य में 6,44,133 लोग प्रभावित हुए। उनके लिए 246 राहत शिविर बनाए गए। कुल 540 पशु (बड़े पशु 135 और छोटे पशु 405) मारे गए जबकि 7,607 पक्षी मारे गए।

मुख्यमंत्री रेवंत ने हैदराबाद में फार्मा सिटी के विकास में तेजी लाने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 10 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को हैदराबाद के बाहरी इलाके में ग्रीनफील्ड फार्मा सिटी के विकास की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से रंगारेड्डी और महबूबनगर जिलों की सीमा में पहले से चयनित क्षेत्र- मुचेरला में फार्मा सिटी विकसित करने के लिए कहा।

रेवंत रेड्डी ने फार्मा सिटी के विकास के लिए दुनिया में उपलब्ध उन्नत तकनीक के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रदूषण मुक्त क्लस्टर के विकास के लिए सभी आवश्यक उपाय करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। रेवंत रेड्डी ने कहा कि फार्मा सिटी में निवेश के लिए जानी-मानी फार्मा कंपनियां पहले ही आगे आ चुकी हैं और सरकार जल्द ही संभावित कंपनियों के साथ बैठक करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दवा निर्माण कंपनियों, बायोटेक और जीवन विज्ञान कंपनियों की स्थापना के लिए फार्मा सिटी को सिंगल स्टॉप के रूप में बढ़ावा देने का निर्देश दिया।

फार्मा सिटी एंटीबायोटिक्स, किण्वन उत्पाद, सिंथेटिक दवाएं, रसायन, विटामिन, टीके, दवा फॉर्मूलेशन, न्यूट्रास्यूटिकल्स, हर्बल औषधीय उत्पाद, विशेष रसायन, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य संबंधित उत्पाद निर्माण कंपनियों का केंद्र भी होगी। फार्मा सिटी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) को भी प्राथमिकता देगी और अनुसंधान, प्रशिक्षण और कौशल के लिए एक विशेष विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। सीएम ने सुझाव दिया कि रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्रों में विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। सीएम ने अधिकारियों को प्रस्तावित फार्मा सिटी में बुनियादी सुविधाओं मुख्य रूप से सड़कों का निर्माण, सुरक्षित पेयजल नेटवर्क की आपूर्ति, बिजली, जल निकासी और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को जल्द से जल्द विकसित करने का निर्देश दिया।उन्होंने अधिकारियों से भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकास के बुनियादी ढांचे की आवश्यकता पर मूल्यांकन करने के लिए कहा और उन्हें तेज गति से काम शुरू करने के लिए योजनाओं की परिकल्पना करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण में अपनी जमीन खोने वाले किसानों सहित अन्य लोगों को फार्मा सिटी में हितधारक बनाने और इस दिशा में आवश्यक योजनाएं तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने फार्मा सिटी के विकास पर राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और शीर्ष अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, टीजीआईआईसी के एमडी विष्णुवर्धन रेड्डी, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकार के सलाहकार (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्रीनिवासराजू, सीएम के प्रमुख सचिव शेषाद्रि, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, रंगा रेड्डी जिला कलेक्टर शशांक शामिल हुए।

।। श्री दधिमथ्यै नमः ।। ।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। श्री महर्षि दधीचि नमः ।।

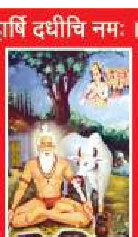

दाहिमा समाज (रजि.)
दाहिमा युवा मंच दाहिमा महिला मण्डल
हैदराबाद-सिकन्दराबाद
के संयुक्त तत्वावधान में

श्री महर्षि दधीचि जयंती महोत्सव
सं. 2081, भाद्रपद शुक्ल 8, आज बुधवार दि. 11 सितम्बर 2024

कार्यक्रम विवरण
श्री महर्षि दधीचि पूजन एवं अभिषेक
प्रातः 8:15 बजे (दाहिमा मन्दिर, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार)
शोभायात्रा .... प्रातः 9:15 बजे से
(दाहिमा मन्दिर से प्रारम्भ होकर बेगम बाजार के विभिन्न मार्गो से होते हुए माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार जायेगी)
मंगल पाठ .... मध्याह्न 12:21 बजे से (दाहिमा महिला मण्डल द्वारा)

सम्माननीय अतिथि

श्री कौशलकिशोरजी रिणवा
सिंगापुर-हैदराबाद

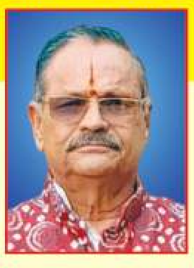
श्री हरिप्रसादजी खटोड़
मंचरियाल

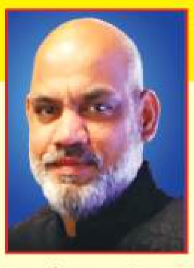
श्री कैलाशपतिजी तिवाड़ी
नाँदेड़

जयन्ती महोत्सव
सायं 5:01 बजे से
दीप प्रज्वलन
अतिथियों का स्वागत
रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम
खेल-कूद प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण
महर्षि दधीचिजी की अद्भुत विशेष महा-आरती
प्रसादी
कार्यक्रम स्थल : मैडम अंजय्या हॉल
काचीगुडा, हैदराबाद

पुरस्कार प्रायोजक : श्री पुरुषोत्तमजी जितेन्द्रजी मिश्र
सादर निमंत्रण
सभी दाहिमा बन्धुओं से निवेदन है कि सहपरिवार पधारकर महोत्सव की शोभा बढावें।
समस्त कार्यक्रम ठीक समय पर आरम्भ होंगे। कृपया समय का ध्यान रखें।
अवश्य पधारें

निवेदक
दाहिमा समाज — अध्यक्ष: सुरेश गाँधी, मंत्री: सत्यप्रकाश डोबा
कार्यक्रम प्रधान संयोजक — गिरीराज मिश्र, दिलीप इटोदिया, मूलचन्द पाटोदिया
दाहिमा युवा मंच — अध्यक्ष: आशीष जोशी, मंत्री: मनीष गाँधी
दाहिमा महिला मण्डल — अध्यक्षा: किरण डोबा, मंत्राणी: सारिका तिवाड़ी

उपाध्यक्ष : गिरीराज मिश्र, खेमचंद करेशिया कोषाध्यक्ष : नंदकिशोर काकड़ा सह-मंत्री : सुरेश खटोड़, श्यामसुन्दर तिवाडी (LIC)
संगठन मंत्री : संदीप व्यास, राधेश्याम डोबा, अशोक तिवाड़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक : संदीप व्यास, राधेश्याम डोबा
कार्यकारिणी सदस्य : रमेश गाँधी (आसोपा), रमेश पलोड, रूपेश काकड़ा, भीकमचंद पाटोदिया, रामप्रसाद रिणवा, मूलचंद पाटोदिया, दिलीप इटोदिया, भरत तिवाड़ी (राजकमल), श्यामसुन्दर रतावा, गोविंद तिवाड़ी, द्वारकाप्रसाद तिवाड़ी, राजगोपाल व्यास, अवधेश दाहिमा
परामर्शदाता : नरसिंगप्रसाद दाहिमा, लक्ष्मीनारायण जोपट, श्रवणकुमार ईटोदिया, गोविन्द मडी, भंवरलाल रिणवा, पुरुषोत्तम मिश्र, गोपाल डोबा 'पाल'
क्षेत्रीय प्रभारी : बेगम बाजार – अजय डोबा, पवन जोपट, लक्ष्मीनारायण खटोड़, मुरली तिवाड़ी, संजय तिवाड़ी, गोपाल काकड़ा, अमित पलोड, आशीष काकड़ा, महेश डोबा, दीपक मिश्र, अशोक तिवाड़ी, रामकिशन चीपड़ा, विशाल डोबा, भरत तिवाड़ी, नवनीत खटोड़, सुभाष करेशिया, अभिलाष गाँधी, सागर गाँधी, विशाल खटोड़, रमेश तिवाड़ी, नवीन डोबा मल्लेपल्ली – सुनील इटोदिया, सागर व्यास अत्तापुर-शिवरामपल्ली-काटेदान – मधुसूदन गोठेचा, आशीष डोबा, गणपत रतावा, राजेन्द्र बोरायडा, अभिषेक सूंठवाल सिकन्दराबाद – दामोदर तिवाड़ी, कैलाश रिणवा, दूलीचंद तिवाड़ी, पूनम सूंठवाल, रमेश रतावा, मनीष सूंठवाल, जगदीश तिवाड़ी कोठी-काचीगुडा-नारायणगुडा – गणेश जोपट, पवन जोपट, राजगोपाल बोरायडा, घनश्याम सूंठवाल, आनन्द तिवाड़ी पुराना शहर – महेश तिवाड़ी, मनोज करेशिया, मनोज जोपट महाराजगंज-गौलीगुडा-उस्मान गंज – रमाकांत जोशी, अरविंद आसोपा, रामानुज रतावा, रमेश जोपट, मुकेश तिवाड़ी मलकपेट से एल.बी. नगर – श्यामसुन्दर तिवाड़ी, राधेश्याम गोठडीवाल, महेश चीपडा, राजेश बोरायडा

शुभकामनाओं सहित
सत्यनारायण मुकुन्दलाल डोबा
ज्ञानबाग कॉलोनी, बेगम बाजार, हैदराबाद © 9849130001, 9392664743
मुकुन्द ट्रेडिंग कं. शुगर मर्चेन्ट
बेगम बाजार, हैदराबाद
© 9440218197, 9849073374, 9989424209

भादवा सुदी दशमी, शुक्रवार, 13 सितम्बर 2024

जन-जन की आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास का प्रतीक
स्थापना : 1998
अष्टकोणी रामदेवरा
(पुजारी : श्री चन्द्रशेखरदासजी) (श्री रामदेव बाबा अष्टकोणी मन्दिर)
रामदास मठ, ईश्वर बाजार, (इसामियाँ बाजार) हैदराबाद. फोन : 24617181, 9989499794

बाबा की बड़ी दशमी

मुख्य अतिथि

श्री दिनेश गुप्ता

भजन संकीर्तन
श्री रामदेव कीर्तन मंडल द्वारा
प्रमुख भजन गायक : राजेन्दर राठी एवं साथी
समय : दोपहर 12 से 2 बजे तक

✲ आयोजित कार्यक्रम ✲

कलशाभिषेक	: प्रातः	07.30 बजे
श्रृंगार आरती	: प्रातः	10.30 बजे
राजभोग आरती	: मध्याह्न	02.15 बजे
प्रसाद-गोष्टी	: मध्याह्न	02.30 बजे
भव्य आरती	: रात्रि	08.30 बजे

पूजा यजमान :
जय बाबा की परिवार
पूजा : श्री शेषाचार्यजी महाराज, जियागुड़ा के सान्निध्य में होगी।

जागृत समाधी के विशेष दर्शन

महिलाओं एवं बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम :
"रानी रुपादे"
(Dress Competition) (राजस्थानी वेशभुषा में)
निर्णायकगण द्वारा चयनित प्रथम, द्वितिय एवं तृतीय विजेताओं को सम्मानित किया जायेगा।
सभी महिलाओं और बहनों से निवेदन है कि वे महारानी वेशभुषा में अष्टकोणी रामदेवरा दरबार पधारें। समय : सायं 6 से 7 बजे तक
विशेष जानकारी हेतु संपर्क करें : 9848402756, 6301859387

निर्णायकगण

श्रीमती पद्मा अग्रवाल

सभी भक्तगण इस महान दिवस पर सपरिवार सादर आमंत्रित है।

: with best compliments from :
Shyam Baheti 9391038450
Baheti Steel Traders LLP
Manoj Baheti 9391037995
Esamiya Bazar - baheti56@gmail.com
Baheti Steel Industries — Nacharam, IDA, Uppal 9393945252
Baheti Steel — Biramalguda 9100168735
Baheti Steel Corporation — Aramgadh "X" Road, Katedan 9035218888

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.